RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर
श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज
श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं. पू.1008 श्री रामानन्द जी
तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-11 अंक:302 ता. 28 मई 2023, रविवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

राहुल गांधी, मल्लिकार्जुन खड़गे समेत कांग्रेस ने पूर्व पीएम जवाहरलाल नेहरू को दी पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि

कांग्रेस कमेटी ने शनिवार को पूर्व प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू को उनकी 59वीं पुण्यतिथि पर पुष्पांजलि अर्पित की। यहां राष्ट्रीय राजधानी के शांति वन में आयोजित कार्यक्रम में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, पार्टी के महासचिव केसी वेणुगोपाल और...

नई दिल्ली। कांग्रेस कमेटी ने शनिवार को पूर्व प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू को उनकी 59वीं पुण्यतिथि पर पुष्पांजलि अर्पित की। यहां राष्ट्रीय राजधानी के शांति वन में आयोजित कार्यक्रम में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, पार्टी के महासचिव केसी वेणुगोपाल और पूर्व सांसद राहुल गांधी ने पूर्व प्रधानमंत्री को पुष्पांजलि अर्पित की. जवाहरलाल नेहरू एक स्वतंत्रता सेनानी थे जिन्होंने भारत के स्वतंत्रता आंदोलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। वह 1947 में स्वतंत्रता के बाद भारत के पहले प्रधान मंत्री भी बने। नेहरू 16 साल से अधिक समय तक इस पद पर रहे और 27 मई 1964 को दिल का दौरा पड़ने से उनकी मृत्यु हो गई। लाल बहादुर शास्त्री ने भारत के दूसरे प्रधान मंत्री के रूप में पदभार संभाला। नेहरू को भारत के गुटनिरपेक्ष आंदोलन का अग्रणी माना जाता है। बच्चों के लिए उनके प्यार के लिए, नेहरू को चाचा नेहरू भी कहा जाता था और उनकी जयंती 14 नवंबर को भारत में हर साल बाल दिवस के रूप में भी मनाया जाता है।

पूर्व पीएम जवाहरलाल नेहरू की पुण्यतिथि पर पीएम मोदी ने दी श्रद्धांजलि

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को पूर्व प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू को उनकी 59वीं पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित की। पीएम मोदी ने ट्विटर पर कहा, उनकी पुण्यतिथि पर, मैं हमारे पूर्व पीएम पंडित जवाहरलाल नेहरू को श्रद्धांजलि देता हूं÷। भारत के स्वतंत्रता संग्राम में जवाहरलाल नेहरू की प्रमुख भूमिका थी। वह 1947 में स्वतंत्रता के बाद भारत के पहले प्रधान मंत्री भी बने। भारत को ब्रिटिश शासन से मुक्त करने के लिए, नेहरू ने अंग्रेजों के खिलाफ लड़ाई लड़ी और भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के प्रमुख नेताओं में से थे। 27 मई, 1964 को भारत के प्रथम प्रधानमंत्री ने अंतिम सांस ली। वह 1947 से 1964 तक 74 साल की उम्र तक पीएम रहे। उन्हें बच्चों से बहुत लगाव था और बच्चे उन्हें चाचा नेहरू कहकर बुलाते थे। नेहरू की जयंती 14 नवंबर को भारत में हर साल बाल दिवस के रूप में भी मनाया जाता है।

एमपी के नीमच में भीषण सड़क हादसा, एक ही परिवार के 3 लोगों की मौत; 4 घायल

नीमच। मध्य प्रदेश के नीमच में मंदसौर मनासा रोड पर शनिवार सुबह 6 बजे भीषण सड़क हादसा हुआ। सड़क दुर्घटना में एक ही परिवार के 3 लोगों की मौत हो गई और बच्चों सहित 4 लोग घायल हो गए हैं। हादसा इतना जबरदस्त था कि ग्लेंडर मशीन से वैन को काटकर शव को बाहर निकाला गया। सूचना पर 108 एंबुलेंस मौके पर पहुंची और घायलों को उपचार के लिए जिला अस्पताल पहुंचाया गया। वहीं, 3 मृतकों के शव को मनासा शासकीय चिकित्सालय में रखा गया है। जहां पोस्टमार्टम के बाद शव को परिजनों के सुपुर्द किया जाएगा। हादसे की वजह के बारे में बताया जा रहा है कि सुबह मौसम ठंडा होने के चलते ड्राइवर को गाड़ी चलते समय नींद लग गई। जिसके चलते गाड़ी अनियंत्रित हो गई मंदसौर की तरफ से आ रही वैन रुपावास के नजदीक रोड के पास खड़ी ट्रैक्टर की ट्राली में जा घुसी।

घटना में देवरी खवासा निवासी एक ही परिवार के तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं घटना में चार अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना में संदीप पिता बंसीलाल पाटीदार उम्र 35 वर्ष सुशीला बाई पति बंशीलाल पाटीदार 65 वर्ष, जयंती बाई उम्र 32 वर्ष की मौत हुई है। वहीं 4 घायलों में चेतना बाई उम्र 12 वर्ष, नयन उम्र 10 वर्ष, पप्पू पाटीदार उम्र 35 वर्ष, कमला बाई उम्र करीबन 55 वर्ष को जिला अस्पताल रेफर किया गया है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, मंदसौर की तरफ से आ रही वेन रुपावास के पास सड़क किनारे खड़ी ट्रैक्टर ट्राली में घुस गई। परिवार किसी काम से उज्जैन आया था और यहां से वापस लौट रहा था। मृतक मंदसौर के देवरी खावसा गांव के रहने वाले हैं ओर एक ही परिवार के हैं।

नए संसद भवन के उद्घाटन में शामिल होने के लिए चेन्नई से रवाना हुए धर्मपुरम आदिनम, पीएम को देंगे विशेष उपहार

नई दिल्ली । नए संसद भवन के उद्घाटन समारोह में शामिल होने के लिए थिरुवदुथुराई आदिनम चेन्नई हवाई अड्डे से दिल्ली के लिए रवाना हो चुके हैं। इस उद्घाटन समारोह में धर्मपुरम आदिनम के संत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक खास उपहार लेकर पेश करेंगे। इस उद्घाटन का साक्षी बनने के लिए 21 आदिनम चेन्नई से निकल चुके

दो चरणों में होगा उद्घाटन समारोह-दरअसल, धर्मपुरम आदिनम के संत ही उद्घाटन समारोह के दौरान पीएम मोदी को पवित्र राजदंड सेंगोल सौंपेंगे। उद्घाटन समारोह को लेकर कार्यक्रम की जानकारी फिलहाल सार्वजनिक नहीं की गई है, लेकिन सूत्रों के मुताबिक, समारोह दो चरणों में आयोजित किया जाएगा।

अध्यक्ष के दाहिनी ओर स्थापित होगा सेंगोल-उद्घाटन समारोह की रस्में संसद के पास स्थित गांधी की प्रतिमा के पास वाले पंडाल में होंगी। इसके बाद तमिलनाडु के पुजारी प्राचीन परंपराओं के मुताबिक, लोकसभा कक्ष में अध्यक्ष की कुर्सी के दाहिनी ओर सेंगोल को स्थापित कराएंगे।

लोकतंत्र में सेंगोल का काफी महत्व-सेंगोल का अर्थ संपदा से संपन्न और ऐतिहासिक होता है। इसे तमिलनाडु के एक प्रमुख धार्मिक मठ के मुख्य आदिनम यानि पुरोहितों का आशीर्वाद मिला हुआ है। भारत के लोकतांत्रिक इतिहास में सेंगोल का काफी महत्व है। दरअसल, सेंगोल ब्रिटिश सरकार से भारतीयों के हाथों में ली गई सत्ता की शक्ति को दर्शाता है। भारत के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू को प्रधानमंत्री के रूप में पदभार संभालने के दौरान यह सौंपा गया था।

रियल एस्टेट कंपनी पर आईटी विभाग की छापेमारी

केएम कोहिनूर ग्रुप के प्रमोटर के घर मिले अहम दस्तावेज

नई दिल्ली। इन दिनों आयकर विभाग काफी सक्रिय नजर आ रही है। लगातार छापेमारी कर और तलाशी अभियान चलाकर भ्रष्टाचारियों के खिलाफ एक्शन ले रही है। आयकर अधिकारियों ने एक प्रमुख रियल एस्टेट कंपनी केएम कोहिनूर ग्रुप के हैदराबाद वाले कार्यालयों में तलाशी अभियान चलाया। इस तलाशी अभियान के दौरान प्रमोटर मोहम्मद अहमद कादरी के बंजारा हिल्स स्थित परिसर और अन्य परिसरों में भी खोजबीन की गई।

कई अहम दस्तावेज किए जब्त-कॉर्पोरेट कार्यालयों और साइट कार्यालयों को खोज में शामिल किया गया था। सूत्रों के मुताबिक, आईटी अधिकारियों ने कंपनी के कार्यालयों और एमडी के आवासों से खाता लॉग बुक, भुगतान रसीद, फ्लैट और ग्राहकों को बेचे गए प्लॉट, हार्ड डिस्क और डिजिटल उपकरण जैसे विभिन्न दस्तावेज जब्त कर लिए गए हैं।

टैक्स चोरी के संदेह पर हो रही छापेमारी-आईटी अधिकारियों, बड़े पैमाने पर टैक्स चोरी के संदेह पर लगातार छापेमारी कर रही है। विभाग ने शीर्ष रिटेलर्स की संपत्तियों और आवासों पर देश भर में कई स्थानों पर तलाशी ली। इस दौरान हैदराबाद, गुरुग्राम, नोएडा और कर्नाटक में कोहिनूर ग्रुप और रेड रोज ग्रुप से जुड़े लगभग 40 परिसरों पर तलाशी ली गई।

निजी वाहनों की आज नई दिल्ली में नो एंट्री, इन रास्तों पर न जाएं

नई दिल्ली। नए संसद भवन के उद्घाटन समारोह को देखते हुए रविवार को नई दिल्ली क्षेत्र को ट्रैफिक पुलिस की ओर से नियंत्रित क्षेत्र घोषित किया गया है। उद्घाटन कार्यक्रम में आने वाले तमाम वीआईपी और वीवीआईपी की बड़ी संख्या के कारण नई दिल्ली क्षेत्र में निजी वाहनों को प्रवेश की अनुमति नहीं होगी। यहां सुबह साढ़े पांच बजे से लेकर शाम करीब चार बजे तक पाबंदी रहेगी। दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने नए संसद भवन के उद्घाटन समारोह को लेकर ट्रैफिक एडवाइजरी जारी की है। ट्रैफिक पुलिस ने इसमें कहा है कि 28 तारीख को बहुत सारे गणमान्य लोग उद्घाटन समारोह में शामिल होने के लिए आने वाले हैं। इस दौरान ट्रैफिक को सुचारू बनाए रखने के लिए यातायात की विशेष व्यवस्था की गई है। इस क्रम में नई दिल्ली जिले को नियंत्रित क्षेत्र की रखा गया है।

इन रास्तों पर न जाएं

ट्रैफिक पुलिस के मुताबिक, मदर टेरेसा क्रीसेंट रोड, तालकटोरा, बाबा खड़क सिंह मार्ग, गोल डाक खाना, अशोक रोड, पटेल चौक, विंडसर प्लेस, जनपथ, अकबर रोड,

तीन मूर्ति मार्ग आदि क्षेत्र को रेगुलेटेड एरिया माना जाएगा। इस पूरे क्षेत्र में केवल सिविल सर्विस एस्पाइरेंट, स्थानीय निवासी, पहले इजाजत वाले और आपातकालीन वाहनों को ही आवागमन की छूट रहेगी।

सुरक्षा कड़ी, ट्विटर पर मिलती रहेगी सूचना: समारोह को देखते हुए नए संसद भवन के आसपास कड़ी सुरक्षा रहेगी। पहलवानों ने यहां महिला पंचायत की घोषणा की है, उस कारण भी सुरक्षा बंदोबस्त सख्त किए गए हैं। वाहन चालकों को किसी तरह की परेशानी न हो, इसके लिए दिल्ली ट्रैफिक पुलिस अपने ट्विटर हैंडल से भी लोगों को सूचना देती रहेगी। चालकों को वैसे तो यहां न आने की सलाह दी है, लेकिन अगर किसी को आपातकालीन स्थिति में नई दिल्ली क्षेत्र में आना है तो उन्हें वैकल्पिक मार्ग बताए जाएंगे। ट्रैफिक पुलिस ने लोगों से सहयोग की अपील की है।

किन गाड़ियों को छूट मिलेगी

उद्घाटन समारोह के दौरान केवल सार्वजनिक परिवहन के वाहन, सिविल सर्विस एस्पाइरेंट, स्थानीय निवासी, जिन वाहनों पर पहले से स्टीकर लगे होंगे और आपातकालीन वाहनों को ही आने की छूट होगी। निजी वाहन को प्रवेश नहीं दिया जाएगा। ट्रैफिक पुलिस ने आम लोगों और वाहन चालकों से ट्रैफिक व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने में कर्मियों की मदद करने और दिए गए निर्देशों का धैर्यपूर्वक पालन करने की अपील की है।

गहलोत ने दी अध्यापक भर्ती लेवल-प्रथम के सूचीबद्ध अभ्यर्थियों को बधाई

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने अध्यापक भर्ती लेवल- प्रथम के जारी परिणाम में सूचीबद्ध अभ्यर्थियों को हार्दिक बधाई दी है।

श्री गहलोत ने परिणाम जारी होने के बाद शुक्रवार देर रात सोशल मीडिया पर कहा कि युवाओं के सम्मानजनक रोजगार और शिक्षा की गुणवत्ता बेहतर करने में महत्वपूर्ण बहुप्रतीक्षित रीट मेंस लेवल-1 में 21 हजार पदों के लिए शॉर्टलिस्टेड अभ्यर्थियों को हार्दिक बधाई।

उन्होंने कहा हमारी कामना है कि आप सभी एक आदर्श

शिक्षक बनकर देश के भविष्य निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं। सरकार इसी प्रकार परीक्षाओं के शुचितापूर्ण आयोजन कर पारदर्शी तरीके से रोजगार सृजन के लिए संलग्न है।

उल्लेखनीय है कि राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड ने शुक्रवार को अध्यापक भर्ती लेवल-प्रथम का परिणाम जारी कर दिया और इसके 21 हजार पदों पर 41 हजार 546 अभ्यर्थियों को दस्तावेज सत्यापन और पात्रता जांच के लिए सूचीबद्ध किया गया है।

आरएसएस को बैन करने की कोशिश की तो जलकर राख हो जाएगी कांग्रेस, जूनियर खड़गे के बयान पर भड़की भाजपा

बेंगलुरु। कर्नाटक सरकार में मंत्री और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के बेटे प्रियांक खड़गे के द्वारा दक्षिणी राज्य में आरएसएस और बजरंग दल पर प्रतिबंध लगाने की बात कहने पर विवाद खड़ा हो गया है। कर्नाटक भाजपा अध्यक्ष नलिन कुमार कतील ने प्रियांक पर पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि अगर अगर कांग्रेस बजरंग दल या आरएसएस पर प्रतिबंध लगाने की कोशिश करती है, तो वह जलकर राख हो जाएगी। कर्नाटक भाजपा अध्यक्ष ने कहा, प्रियांक खड़गे ने आरएसएस पर प्रतिबंध लगाने की बात कही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आरएसएस के स्वयंसेवक हैं। हम सभी आरएसएस के स्वयंसेवक हैं। पंडित जवाहरलाल नेहरू, इंदिरा गांधी और नरसिम्हाराव सरकार ने भी इस पर प्रतिबंध लगाने की कोशिश की थी। लेकिन सफल

नहीं हो सके। नलिन कुमार ने कहा, बजरंग दल और आरएसएस पर प्रतिबंध लगाने की कोशिश की तो कांग्रेस जलकर राख हो जाएगी। प्रियांक खड़गे के लिए बेहतर है कि वे देश के इतिहास के बारे में जानें। उन्हें अपनी जुबान पर लगाम लगानी चाहिए।

प्रियांक खड़गे ने RSS पर क्या कहा?-चित्तपुर विधानसभा सीट से कांग्रेस विधायक प्रियांक खड़गे ने कहा था, हम उन संगठनों पर प्रतिबंध लगाने में संकोच नहीं करेंगे जो मोरल पुलिसिंग में लिप्त हैं। यह आरएसएस या बजरंग दल या कोई अन्य सांप्रदायिक संगठन हो सकता है।

प्रियांक ने ट्वीट करते हुए कहा, अगर कोई धार्मिक या राजनीतिक संगठन शांति भंग करने, सांप्रदायिक नफरत फैलाने और कर्नाटक को बदनाम करने की कोशिश करता है तो हमारी सरकार उनसे कानूनी रूप से निपटने या उन पर प्रतिबंध लगाने में संकोच नहीं करेगी। भले ही वह आरएसएस या कोई अन्य संगठन। हिजाब पर प्रतिबंध हटाने की बात पर उन्होंने कहा कि भाजपा शासन के दौरान लागू किए गए आदेश और कानून जैसे कि स्कूल पाठ्यपुस्तक संशोधन और धर्मांतरण विरोधी कानून की समीक्षा की जाएगी। उसे या तो संशोधित किया जाएगा या फिर वापस ले लिया जाएगा। कर्नाटक चुनाव से पहले कांग्रेस ने अपने चुनावी घोषणा पत्र में बजरंग दल पर प्रतिबंध लगाने का वादा किया था। घोषणापत्र ने बड़े पैमाने पर विवाद खड़ा कर दिया था। आरएसएस और भाजपा ने चुनावी वादों को लेकर कांग्रेस की आलोचना की थी। बीजेपी के चौतरफा हमले के बाद कांग्रेस डैमेज कंट्रोल मोड में आ गई थी। कांग्रेस ने कहा कि सत्ता में आने पर बजरंग दल पर प्रतिबंध लगाने का पार्टी की तरफ से कोई सुझाव नहीं है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी बजरंग दल पर प्रतिबंध के मुद्दे पर कांग्रेस पार्टी पर हमला बोला था। उन्होंने कहा था, पहले उन्होंने (कांग्रेस) भगवान राम को बंद किया और अब उन्होंने जय बजरंग बली का नारा लगाने वालों को बंद करने की कसम खाई है।

70 की स्पीड से आया तूफान, एनसीआर में कहां कितना हुआ नुकसान

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर में शनिवार को मौसम का मिजाज बड़ी तेजी से बदल गया। दिल्ली, नोएडा, गाजियाद, गुरुग्राम और फरीदाबाद समेत पूरे एनसीआर में शनिवार सुबह तूफानी हवाएं चलने के साथ ही जोरदार बारिश हुई, जो अब तक जारी है। करीब 70 किलोमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से तूफानी हवाओं के चलते जहां कई जगह पेड़ उखड़ गए, वहीं कई स्थानों पर और नुकसान की भी खबर है। बारिश के कारण कई इलाकों में जलभराव भी देखा गया। खराब मौसम के कारण आज दिल्ली आ रही चार उड़ानें जयपुर डायवर्ट की गई हैं। मौसम विभाग की ओर से अगले कुछ घंटों में कुछ स्थानों पर और तेज बारिश होने का अलर्ट जारी किया गया है।

मौसम विभाग (आईएमडी) ने सुबह करीब 6:30 बजे बताया कि बादलों का एक समूह दिल्ली-एनसीआर के ऊपर से गुजर रहा है, जिसके कारण यहां और आसपास के क्षेत्रों में अगले दो घंटों में हल्की से मध्यम तीव्रता वाली बारिश होगी और 40 से 70 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलेंगी। दिल्ली में शुक्रवार को अधिकतम तापमान सामान्य से पांच डिग्री कम 34.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था।

बारिश से कहां कैसा असर

नोएडा : नोएडा में भी शनिवार सुबह से हो रही बारिश और तूफान का कहर देखने को मिला। तूफानी हवाओं के चलते कुछ जगहों पर पेड़ और बिजली के खंबे उखड़ गए। इसके चलते लोगों को बिजली संकट का भी सामना करना पड़ा। बारिश के कारण कई सड़कों पर

पानी भरने से यातायात प्रभावित हुआ है।

गाजियाबाद : शनिवार सुबह 6 बजे से हो रही बारिश के चलते कई सड़कों पर पानी भर गया है। वहीं, दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे पर बरसात के चलते अंधेरा छाया गया और वाहन चालक गाड़ियों की हेडलाइट जलाकर गुजरते दिखे। कुछ जगहों पर पेड़ गिरने की बात कही जा रही है।

फरीदाबाद : फरीदाबाद में सुबह हुई मूसलाधार बारिश ने लोगों को गर्मी से राहत दिलाई है। यहां भी बारिश के चलते निचले इलाकों और सड़कों पर जलभराव देखा जा रहा है।

गुरुग्राम : मिलेनियम सिटी में तेज हवाओं के साथ शनिवार सुबह 6:00 से झमाझम बारिश हो रही है। तेज बारिश से सड़कों पर पानी भर आया है। हालांकि, सड़कों पर ट्रैफिक कम होने से लोगों को जैम का सामना नहीं करना पड़ा। अभी किसी बड़े नुकसान की खबर नहीं है।

4 फ्लाइट्स जयपुर डायवर्ट

भारी बारिश और खराब मौसम के कारण शनिवार को दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उड़ानों पर असर देखने को मिला। एयरपोर्ट अधिकारी ने कहा खराब मौसम के कारण आज सुबह कुल चार उड़ानें जयपुर डायवर्ट की गईं। सभी उड़ानें अलग-अलग शहरों से दिल्ली आ रही थीं। हवाई अड्डे के अधिकारियों ने यात्रियों को फ्लाइटों की ताजा जानकारी प्राप्त करने के लिए एयरलाइंस से संपर्क करने की सलाह दी है। दिल्ली हवाईअड्डे ने शनिवार को एक बयान में कहा, खराब मौसम के कारण, दिल्ली हवाई अड्डे पर उड़ानों का संचालन प्रभावित हुआ है। यात्रियों को उड़ान की ताजा जानकारी के लिए संबंधित एयरलाइंस से संपर्क करने की सलाह दी जाती है।

सरकारी नौकरी दिलाने के नाम पर लोगों से 9.52 करोड़ वसूलने के आरोप में भाजपा नेता गिरफ्तार

गुवाहाटी ।असम के आंगलोंग जिले में भाजपा नेता को सरकारी नौकरी दिलाने के नाम पर कई लोगों से 9.52 करोड़ वसूलने के आरोप में गिरफ्तार किया है। एक अधिकारी ने शुक्रवार को इसकी जानकारी दी। भाजपा के किसान मोर्चा विंग के नेता मून इंगटिपी को गिरफ्तार किया गया था। गिरफ्तारी के बाद, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने मून को उसके पद के साथ-साथ पार्टी से भी निष्कासित कर दिया है।कार्बी आंगलोंग जिले के एडिशनल एसपी नयन बर्मन ने कहा, गिरफ्तारी करने के लिए हमें पर्याप्त सबूत मिले हैं।पुलिस टीम स्थिति को और अच्छी तरह से देख रही है। असम में विभिन्न सरकारी विभागों में नौकरी दिलाने के नाम पर इंगतिपी ने कथित तौर पर कुछ लोगों से बड़ी रकम की मांग की, जिसके बाद यह मामला हाल ही में सामने आया। इंगतिपी पर कई लोगों से करीब 9.52 करोड़ रुपये वसूलने का आरोप है। वित्तीय नुकसान झेलने वाले पीड़ितों में से कुछ ने कहा कि इंगतिपी ने पहले मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा के नाम का इस्तेमाल पैसे इकट्ठा करने के लिए किया था।

वृद्ध महिला को बिजली के खंभे से बांधा, डायन बताकर बर्बरता से की पिटाई

सहार ।बिहार के भोजपुर में डायन बताकर वृद्ध महिला के साथ मारपीट करने का मामला सामने आया है।यहां लोगों ने महिला को चिलचिलाती धूप में बिजली के खंभे से बांध दिया, फिर सरेआम उसके साथ मारपीट की। जानकारी के अनुसार घटनास्थल पर पुलिस के पहुंचने के पहले महिला को खंभे से खोल कर छोड़ दिया गया।पूरा मामला जिले के सहार थाना क्षेत्र के पतरिहां गांव का है।इस मामले में सहार थाना में प्राथमिकी दर्ज की गई है। प्रत्यक्षदर्शी ग्रामीणों के अनुसार, पतरिया गांव निवासी कमल किशोर सिंह की कुछ दिनों पहले एक बेटी और एक भतीजा की आकस्मिक मृत्यु हो गई थी।इसके बाद परिवार में एक वृद्ध महिला पर डायन की शंका की स्थिति उत्पन्न हो गई थी।इसी बीच कमल किशोर सिंह की पत्नी की तबीयत भी खराब होने लगी, जिसके कारण परिजनों में आक्रोश व्याप्त हो गया। इसको लेकर गुरुवार की दोपहर में आरोपितों ने स्व. राम अयोध्या शर्मा की पत्नी कलावती कुंवर को चिलचिलाती धूप में बिजली के खंभे में बांध दिया और मारपीट कर प्रताड़ित किया गया।ग्रामीणों के समझाने-बुझाने के बाद महिला को खंभे से खोला गया, तब जाकर मामला शांत हुआ। इधर, वृद्ध महिला द्वारा प्रताड़ित करने के मामले में स्थानीय थाना में आवेदन दिया गया है।इस संबंध में सहार थानाध्यक्ष शिवेंद्र कुमार ने बताया कि आवेदन प्राप्त हुआ है।मामला दर्ज कर गहराई से जांच पड़ताल की जा रही है।

द केरला स्टोरी के डायरेक्टर सुदीप्तो सेन की तबीयत बिगड़ी, अस्पताल में भर्ती

मुंबई ।बॉलीवुड फिल्म डायरेक्टर सुदीप्तो सेन की तबीयत बिगड़ने से उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है।गौरतलब है कि सुदीप्तो सेन इन दिनों अपनी फिल्म 'द केरल स्टोरी' को लेकर लगातार चर्चा में बने हुए हैं।इस फिल्म को लेकर अलग-अलग तरह की प्रतिक्रिया देखने को मिल रही है।बैन, विवाद और विरोध के बाद भी सुदीप्तो सेन की यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन कर रही है और अब ये वर्ल्डवाइड 300 करोड़ क्लब में एंट्री करने के लिए तैयार है।इस बीच सुदीप्तो सेन को लेकर एक खबर आई है।डायरेक्टर को हाल ही में अस्पताल में भर्ती कराया गया है।सुदीप्तो लगातार फिल्म के प्रचार में व्यस्त हैं और लगातार मिल रही धमकियों को लेकर तनाव में भी हैं। जिसके चलते अचानक उनकी तबीयत बिगड़ गई और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, ज्यादा तनाव के चलते बिगड़ी तबीयत के बाद सुदीप्तो सेन को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।डॉक्टर लगातार उनकी देखरेख में जुटे हैं।बता दें कि पिछले दिनों फिल्म के डायरेक्टर और स्टार कास्ट को जान से मारने की धमक मिली थी।इसके बाद फिल्म में लीड रोल निभा रहीं अदा शर्मा के एक्सीडेंट की खबर आई और अब सुदीप्तो के अस्पताल में भर्ती होने की खबर है। फिल्म 'द केरल स्टोरी' के लगातार प्रमोशन और मिल रही धमकियों के चलते सुदीप्तो लगातार तनाव में थे। फिल्म का प्रचार करते हुए उन्हें थकान महसूस होने लगी, जिसके बाद उन्हें अस्पताल ले जाया गया।

सुबह-सुबह भींगा दिल्ली-एनसीआर, गर्मी से लोगों ने ली राहत की सांस

-नौतपा में ही देश की राजधानी सहित कई राज्यों में झमाझम बारिश

नई दिल्ली ।इस बार नौतपा में ही देश की राजधानी सहित कई राज्यों में बारिश होने से लोगों ने राहत की सांस ली है।दिल्ली-एनसीआर में शनिवार सुबह बारिश ने मौसम को सुहावना बना दिया है।दिल्ली समेत पूरे एनसीआर में तेज हवा के साथ बारिश ने लोगों को गर्मी से राहत दी है।आज सुबह से ही राष्ट्रीय राजधानी में घने बादल छाए हुए हैं और कई जगहों पर बिजली कड़क रही है।मौसम विज्ञान विभाग ने दिल्ली सहित पूरे एनसीआर में बारिश को लेकर येलो अलर्ट जारी किया है।साथ ही बदले मौसम के कारण तामपान में भी गिरावट देखी जा सकती है। मौसम विभाग के अनुसार नोएडा समेत आस-पास के इलाकों में गरज और चमक के साथ बारिश होने के कारण तापमान में गिरावट दिखेगी।28 मई को अधिकतम तापमान 38 और न्यूनतम तापमान 21 रहने की उम्मीद है।29 और 30 मई को अधिकतम तापमान क्रमशः 37 और 36 और न्यूनतम तापमान 23 और 21 दर्ज की जा सकती है।मौसम विभाग की भविष्यवाणी के अनुसार दिल्ली में 29 मई तक बारिश का दौर जारी रह सकता है।मौसम विभाग के अनुमान के अनुसार 31 मई तक दिल्ली-एनसीआर में लोगों को गर्मी से राहत मिलती रहेगी। 30 मई तक हीटवेव की कोई संभावना नहीं है, साथ ही इस दौरान तापमान 35 से 38 डिग्री के बीच दर्ज किया जा सकता है।सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव के कारण दिल्ली और आसपास के क्षेत्रों में रुक-रुक कर बारिश होती रहेगी।

छापेमारी करने वाले आईटी अधिकारियों को मिलेगी सुरक्षा

चेन्नई ।केन्द्रीय मंत्री के यहां छापेमारी करने पहुंचे आईटी अधिकारियों को सीआरपीएफ सुरक्षा प्रदान कर रही है। केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) ने कहा है कि वह उन आयकर अधिकारियों को सुरक्षा प्रदान करेगा, जो शनिवार को राज्य के बिजली राज्य मंत्री सेंथिल बालाजी के परिसरों पर छापेमारी कर रहे हैं।यह फैसला चार आईटी अधिकारियों पर हमले के बाद हुआ, जो चेन्नई और करूर में बालाजी के परिसरों पर तलाशी और छापे मार रहे थे, उनका करूर के सरकारी अस्पताल के गहन चिकित्सा कक्ष (आईसीयू) में इलाज चल रहा है।करूर पुलिस ने घटना के सिलसिले में पहले ही चार मामले दर्ज कर लिए हैं।विपक्ष के नेता और एआईएडीएमके के महासचिव, एडप्पादी के. पलानीस्वामी (ईपीएस) ने हमले की निंदा की है।इधर भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष के. अन्नामलाई ने मंत्री सेंथिल बालाजी, उनके भाई अशोक और करूर गिरोह के परिसरों पर छापेमारी करते हुए राज्य सरकार से अधिकारियों पर हमले की जिम्मेदारी लेने का आह्वान किया।उन्होंने यह भी कहा कि सरकारी शराब की दुकानों पर ओवरचार्जिंग की सूचना के बाद आईटी छापे पड़ रहे हैं।

2000 के नोट की बैंक दे रहे हैं, आयकर विभाग को जानकारी

नई दिल्ली ।बैंक में 2000 रुपये के नोट जमा करने पर बैंकों से कहा गया है,कि वह आयकर विभाग को जानकारी दें।बैंकों के खाते में जो भी 2000 रुपये के नोट जमा होंगे।उनकी जानकारी बैंक को अनिवार्य रूप से आयकर विभाग को भेज देंगे।जिसके कारण लोग बैंक में 2000 रुपये के नोट जमा करने से डर रहे हैं। वहीं कारोबारी भी ?2000 के नोट में भुगतान लेने से मना कर रहे हैं। कारोबारी 2000 रुपये के जो भी नोट जमा करेंगे,वह भी आयकर की पूछताछ की दायरे में आ जाएंगे।जिसके कारण वह 2000 के नोट लेने से बच रहे हैं। जिसके कारण कारोबार में अफरा-तफरी की स्थिति मची हुईहै। काले धन पर लगाम लगाने के लिए आयकर विभाग सक्रिय हो गया है।रिजर्व बैंक ने 2000 रुपये के नोटों पर को बंद करने का निर्णय लिया है।रिजर्व बैंक ने एक बार में 20000 तक नोट बदलने का निर्देश दिया है।रिजर्व बैंक आयकर विभाग और बैंकों के प्रबंधन द्वारा अलग-अलग निर्देश दिए जा रहे हैं।

आरएसएस को बैन करने पर विवाद, प्रियांक खड़गे के बयान पर भड़की भाजपा

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक में आरएसएस को बैन करने वाले बयान पर विवाद छिड़ गया है। सरकार में मंत्री और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के बेटे प्रियांक खड़गे के एक बयान पर भाजपा ने भी कड़ी चुनौती दी है। कांग्रेस द्वारा दक्षिणी राज्य में आरएसएस और बजरंग दल पर प्रतिबंध लगाने की बात कहने पर विवाद खड़ा हो गया है। कर्नाटक भाजपा अध्यक्ष नलिन कुमार कतील ने प्रियांक पर पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि अगर अगर कांग्रेस बजरंग दल या आरएसएस पर प्रतिबंध लगाने की कोशिश करती है, तो वह जलकर राख हो जाएगी। कर्नाटक भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि प्रियांक खड़गे ने आरएसएस पर प्रतिबंध लगाने की बात कही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आरएसएस के स्वयंसेवक हैं। हम सभी आरएसएस के स्वयंसेवक हैं। पंडित जवाहरलाल नेहरू, इंदिरा गांधी और नरसिम्हाराव सरकार ने भी इस पर प्रतिबंध लगाने की कोशिश की थी। लेकिन सफल नहीं हो सके। नलिन कुमार ने कहा कि बजरंग दल और आरएसएस पर प्रतिबंध लगाने की कोशिश की तो कांग्रेस जलकर राख हो जाएगी। प्रियांक खड़गे के लिए बेहतर है

कि वे देश के इतिहास के बारे में जानें। उन्हें अपनी जुबान पर लगाम लगानी चाहिए।

चित्तपुर विधानसभा सीट से कांग्रेस विधायक प्रियांक खड़गे ने कहा था कि हम उन संगठनों पर प्रतिबंध लगाने में संकोच नहीं करेंगे जो मोरल पुलिसिंग में लिप्त हैं। यह आरएसएस या बजरंग दल या कोई अन्य सांप्रदायिक संगठन हो सकता है। प्रियांक ने ट्वीट करते हुए कहा कि अगर कोई धार्मिक या राजनीतिक संगठन शांति भंग करने, सांप्रदायिक नफरत फैलाने और कर्नाटक को बदनाम करने की कोशिश करता है तो हमारी सरकार उनसे कानूनी रूप से निपटने या उन पर प्रतिबंध लगाने में संकोच नहीं करेगी। भले ही वह आरएसएस या कोई अन्य संगठन। हिजाब पर प्रतिबंध हटाने की बात पर उन्होंने कहा कि भाजपा शासन के दौरान लागू किए गए आदेश और कानून जैसे कि स्कूल पाठ्यपुस्तक संशोधन और धर्मांतरण विरोधी कानून की समीक्षा की जाएगी। उसे या तो संशोधित किया जाएगा या फिर वापस ले लिया जाएगा।

गौरतलब है कि कर्नाटक चुनाव से पहले कांग्रेस ने अपने चुनावी घोषणा पत्र में बजरंग दल पर प्रतिबंध लगाने का वादा किया था। इसके बाद विवाद खड़ा हो गया था। आरएसएस और भाजपा ने चुनावी वादों को लेकर कांग्रेस की आलोचना की थी। बीजेपी के चौतरफा हमले के बाद कांग्रेस डैमेज कंट्रोल मोड में आ गई थी। कांग्रेस ने कहा कि सत्ता में आने पर बजरंग दल पर प्रतिबंध लगाने का पार्टी की तरफ से कोई सुझाव नहीं है। जबक पीएम मोदी ने भी बजरंग दल पर प्रतिबंध के मुद्दे पर कांग्रेस पार्टी पर हमला बोला था।

नया संसद भवन भारत की जीवंत संस्कृति और विरासत की भावना का प्रतीक : नड्डा

नई दिल्ली ।भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने नए संसद भवन को भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के देशवासियों के संकल्प का प्रतिनिधित्व बताकर कहा है कि नया संसद भवन स्वतंत्र भारत की यात्रा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। नड्डा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शेयर किए गए नए संसद भवन के वीडियो को शनिवार को रिट्वीट करते हुए कहा

कि,यह संसद भवन केवल एक वास्तुशिल्प उपकरण नहीं है, बल्कि यह वास्तव में भारत की जीवंत संस्कृति और विरासत की भावना का प्रतीक है। नड्डा ने नए संसद भवन को देश में लोकतंत्र के मूल्य को लगातार बनाए रखने वाले भारत के लोगों के लिए एक सम्मान बताते हुए कहा कि नया संसद भवन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने के लिए देशवासियों के संकल्प का प्रतिनिधित्व करता है।

पीएम मोदी और बाइडेन के बीच मुलाकात शांति, समृद्धि, पृथ्वी और जन' पर केंद्रित रहेगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की आगामी अमेरिकी यात्रा और राष्ट्रपति जो बाइडन के भारत दौरे के दौरान होने वाली उनकी वार्ता 'शांति, समृद्धि, पृथ्वी और जन' पर केंद्रित रहेगी। यह शीर्ष अमेरिकी राजनयिक ने इसकी जानकारी दी। भारत में नियुक्त अमेरिकी राजदूत एरिक गार्सेटी ने कहा कि पूरी धरती को भारत और अमेरिका के बीच प्रगाढ़ होते संबंधों से उम्मीदें हैं।

राजदूत ने कहा, ''चार महीनों में, हमारे नेता तीसरी बार एक-दूसरे से मिलने वाले हैं, और शायद जैसा कि मैंने कहा है कि यह स्वाभाविक महसूस होता है...मुझे लगता है कि जब प्रधानमंत्री (मोदी) वाशिंगटन आएंगे तब आप शांति, समृद्धि, धरती पर होने वाले कार्य और हमारे लोगों को आपस में जुड़ते देख सकते हैं। साथ ही, आप राष्ट्रपति (बाइडन) की भारत की यात्रा के दौरान इस और प्रगाढ़ होते देख सकते हैं। उन्होंने दोनों नेताओं की यात्राओं के मुख्य उद्देश्य के बारे में पूछने पर कहा, ''मुझे उम्मीद है कि वह (बाइडन) न सिर्फ दिल्ली की यात्रा करने वाले हैं, बल्कि देश में अन्य स्थानों पर भी जाएंगे। प्रधानमंत्री मोदी, अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के न्यौते पर जून के तीसरे हफ्ते में अपनी पहली राजकीय यात्रा पर अमेरिका जाएंगे।

वहीं, जी20 शिखर सम्मेलन में शरीक होने के

लिए अमेरिकी राष्ट्रपति के सितंबर में भारत की यात्रा करने की उम्मीद है। गार्सेटी ने भारत के साथ अमेरिका के संबंधों पर कहा कि दोनों देशों की सेनाएं साथ प्रशिक्षण प्राप्त कर रही हैं, और भारत सबसे बड़ा सैन्य अभ्यास अमेरिका के साथ करता है। उन्होंने कहा, हम हिंद-प्रशांत को सुरक्षित और समृद्ध बनाने की दिशा में काम कर रहे हैं। इस साल भारतीयों को जारी होने वाले वीजा की संख्या के बारे में अमेरिकी राजदूत ने कहा कि अमेरिका इस साल 10 लाख वीजा जारी करने की प्रक्रिया में जुटा हुआ है।

केन्द्रीय गृह मंत्री की सुरक्षा को देखते हुए भाजपा ने रद्द की ड्रग्स विरोधी यात्रा

जालंधर (एजेंसी)। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह की सुरक्षा के मद्देनजर भाजपा ने पंजाब में ड्रग्स विरोधी यात्रा एक बार फिर रद्द कर दी है। गौरतलब है कि पंजाब में ड्रग्स के मामले को लेकर भारतीय जनता पार्टी की तरफ से अब तक 3 बार अभियान चलाने की योजना बनाई गई, लेकिन पार्टी की यह योजना ठंडे बस्ते में डाल दी जाती रही है। अब एक बार फिर से इस मामले को लेकर भाजपा पंजाब में तैयारी कर रही थी लेकिन अब खबर आई है कि ड्रग्स के खिलाफ भाजपा की यह चौथी यात्रा भी रद्द हो गई है। इससे पहले मार्च महीने में यह यात्रा निकाले जाने की योजना थी, लेकिन पंजाब में वारिस पंजाब दे संगठन की गतिविधियों के कारण उस समय यात्रा को रद्द कर दिया गया। यात्रा का आगाज केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की तरफ से किया जाना था, लेकिन उनकी सुरक्षा को देखते हुए इस यात्रा को स्थगित करना पड़ा। इससे पहले नवम्बर 2022 में ड्रग्स के खिलाफ अमृतसर से यात्रा शुरू किए जाने की योजना बनाई गई थी। उस समय खुद अमित शाह ने अमृतसर से यात्रा का आगाज करना था। लेकिन हिमाचल तथा गुजरात के चुनावों को देखते हुए इस यात्रा को स्थगित कर दिया गया।

इसी तरह जनवरी महीने में इस ड्रग्ज विरोधी यात्रा के लिए अभियान चलाने की योजना बनी, लेकिन वो भी स्थगित हो गई। पार्टी सूत्रों से मिली खबर के अनुसार ड्रग्स के खिलाफ इस बार यात्रा स्थगित करने के पीछे एक बड़ा कारण है कि पार्टी केंद्र की मोदी सरकार की 9 साल की उपलब्धियों को लेकर पूरे देश में अभियान चलाने जा रही है जिसके कारण इस यात्रा को फिलहाल पैंडिंग कर दिया गया है। इस बीच यह भी जानकारी सामने आ रही है कि पंजाब में भाजपा की स्थिति को लेकर भी केंद्रीय नेतृत्व खासा नाराज है। हाल ही में जालंधर में हुए लोकसभा उपचुनाव में पार्टी की जमानत जब्त होना एक बड़ा झटका था।

नीतीश ने मोदी से पूछा- आखिर क्या जरूरत थी नए संसद भवन की

पटना (एजेंसी)। बिहार के सीएम नीतीश कुमार ने पीम मोदी से पूछ है कि, आखिर नया संसद भवन बनाने की क्या जरुरत थी? नए संसद भवन के उद्घाटन पर बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने मोदी सरकार पर हमला करते हुए कहा कि क्या, पुराना इतिहात बदल देंगे? क्या जो इतिहास है आप उसे भुला देंगे? इन्हें (बीजेपी) इतिहास बदलना है इसलिए हर चीज़ बदल रहे हैं। आखिरकार नया संसद भवन बनाने की ज़रूरत क्या थी। आपको बता दे कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी संसद के नवनिर्मित भवन का उद्घाटन 28 मई को करने जा रहे हैं। इस महत्वपूर्ण दिन पर पीएम मोदी संसद के नए भवन में पवित्र सेंगोल को भी स्थापित करने जा रहे हैं। यह सेंगोल भारत के आजादी के वर्ष यानी 1947 में तमिलनाडु से लाया गया था जिसे 14 अगस्त 1947 को रात के 10:45 बजे के लगभग अंग्रेजों ने सत्ता हस्तांतरण के प्रतीक के तौर पर देश के तत्कालीन और आजाद भारत के पहले प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू को सौंपा था।

इधर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने प्रधानमंत्री मोदी द्वारा संसद के नए भवन में सेंगोल स्थापित करने की जानकारी देते हुए बताया कि आजादी का अमृत महोत्सव के अवसर पर देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 28 मई को संसद के नवनिर्मित भवन राष्ट्र को समर्पित करेंगे। यह नया संसद भवन प्रधानमंत्री मोदी की दूरदर्शिता का प्रमाण है। यह नए भारत के निर्माण में हमारी सांस्कृतिक विरासत, परंपरा और सभ्यता को आधुनिकता से जोड़ने का एक सुंदर प्रयास है। सेंगोल की पुरानी ऐतिहासिक परंपरा का जिक्र करते हुए शाह ने आगे बताया कि संसद के नए भवन के उद्घाटन के ऐतिहासिक अवसर पर युगों से जुड़ी हुई एक ऐतिहासिक परंपरा को भी पुनर्जीवित और पुनर्स्थापित किया जाएगा।

विपक्षी दलों ने पांच गारंटी को लागू करने का सिद्दरमैया सरकार ने बनाया दबाव

-कुमारस्वामी का आरोप, कांग्रेस मतदाताओं को गुमराह कर सत्ता में आई

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक में विपक्षी दलों खासकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और जनता दल (सेक्युलर) ने पांच गारंटी को पूरा करने में कांग्रेस सरकार के कथित तौर पर देरी करने को लेकर करारा प्रहार किया। दरअसल विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस ने जनता से 'पांच गारंटी' का वादा किया था। कांग्रेस ने विधानसभा चुनावों में सभी परिवारों को 200 यूनिट मुफ्त बिजली (गृहज्योति) देने, हर परिवार की महिला मुखिया को प्रतिमाह 2000 रुपये की सहायता (गृहलक्ष्मी) देने, गरीबी रेखा से नीचे जीवनयापन करने वाले परिवार के हर सदस्य को 10 किलोग्राम मुफ्त चावल (अन्नभाग्य) देने, दो साल के लिए बेरोजगार स्नातक युवाओं को प्रतिमाह 3000 रुपये और बेरोजगार डिप्लोमाधारक युवाओं को 1500 रुपये (18 से 25 साल के उम्रवालों को)

'युवानिधि' योजना के तहत देने तथा सरकारी बसों में महिलाओं के लिए मुफ्त यात्रा का वादा किया था।

कांग्रेस ने जोर देकर कहा था कि बहुमत के साथ सत्ता में आने पर मंत्रिमंडल की पहली बैठक में ही इन योजनाओं को लागू किया जाएगा। वहीं शपथ ग्रहण के बाद मुख्यमंत्री सिद्दरमैया ने मीडिया से कहा था कि मंत्रिमंडल ने सैद्धांतिक रूप से इन गारंटी को मंजूरी दे दी है।

लेकिन अब जनता से किए वादों को पूरा करने में हो रही देरी पर जद (एस) नेता एच डी कुमारस्वामी ने आरोप लगाया कि कांग्रेस मतदाताओं को गुमराह कर सत्ता में आई। उन्होंने चुपचाप नहीं बैठने का संकल्प लिया।

उन्होंने कहा, मैं उन परिवारों से आह्वान कर रहा हूं, जो 200 यूनिट बिजली का उपयोग करते हैं। यदि आपका बिजली उपभोग 200 यूनिट के पार जाता है, तब आप भुगतान करें , मैं आपको ऐसा करने से नहीं रोकूंगा। उन्होंने इसका (200 यूनिट मुफ्त बिजली) का वादा किया था। पूर्व सीएम कुमारस्वामी ने सरकारी बसों में यात्रा कर रही महिलाओं से एक भी रुपया किराया नहीं देने की भी अपील की और कहा कि कांग्रेस ने मुफ्त बस पास का वादा किया है।

उन्होंने कहा कि कर्नाटक में महिलाओं को मुफ्त बसयात्रा की सुविधा देने से सरकारी खजाने पर 24000 करोड़ का खर्च आएगा। कुमारस्वामी ने कहा, क्यों आपने इन गारंटी योजनाओं की घोषणा करते हुए स्थिति के बारे में नहीं बताया। उस समय आपने बस मुफ्त और गारंटी का शोर मचाया।

जस्टिस धानुका बने बॉम्बे हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश, चार दिन का कार्यकाल

नई दिल्ली ।केंद्र की मोदी सरकार ने शुक्रवार को बॉम्बे हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश के रूप में न्यायमूर्ति आरडी धानुका की नियुक्ति को अधिसूचित किया।वह 30 मई को सेवानिवृत्त हो रहे हैं, और इस प्रकार मुख्य न्यायाधीश के रूप में उनका कार्यकाल केवल चार दिनों का होगा। केंद्र ने मद्रास उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के रूप में बॉम्बे उच्च न्यायालय के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश एस.वी. गंगापुरवाला की नियुक्ति को भी अधिसूचित किया।सुप्रीम कोर्ट के कॉलेजियम ने 19 अप्रैल को उच्च न्यायालयों के प्रमुख के रूप में न्यायमूर्ति धानुका और न्यायमूर्ति गंगापुरवाला के नामों की सिफारिश की थी। मद्रास उच्च न्यायालय के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश टी. राजा 24 मई को सेवानिवृत्त हुए।सुप्रीम कोर्ट के कॉलेजियम ने 19 अप्रैल को न्यायमूर्ति राजा को राजस्थान उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के रूप में पदोन्नत करने की सिफारिश को दोहराया था, हालांकि केंद्र द्वारा इस मंजूरी नहीं दी गई थी।भारत के संविधान के अनुच्छेद 217 के खंड (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए राष्ट्रपति बॉम्बे उच्च न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति रमेश देवकीनंदन धानुका को बॉम्बे उच्च न्यायालय का मुख्य न्यायाधीश नियुक्त करते हैं।उनकी नियुक्ति प्रभार संभालने की तारीख से प्रभावी होगी। 1961 में जन्मे न्यायमूर्ति धानुका ने अपनी स्कूली शिक्षा मुंबई में पूरी की। उन्होंने बॉम्बे विश्वविद्यालय से वाणिज्य और कानून में स्नातक की डिग्री प्राप्त की।

48 फिसदी लोगों ने माना पीएम मोदी सबसे उपयुक्त पीएम, राहुल दूसरे नंबर पर

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 9 साल सत्ता में रहने के बाद भी प्रधानमंत्री पद के लिए देशवासियों की पहली पसंद बने हुए हैं। सर्वे में खुलासा हुआ है कि 48 प्रतिशत से अधिक लोगों को लगता है कि मोदी पीएम पद के लिए सबसे उपयुक्त उम्मीदवार हैं। मोदी के बाद कांग्रेस नेता और पूर्व सांसद राहुल गांधी को 18 प्रतिशत लोगों ने समर्थन किया है। बीजेपी के नेतृत्व वाली सरकार के नौ साल पूरे होने पर कराए गए सर्वे में यह खुलासा हुआ है। साल 2014 के लोकसभा चुनाव में भाजपा ने 282 सीटों पर ऐतिहासिक जीत दर्ज की थी। इसके बाद मोदी ने 26 मई 2014 को भारत के प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ली थी।सर्वे में कहा गया है कि 48.68 प्रतिशत लोगों ने मोदी को प्रधानमंत्री पद के लिए सबसे उपयुक्त उम्मीदवार के रूप में पहली पसंद बताया है, इसके बाद 18.12 प्रतिशत लोगों ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी का समर्थन किया।

सर्वे के अनुसार, 5.43 प्रतिशत लोगों ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पीएम पद के लिए सबसे उपयुक्त उम्मीदवार के रूप में पसंद किया है। इसके बाद दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को 4.96 प्रतिशत और पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी को 2.33 प्रतिशत लोग पीएम देखना चाहते हैं। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को केवल 1.09 प्रतिशत लोगों का समर्थन मिला है। हालांकि, सर्वे से पता चला है कि पिछले पांच वर्षों में नरेंद्र मोदी की लोकप्रियता में गिरावट आई है। 2019 में 60.76 प्रतिशत लोगों ने नरेंद्र मोदी को पीएम पद के लिए पहली पसंद माना। लेकिन साल 2020 में बढ़कर 62.21 प्रतिशत हो गया। हालांकि, 2022 में 50.77 प्रतिशत लोगों ने उन्हें पीएम पद के लिए समर्थन दिया।

दूसरी ओर, पिछले पांच वर्षों में राहुल गांधी की लोकप्रियता बढ़ी है। 2019 में 16.78 प्रतिशत ने उन्हें पीएम पद के लिए सबसे उपयुक्त उम्मीदवार के रूप में देखा था। ताजा सर्वे में राहुल गांधी को 18 प्रतिशत लोगों ने शीर्ष पद के लिए समर्थन किया है।

31 मई से तीन जून तक भारत की यात्रा पर आएगें नेपाली पीएम

काठमांडू । नेपाली प्रधानमंत्री पुष्प कमल दाहाल 'प्रचंड अपने भारतीय समकक्ष नरेन्द्र मोदी के न्यौते पर 31 मई से भारत की चार दिवसीय यात्रा करने वाले हैं। यहां विदेश मंत्रालय सूत्रों ने जानकारी दी। पिछले साल दिसंबर में, तीसरी बार प्रधानमंत्री का पदभार संभालने के बाद यह प्रचंड की पहली विदेश यात्रा होगी। विदेश मंत्रालय के सूत्रों ने बताया कि यात्रा 31 मई से तीन जून तक होगी। विदेश मंत्री एन पी सौद के सहयोगी अधिकारी ने बताया, ''विदेश मंत्रालय प्रधानमंत्री प्रचंड की आधिकारिक यात्रा की औपचारिक घोषणा शनिवार को करेगा। यह यात्रा 31 मई से तीन जून तक होगी और वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ बैठक करने के अलावा अन्य उच्च स्तरीय बैठकें होनी हैं। अधिकारी ने बताया, ''यात्रा की तैयारियां अंतिम चरण में हैं। इस बीच, भारत में नियुक्त नेपाल के राजदूत शंकर प्रसाद शर्मा ने नई दिल्ली में विदेश मंत्री एस जयशंकर से इस हफ्ते मुलाकात की और प्रचंड की आगामी यात्रा पर चर्चा की।

गलती से फिसल कर बाड़े में गिरा शख्स, 40 मगरमच्छों का बना निवाला

नामपेन्ह । 72 वर्षीय एक कंबोडियाई नागरिक अपने परिवार के रेपटाइल फार्म में एक बाड़े से मगरमच्छ को छड़ी की मदद से बाहर निकालने की कोशिश कर रहे थे, क्योंकि उसने बाड़े में अंडे दिए थे। तभी मगरमच्छ ने उस लकड़ी को पकड़ लिया जिससे वह उसे हांक रहे थे और बुजुर्ग को अंदर खींच लिया। इसके बाद करीब 40 मगरमच्छों का झुंड उनके इर्द गिर्द इकट्ठा हो गया और उनके शरीर के चीथड़े करके वहां खून से लथपथ लाश को बाड़े में छोड़ दिया। रिपोर्ट के मुताबिक पुलिस का कहना है कि जब वह शख्स पिंजरे में अंडे देने वाले मगरमच्छ को अलग करने की कोशिश कर रहे थे तभी उसने छड़ी पर हमला बोल दिया और वह उसके अंदर गिर गए। उसके बाद बाकी मगरमच्छों ने भी उन पर हमला बोल दिया और उन्हें तब तक काटते रहे जब तक वह मर नही गए। बुजुर्ग के पूरे शरीर पर काटने के निशान मौजूद थे और उनका एक हाथ मगरमच्छ निगल भी गया था। पुलिस का कहना है कि 2019 में भी इसी तरह एक दो साल की बच्ची को इसी गांव में रेप्टाइल फार्म में मगरमच्छ काट कर खा गए थे। अंगकोर वाट के प्रसिद्ध खंडहरों वाले शहर का प्रवेश द्वार माने जाने वाले सिएम रीप में बड़ी संख्या में रेप्टाइल फार्म हैं। यहां रेप्टाइल को उनके अंडे, खाल, मांस और उनके बच्चों को बेचने के लिए पाला जाता है।

बच्चे ने पुलिस को फोन कर मांगी मदद, जवान ने उसे ही मार दी गोली

– नाबालिग गंभीर रूप से घायल, अस्पताल में करवाया भर्ती

मिसिसिपी । अमेरिका के मिसिसिपी राज्य में दिल दहला देने वाली एक घटना सामने आई है, जहां एक पुलिसकर्मी ने 11 वर्षीय लड़के को गोली मार दी। नाबालिग ने 911 पर फोन कर पुलिस से मदद मांगी थी। इसके बाद पुलिस अधिकारी बताए गए पते पर पहुंचा और गोली मार दी। गोली लगने से नाबालिग गंभीर रूप से घायल हो गया। इसके बाद उसे आनन-फानन में अस्पताल ले जाया गया। जहां उसका इलाज जारी है। बताया जा रहा है कि अब पीड़ित लड़का खतरे से बाहर है। लड़के की पहचान एड्रियन मुरी के रूप में की गई है। पीड़ित लड़के के परिजनों ने आरोपित पुलिस अधिकारी को बर्खास्त करने की मांग की है। लड़के की मां का कहना है कि इंडिओला पुलिस विभाग के एक अधिकारी ने शनिवार की सुबह एड्रियन को सीने में गोली मार दी थी, जब अधिकारी बच्चे के घर पर घरेलू गड़बड़ी की कॉल करने पर पहुंचा था। बच्चे की मां ने कहा कि बच्चे द्वारा घरेलू घटना के लिए पुलिस बुलाए जाने के बाद इंडोला पुलिस विभाग का एक अधिकारी घर आया। महिला ने बताया कि उसका पति सुबह करीब चार बजे घर पर गुस्से में आया और झगड़ा करने लगा। इस दौरान उसका बेटा और भतीजा सो रहे थे। तभी उसने अपने बेटे को मोबाइल फोन दिया और दादी व पुलिस को फोन करने के लिए कहा. इस दौरान एड्रियन ने सबसे पहले पुलिस को फोन लगाया और घरेलू झगड़ा की सूचना दी। इसके बाद पुलिस अधिकारी घर के बाहर पहुंचा। उसने पहले दरवाजा खटखटाया और फिर लात मारकर दरवाजा तोड़ दिया। इस दौरान उसने बाहर से ही आवाज लगाई की जो कोई भी घर के अंदर है सभी लोग बाहर आ जाए। इसके बाद एड्रियन जैसे ही लिविंग रूम में पहुंचा पुलिस अधिकारी ने उसे गोली मार दी। इस दौरान उसे समझ ही नहीं आया कि क्या हुआ। नाबालिग खून से लथपथ हो गया और उसे अस्पताल पहुंचाया गया। पीड़ित परिजनों ने सीसीटीवी फुटेज जारी करने की मांग की है।

पहली बार मंगल ग्रह से पृथ्वी पर आए सिग्नल, वैज्ञानिकों ने किया डिकोड

कैलिफोर्निया। पृथ्वी से परे एक और जीवन की खोज लगातार जारी है। पहली बार मंगल ग्रह से पृथ्वी ग्रह पर एक संकेत भेजा गया है। एक अंग्रेजी अखबार की रिपोर्ट के अनुसार अंतरिक्ष एजेंसी एक्सोमार्स ट्रेस गैस ऑर्बिटर (टीजीओ) ने मंगल के चारों ओर अपनी कक्षा से एक एन्कोडेड संदेश भेजा, ताकि एक ऐसी स्थिति को क्रिएट किया जा सके जो हमें भविष्य में किसी अन्य सभ्यता से वास्तविक संकेत प्राप्त करने पर होगी। ए साइन इन स्पेस प्रोजेक्ट पर कार्य करने वाली डेनिएला डी पाउलिस ने कहा कि इतिहास में, मानवता ने शक्तिशाली और परिवर्तनकारी घटनाओं में अर्थ की खोज की है। एक अलौकिक सभ्यता से एक संदेश प्राप्त करना पूरी मानव जाति के लिए एक गहरा परिवर्तनकारी अनुभव होगा। सर्च फॉर एक्सट्राटेरेस्ट्रियल इंटेलिजेंस (सेटी) संस्थान में काम करने वाली पाउलिस एक अलौकिक संदेश को डिकोड करने और व्याख्या करने की प्रक्रिया का पता लगाने के लिए एक परियोजना बनाने के लिए अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों और अंतरिक्ष वैज्ञानिकों की एक टीम को एक प्लेटफार्म पर लेकर आई हैं। बता दें कि परियोजना के हिस्से के रूप में यूरोपीय प्रोब द्वारा सिग्नल भेजा गया था और ग्रीन बैंक टेलीस्कोप (वेस्ट वर्जीनिया), मेडिसिना रेडियो एस्ट्रोनॉमिकल स्टेशन (इटली), एलन टेलीस्कोप ऐरे (कैलिफोर्निया) और वेरी लार्ज ऐरे द्वारा प्राप्त किया गया था। गौरतलब है कि संदेश को डी पाउलिस और उनकी टीम द्वारा डिजाइन और एन्कोड किया गया था। हालांकि वर्तमान में इसका खुलासा नहीं किया गया है।

जापानी तट के करीब उड़ान भरे रूस के टोही विमान

–जापान ने गश्त के लिए भेजा लड़ाकू विमान, भागे रूसी विमान

टोक्यो । रूस के टोही विमानों ने जापानी तट के करीब उड़ान भरी। इसे देख जापान ने अपने लड़ाकू विमानों को तुरंत उस इलाके में गश्त के लिए भेज दिया। जापानी लड़ाकू विमानों को आते देख रूसी टोही विमान अंतरराष्ट्रीय हवाई सीमा में वापस चला गया। जापान ने बताया कि रूस की खुफिया जानकारी इकट्ठा करने वाले विमानों ने गुरुवार को जापान सागर में काफी अंदर तक घुस आए थे। जापानी रक्षा मंत्रालय ने मीडिया को बताया कि एक रूसी विमान ने जापान के उत्तर से नीचे अपने पश्चिमी तट के साथ उड़ान भरी, वहीं दूसरे ने इसके ठीक विपरीत रास्ता अपनाया। जापानी रक्षा मंत्रालय ने कहा कि रूसी टोही विमानों को आते देख जापानी सेल्फ डिफेंस फोर्स की उत्तरी वायु सेना कमांड और दूसरी इलाकों के लड़ाकू विमानों को तुरंत एयरबॉर्न किया गया। इन लड़ाकू विमानों को आते देख रूसी टोही विमान अंतरराष्ट्रीय हवाई सीमा के अंदर चले गए। जापान ने दावा किया है कि इस दौरान उसके हवाई क्षेत्र का उल्लंघन नहीं किया गया, हालांकि माहौल को देख सतर्कता के लिए तुरंत ही लड़ाकू विमानों को तैनात किया गया। जापान ने इस घटना के बारे में और कोई जानकारी नहीं दी है। यह घटना जापान में आयोजित जी-7 शिखर सम्मेलन में यूक्रेनी राष्ट्रपति वलोडिमिर जेलेंस्की के शामिल होने के कुछ दिनों बाद हुई है। जापान ने फरवरी 2022 में यूक्रेन पर आक्रमण को लेकर रूस पर प्रतिबंधों का समर्थन किया था। जापान लगातार रूस के खतरे को दुनिया के सामने उठाता रहा है। जापान की नई रक्षा नीति में भी एशिया में रूस की सैन्य शक्ति और चीन के साथ दोस्ती को एक बड़ा खतरा बताया गया है। पिछले साल मई में टोक्यो में अमेरिका के नेतृत्व वाले क्वाड समूह की बैठक के तुरंत बाद चीनी और रूसी लड़ाकू विमानों ने जापान के पास संयुक्त उड़ानें भरीं थी। हाल में ही रूस ने जापान सागर में मिसाइलों का भी परीक्षण किया और सैन्य अभ्यास भी आयोजित किया है। रूस जापान को एक शत्रुतापूर्ण देश मानता है। रूस की इस लिस्ट में अमेरिका, ब्रिटेन और ऑस्ट्रेलिया के अलावा कई दूसरे नाटो देश शामिल हैं। रूस और जापान कुरील द्वीप समूह को लेकर भी एक दूसरे से उलझे हुए हैं।

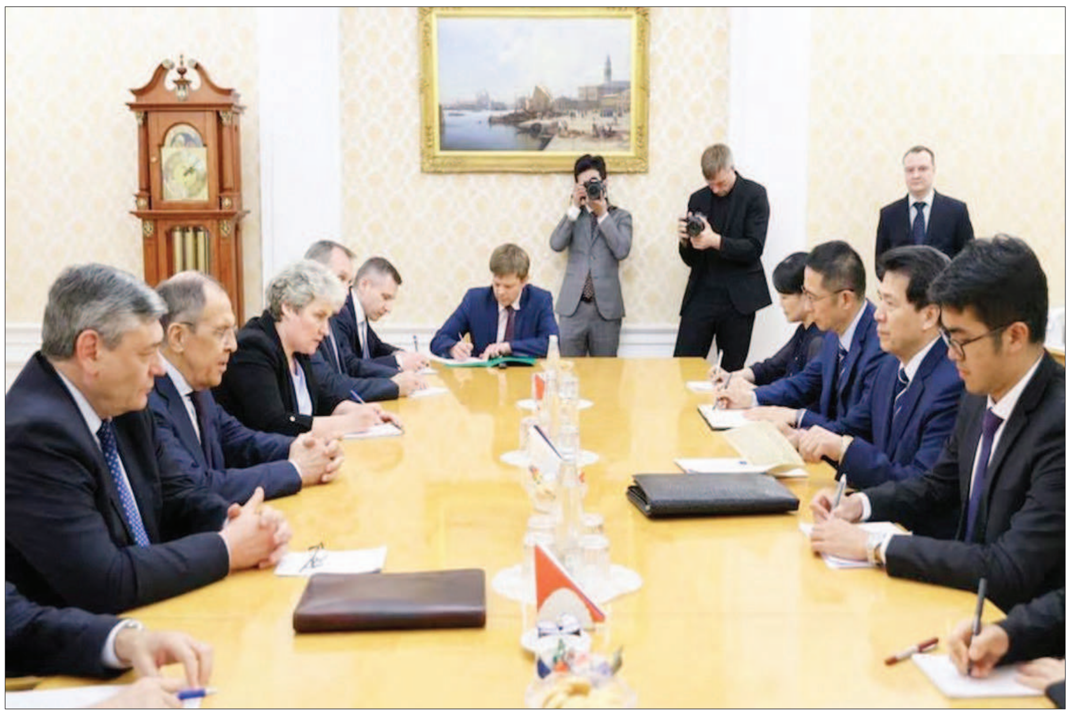

रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव और यूरेशियन मामलों के लिए चीनी विशेष दूत ली हुई के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों ने मास्को में वार्ता की।

बड़ी टेक कंपनियां और कर्मचारियों को कर सकती हैं बाहर : मस्क

सैन फ्रांसिस्को । ट्विटर के निवर्तमान सीईओ एलन मस्क ने कहा है कि सिलिकॉन वैली कंपनियां उत्पादकता को प्रभावित किए बिना और अधिक कार्यबल में कटौती कर सकती हैं। मस्क ने पिछले साल अक्टूबर-नवंबर में 80 प्रतिशत से अधिक ट्विटर कर्मचारियों को हटा दिया था। लंदन में एक शिखर सम्मेलन में मस्क ने कहा कि ट्विटर पर बहुत सारे लोग हैं, जो बहुत अधिक मूल्यवान नहीं लगते हैं। उन्होंने कहा ?कि मुझे लगता है कि कई सिलिकॉन वैली कंपनियों में यह सच है। मुझे लगता है कि अन्य कंपनियों में उनकी उत्पादकता को प्रभावित किए बिना, वास्तव में उनकी उत्पादकता में वृद्धि के बिना महत्वपूर्ण कटौती की संभावना है। मस्क ने सम्मेलन में उपस्थित लोगों से कहा कि ट्विटर के पास अब लगभग 1,500 कर्मचारी हैं, यह कहते हुए कि यह शायद एक उचित संख्या है। ट्विटर ने अपने तीन भारतीय कार्यालयों में से दो को बंद कर दिया और अपने कर्मचारियों को घर से काम करने का निर्देश दिया। नवंबर में, मस्क ने भारत में अपने 90 प्रतिशत से अधिक कर्मचारियों को निकाल दिया था। मस्क ने कहा था, हमें अत्यधिक कट्टर होने की आवश्यकता है। केवल असाधारण प्रदर्शन ही पासिंग ग्रेड का गठन करेगा।

'नाटो प्लस' में भारत को शामिल करने की सिफारिश

अमेरिकी संसद की एक शक्तिशाली समिति ने यह पहल की

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी संसद की एक शक्तिशाली समिति ने 'नाटो प्लस' में भारत को शामिल करने की सिफारिश की है, जबकि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अमेरिका की अगले महीने यात्रा करने वाले हैं। नाटो प्लस यानी नाटो प्लस 5 एक सुरक्षा व्यवस्था है, जो नाटो और पांच गठबंधन राष्ट्रों ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, जापान, इजराइल और दक्षिण कोरिया को वैश्विक रक्षा सहयोग बढ़ाने के लिए साथ लाती है। भारत को इसमें शामिल करने से इन देशों के बीच खुफिया जानकारी निर्बाध तरीके से साझा हो पाएगी और भारत की बिना किसी समय अंतराल के आधुनिक सैन्य प्रौद्योगिकी तक पहुंच बन सकेगी। अमेरिका और चाइनीज कम्युनिस्ट पार्टी (सीसीपी) के बीच सामरिक प्रतिस्पर्धा संबंधी सदन की चयन समिति ने भारत को शामिल कर नाटो प्लस को मजबूत बनाने समेत ताइवान की प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के लिए एक नीति प्रस्ताव पारित कर दिया। इस समिति की अगुवाई अध्यक्ष माइक गालाघर और रैंकिंग सदस्य राजा कृष्णमूर्ति ने की।

अमेरिकी चयन समिति ने कहा कि चीन की कम्युनिस्ट पार्टी के साथ सामरिक प्रतिस्पर्धा जीतने और ताइवान की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अमेरिका को हमारे सहयोगियों और भारत समेत सुरक्षा साझेदारों के साथ संबंध मजबूत करने की आवश्यकता है। नाटो प्लस में भारत को शामिल करने से हिंद प्रशांत क्षेत्र में सीसीपी की आक्रामकता को रोकने और वैश्विक सुरक्षा मजबूत करने में अमेरिका तथा भारत की करीबी साझेदारी बढ़ेगी।

भारतीय-अमेरिकी रमेश कपूर ने कहा कि यह एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम है। उन्होंने उम्मीद जताई कि इस सिफारिश को राष्ट्रीय रक्षा प्राधिकार कानून 2024 में जगह मिलेगी और अंततः यह कानून बन जाएगा। रमेश कपूर पिछले 6 साल से इस प्रस्ताव पर काम कर रहे हैं। गौरतलब है कि प्रधानमंत्री मोदी अगले महीने राजकीय यात्रा पर अमेरिका आएंगे।

जो हो रहा है वो समाधान नहीं, बैकफुट पर आए इमरान, सरकार से की बातचीत की अपील

लाहौर (एजेंसी)। पूर्व प्रधानमंत्री और पाकिस्तान तारीख-ए-इंसाफ (पीटीआई) के प्रमुख इमरान खान ने शहबाज शरीफ के शासन वाली सरकार से राज्य के अधिकारियों के साथ उनके लिए तत्काल बैठक की व्यवस्था करने का आग्रह किया है। पीटीआई के वरिष्ठ अधिकारियों और समर्थकों पर देशव्यापी कार्रवाई के बाद उन पर बढ़ते दबाव के बीच खान का राज्य के अधिकारियों से मिलने का फैसला आया है। इमरान ने यू-ट्यूब पर प्रसारित एक लाइव टॉक में कहा कि मैं बातचीत की अपील करना चाहूंगा क्योंकि वर्तमान में जो हो रहा है, वह समाधान नहीं है।

इस महीने की शुरुआत में इमरान खान को इस्लामाबाद उच्च न्यायालय में गिरफ्तार किए जाने के बाद पहले से ही आर्थिक संकट से जूझ रहे पाकिस्तान को अपने सबसे बड़े राजनीतिक संकट का सामना करना पड़ा। 9 मई को संकट के बाद पीटीआई के कई सदस्यों ने पार्टी छोड़ने की घोषणा की। राजनेता मलीका बुखारी ने इस्लामाबाद में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि मैं 9 मई को हुई घटनाओं की निंदा करती हूं। हर

पाकिस्तानी के लिए, 9 मई को हुई घटनाएं बहुत दर्दनाक हैं।

जमान पार्क आवास के लिए तलाशी वारंट रद्द करने का आग्रह किया

पीटीआई के अध्यक्ष इमरान खान ने लाहौर की आतंकवाद-रोधी अदालत में एक याचिका दायर की है, जिसमें 18 मई को उनके ज़मान पार्क आवास के लिए जारी किए गए तलाशी वारंट को रद्द करने का अनुरोध किया गया है। याचिका में, इमरान खान ने राज्य, लाहौर के आयुक्त, डीआईजी संचालन लाहौर, एसएसपी संचालन लाहौर और अन्य को प्रतिवादी के रूप में नामित किया। उन्होंने आरोप लगाया कि कानून प्रवर्तन अधिकारियों ने दुर्भावनापूर्ण इरादे से तलाशी वारंट हासिल किया।

पाक में पानी के प्रवाह को कम करेगा भारत? सिंधु जल के 'दुरुपयोग' को रोकने के लिए मोदी सरकार ने क्या बनाई योजना

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने सिंधु जल संधि के संबंध में बैठक की है। अधिकारियों की बैठक में बताया गया कि सिंधु बेसिन परियोजनाओं के कामों में भारत ने प्रगति की है। सिंधु जल संधि के तहत भारत के अधिकारों को लागू करने के प्रभारी एक अंतर-मंत्रालयी कार्य समूह ने एक बैठक में देश के नदी जल अधिकारों के उपयोग में सुधार के लिए जम्मू और कश्मीर में कई पनबिजली परियोजनाओं को पूरा करने के महत्व पर जोर दिया। बता दें कि संधि में संशोधन को लेकर भारत द्वारा पाकिस्तान को दिए गए अल्टीमेटम के महीनों बाद यह बैठक हुई और इसमें डिप्टी एनएसए विक्रम मिस्री सहित उच्च पदस्थ अधिकारियों ने भाग लिया।

सिंधु जल संधि के तहत अपने अधिकारों के इस्तेमाल को सुनिश्चित करने के लिए जम्मू कश्मीर में दूसरी बैठक की गई है। बैठक की अध्यक्षता भारत के उप राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार विक्रम मिस्री ने की। उन्होंने राज्य में हाइड्रोन पावर के प्रगति की समीक्षा की है। बैठक में जम्मू कश्मीर विद्युत विकास निगम ने कहा कि भारत ने कई हिस्सों में बढ़त हासिल की है। विभाग ने काम को समय पर पूरा करने पर जोर दिया है।

अमेरिका में एच-1बी वीजा स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं की कमी को दूर करने में मदद करेगा

न्यूयॉर्क (एजेंसी)। अमेरिकी कांग्रेस की दो महिला सदस्यों ने देश में उपयुक्त आवेदक नहीं मिलने की स्थिति में एच1-बी वीजा पर विदेशी कर्मचारियों को नौकरी पर रखना डिपॉर्टमेंट ऑफ वेटरन अफेयर्स के लिए आसान बनाने के लिए एक विधेयक पेश किया है। कांग्रेस सदस्य रशीदा तलीब और डेलिया रामिरेज द्वारा पेश एक्सपैंडिंग हेल्थ केयर प्रोवाइडर्स फॉर वेटरन्स एक्ट, अमेरिका में स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं की कमी को दूर करने में मदद करेगा, जो अप्रवासी स्वास्थ्य कर्मचारियों, जो एच1-बी वीजा धारक हैं, को सेवाएं प्रदान करने की अनुमति देगा। बिल भूतपूर्व सैनिकों के मामलों के विभाग और राज्य के दिग्गजों के घरों को एच1-बी वीजा कार्यक्रम के उद्देश्यों के लिए अधिकतम छूट वाले संस्थानों के रूप में निर्दिष्ट करता है। वयोवृद्ध मामलों की सदन समिति के सदस्य कांग्रेस महिला रामिरेज ने कहा, हमारा कर्तव्य है कि हम अपने पूर्व सैनिकों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को बनाए रखें, जो हमारे देश में स्वास्थ्य कर्मियों की कमी से प्रभावित हो रहे हैं। हम अपने समुदायों में अप्रवासियों के साथ इस कमी को दूर कर सकते हैं जो तैयार हैं और काम करना चाहते हैं, लेकिन कई बाधाओं का सामना करते हैं। डेट्रायट वीए मेडिकल सेंटर को लगभग अपने क्लिनिक को बंद करने के बाद दिग्गजों के लिए विस्तारित स्वास्थ्य देखभाल प्रदाता अधिनियम विकसित किया गया था, जो 90 से अधिक स्थानीय दिग्गजों को जीवन रक्षक देखभाल प्रदान करता है। कांग्रेस महिला कार्यालय द्वारा जारी एक बयान में कहा गया है, प्रतिनिधि तलीब का हस्तक्षेप क्लिनिक को बंद होने से रोकने में सक्षम था और यह बिल यह सुनिश्चित करने के लिए डिजाइन किया गया है कि भविष्य में ऐसी स्थिति फिर से उत्पन्न न हो।

23वें आइफा में गंगूबाई काठियावाड़ी ने तीन टेक्निकल अवॉड्र्स जीते

– म्यूजिक कार्यक्रम की शुरूआत पलक मुच्छल के डांस परफॉर्मेंस से हुई

अबू धाबी (एजेंसी)। संजय लीला भंसाली की आलिया भट्ट अभिनीत फिल्म गंगूबाई काठियावाड़ी ने भारतीय फिल्म अकादमी और पुरस्कार (आईफा) रॉक नाइट में तीन टेक्निकल अवॉड्र्स जीते, जिसने शुक्रवार रात को यस द्वीप में आईफा के तीन दिवसीय 23वें एडिशन की शुरुआत की। फिल्म को मिले अवॉर्ड सिनेमाटोग्राफी (सुदीप चटर्जी), स्क्रीनप्ले (संजय लीला भंसाली और उत्कर्षिनी वशिष्ठ), और डायलॉग (उत्कर्षिनी वशिष्ठ और प्रकाश कपाड़िया) के लिए थे। गंगूबाई काठियावाड़ी के बाद अनीस बज्मी की हॉरर कॉमेडी भूल भुलैया 2 थी, जिसमें कार्तिक आर्यन और कियारा आडवाणी थे, उन्होंने टाइटल ट्रैक (बॉस्को सीजर) और साउंड डिजाइन (मंदार कुलकर्णी) कोरियोग्राफी के लिए दो अवॉर्ड जीते। अजय देवगन की क्राइम थ्रिलर दृश्यम 2 को एडिटिंग के साथ-साथ रणबीर कपूर और आलिया भट्ट की एक्शन एडवेंचर ब्रह्मास्त्रः पार्ट वन शिवा, ऋतिक रोशन और सैफ अली खान की विक्रम वेधा और और राजकुमार राव, हुमा कुरैशी और राधिका आप्टे अभिनीत मोनिका ओ माय डार्लिंग को अवॉर्ड मिला। कोरियोग्राफर और निर्देशक फराह खान और राजकुमार राव द्वारा प्रस्तुत अमित त्रिवेदी, बादशाह, सुनिधि चौहान, सुखबीर सिंह, पलक मुच्छल और यूलिया वंतूर शोभा द्वारा म्यूजिक परफॉर्मेंस की शाम को अवॉड्र्स की घोषणा की गई। म्यूजिक कार्यक्रम की शुरूआत पलक मुच्छल के डांस परफॉर्मेंस से हुई, उसके बाद फराह खान ने भी प्लेटफॉर्म पर अपना डांस किया। राजकुमार राव ने मैं हूं ना गाना बजाते हुए स्टेज संभाला और दोनों ने कुछ कुछ होता है का एक सीन रीक्रिएट किया, जिसमें दोनों ने भीड़ का अभिवादन किया और दोस्ती के बारे में मजेदार बातचीत की।

वरिष्ठ सदस्यों के पलायन करने के बाद इमरान की पार्टी का खेल खत्मः मरियम नवाज

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान मुस्लिम लीग नवाज की वरिष्ठ उपाध्यक्ष मरियम नवाज ने पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के अध्यक्ष इमरान खान पर तंज कसा है। उन्होंने कहा कि इमरान खान की पार्टी के वरिष्ठ सदस्यों का पाकिस्तान से पलायन करने के बाद खेल खत्म हो गया है। मरियम नवाज ने पाकिस्तान के वेहारी में पीएमएल-एन के युवा सम्मेलन को संबोधित किया। अपने संबोधन के दौरान उन्होंने 9 मई की घटनाओं के बारे में बात की, जिस दिन इमरान खान को गिरफ्तार किया गया था। उस दिन पूरे पाकिस्तान में हिंसक विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए थे।

इमरान खान की पार्टी से एक के बाद एक बड़ा नेता किनारा करता जा रहा है। इस पर तंज कसते हुए मरियम नवाज ने कहा कि लोगों की लाइन लगी है। उन्होंने कहा कि जब नेता ही गीदड़ है तो लोग उसके साथ कैसे खड़े होंगे? मीडिया के अनुसार मरियम ने कहा कि आपके लोग ही खुलासा कर रहे हैं कि इमरान खान ही 9 मई की घटनाओं का मास्टरमाइंड हैं। मरियम ने कहा कि इमरान खान 9 मई के आतंकवाद के मास्टरमाइंड थे, लेकिन उनके कार्यकर्ता आतंकवाद विरोधी अदालत का सामना कर रहे हैं। मरियम ने कहा कि आपका यानी इमरान खान समय समाप्त हो गया है और कोई भी अगले चुनावों में पीटीआई का टिकट लेने की कोशिश नहीं करेगा।

मरियम का ये तंज इमरान खान के ऊपर बड़ी सैन्य कार्रवाई की ओर इशारा कर रहा है। पाकिस्तान के गृहमंत्री राणा सनाउल्लाह ने शुक्रवार को कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की गिरफ्तारी के बाद नौ मई को रक्षा प्रतिष्ठानों पर हमलों में संलिप्तता को लेकर सैन्य अदालतों में मुकदमा चलाने के लिए अब तक केवल 33 आरोपियों को अधिकारियों को सौंपा गया है। ऐसा माना जा रहा है कि इमरान खान पर भी मुकदमा चलाया जा सकता है।

पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी के हजारों समर्थकों ने कथित भ्रष्टाचार के मामले में इस्लामाबाद उच्च न्यायालय परिसर से पार्टी प्रमुख खान को गिरफ्तार किए जाने के बाद सैन्य और असैन्य भवनों में तोड़फोड़ की और आग लगा दी थी, जिसके बाद हिंसा में लिप्त लोगों को गिरफ्तार करने और दंडित करने के लिए कार्रवाई शुरू की गई।

संपादकीय

मन चंगा तो कटौती में गंगा

सही में अगर हम इसकी गहराई में जाये तो इसका अर्थ हमारे को स्वयं ही मालूम हो जायेगा । मैंने देखा समझा अनुभव किया है कि बहुत जन कहते है बोलते है हमारे मन में कुछ नहीं है । सही से इसकामेरे चिन्तन से उतर यह होगा कि बोलने होने करने व जीवन के आचरणों में आने के लिये बहुत लम्बा सफर तय करना होता है । हमभगवान महावीर आदि के जीवन चरित्र को देखते है तो स्वयं ही बोल जाते है मन चंगा तो कटौती में गंगा7 क्योंकि भगवान साक्षात हमारेसामने प्रमाण हैं । कषायों के उपशमन से हमारे अंदर शांति का प्रादुर्भाव होता है।भौतिक वस्तुओं की चकाचोंध में हम शांति ढूंढना चाहतेहैं जब तक हमारे कषाय पतले नहीं होते,शांति हमसे कोसो दूर जाती है 7 हमारे अंदर शांति का अटूट खजाना है । हमारी मन,वचन,कायाऔर भावों की सरलता और शुध्दता से शान्ति पाना सम्भव है।हम जो व्यवहार अपने प्रति चाहे,वो दूसरों से करें तो हम सहज हीमानसिक शांति पा सकते हैं और पुरुषार्थ करने के बाद भी अनुकूल परिणाम न मिले तो नियति की नियतता समझकर समताभाव रखपाएं उसी का नाम शांति है । जो दुर्लभ है थोड़ा पाना लेकिन अनुप्रेक्षा से सब सम्भव है। तन की सफाई ना भी हो तो कोई खास बात नहींहै पर मन की सफाई का होना बहुत ज्यादा जरूरी है । क्योंकि इस तन के साथ हमारे मन की बहुत बड़ी दूरी है। तन की अपेक्षा मन बहुतज्यादा बेलगाम घोड़े की तरह अटकता है व भटकता रहता है। इसलिए वह सफाई की भी ज्यादा अपेक्षा रखता है । ताकी मन चंगा तोकटौती में गंगा। विरासत में अपने जीवन में हो स्वच्छता भरे विचारों की श्रृंखला जो हम ऐसे रखे की जिसके लिए मन में भाव हो सिर्फ़अर्पण और समर्पण का।

प्रदीप छाजेड़
(बोरावड़)

आज का राशीफल

मेष	शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। किसी रिश्तेदार के आगमन से मन प्रसन्न होगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। अनावश्यक कष्टों का सामना करना पड़ेगा।
वृषभ	पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। खान-पान में संतुलन बना कर रखें। मकान, सम्पत्ति व वाहन की दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा।
मिथुन	दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। आय के नये स्त्रोत बनेंगे। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी अपेक्षित है।
कर्क	पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। स्थानान्तरण व परिवर्तन की दिशा में सफलता मिलेगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। धन लाभ होगा।
सिंह	रोजी रोजगार की दिशा में सफलता मिलेगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।
कन्या	पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। कार्यक्षेत्र में कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा।
तुला	आर्थिक योजना सफल होगी। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। किसी रिश्तेदार से तनाव मिल सकता है। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।
वृश्चिक	पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। रोजी रोजगार की दिशा में प्रगति होगी। अधीनस्थ कर्मचारी का सहयोग रहेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।
धनु	जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। फिजूलखर्ची से बचें अन्यथा कर्ज की स्थिति आ सकती है। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। धन हानि की संभावना है।
मकर	दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।
कुम्भ	गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। खान पान में संयम रखें। स्वास्थ्य शिथिल रहेगा। आमोद प्रमोद के साधनों में वृद्धि होगी।
मीन	पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। नेत्र विकार की संभावना है। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

मूल्यों-आदर्शों के प्रतीक बनें जनतंत्र के मंदिर

विश्वनाथ सचदेव

निश्चित रूप से यदि नये संसद भवन का उद्घाटन राष्ट्रपति के हाथों होता तो यह अधिक गरिमामय होता। लेकिन आज जो राजनीति हम देख रहे हैं उसमें गरिमा अथवा औचित्य के लिए स्थान ही कहां बचा है। होना तो यह चाहिए था स्वयं प्रधानमंत्री राष्ट्रपति को इस कार्य के लिए आमंत्रित करते। पर जो होना चाहिए, वह होता कहां है हमारी राजनीति में? कौन जानता है कि हमारे पुराने संसद-भवन का उद्घाटन किसने किया था? और आवश्यकता भी क्या है ऐसे औपचारिक अवसरों को याद करने या याद रखने की?

जब हमारे प्रधानमंत्री विदेशों में अपने नेतृत्व को रेखांकित करने- कराने में लगे हुए थे तो देश में उन्हें लेकर एक बेमतलब का विवाद शुरू हो गया था। मुद्दा संसद के नये भवन के उद्घाटन का है। बहुचर्चित नया संसद परिसर लगभग बनकर तैयार है और अब इसे देश को लोकार्पित किया जाना है। लोकसभा के स्पीकर ने उद्घाटन करने के लिए प्रधानमंत्री को निमंत्रित किया है। विपक्ष का कहना है कि यह कार्य देश के प्रथम नागरिक अर्थात् राष्ट्रपति के हाथों होना चाहिए। यह मांग भी ग़लत नहीं कही जा सकती, आखिर देश के सर्वोच्च संस्थान के उद्घाटन का मामला है। उधर प्रधानमंत्री के हाथों उद्घाटन कराने के पक्षधरों का कहना है कि प्रधानमंत्री देश का सर्वोच्च निर्वाचित नेता होता है और यह नया संसद परिसर तो प्रधानमंत्री मोदी की प्रिय परियोजना है। कोरोना-काल में जब देश के सारे निर्माण-कार्य ठप पड़ गये थे, इस परिसर का काम नहीं रोका गया था, और निर्माण कार्य के दौरान प्रधानमंत्री लगातार इसकी निगरानी कर रहे थे। क्या बुरा है यदि उद्घाटन भी उन्हीं के हाथों हो? सवाल वाजिब है। पहले भी तो पूर्व प्रधानमंत्री संसद से जुड़े संस्थानों के उद्घाटन करते रहे हैं। 'दूरदर्शन' ने तो राजीव गांधी के हाथों होने वाले ऐसे उद्घाटन की फिल्म भी देश के सामने रख दी है। सच पूछा जाये तो यह विवाद का विषय है ही नहीं। होना ही नहीं चाहिए। पर जिस तरह की राजनीति आज देश में हो रही है, अनावश्यक मुद्दे हथियार बनाये जा रहे हैं। निश्चित रूप से यदि नये संसद भवन का उद्घाटन राष्ट्रपति के हाथों होता तो यह अधिक गरिमामय होता। लेकिन आज जो राजनीति हम देख रहे हैं उसमें गरिमा अथवा औचित्य के लिए स्थान ही कहां बचा है। होना तो यह चाहिए था स्वयं प्रधानमंत्री राष्ट्रपति को इस कार्य के लिए आमंत्रित करते। पर जो होना चाहिए, वह होता कहां है हमारी राजनीति में? कौन जानता है कि हमारे पुराने संसद-भवन का उद्घाटन किसने किया था? और आवश्यकता भी क्या है ऐसे औपचारिक अवसरों को याद करने या याद रखने की? महत्वपूर्ण संसद-भवन नहीं संसद-भवन के भीतर होने वाली कार्यवाही है। कौन नहीं जानता कि पिछले कुछ सालों में हमारी संसदीय कार्यवाही में लगातार गिरावट आयी है? संसद के भीतर होने वाली बहस का स्तर तो गिरा ही है, अक्सर हमने देखा है कि संसद का बहुमूल्य समय बेबात के विवादों की बलि चढ़ता रहा है। संसद के हर सत्र के बाद इस तरह के आंकड़े प्रस्तुत किये जाते हैं जो यह बताते हैं कि संसद का कितना समय शोर-शराबे और बहिर्गमन और काम में व्यवधान डालने में बर्बाद होता है। हमारे नेताओं ने तो इस बात की भी वकालत की है कि संसद के काम में रुकावट डालना भी संसदीय कार्य-प्रणाली का हिस्सा है! यहां यह याद करना महत्वपूर्ण होगा कि यह तर्क तत्कालीन विपक्ष के नेताओं ने दिया था। अर्थात् जो भी विपक्ष में होता है, इस तरह के तर्कों का सहारा लेता है। यह एक संयोग ही है कि जब नये संसद-भवन के उद्घाटन को लेकर देश में विवाद चल रहा है तो देश के उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ केरल विधानसभा भवन के रजत-जयंती समारोह में संसद और विधानसभा सदनों में काम-काज में रुकावट डालने को राजनीतिक रणनीति का हथियार बनाने की प्रवृत्ति के खिलाफ देश को आगाह कर रहे थे। उन्होंने सदनों के अध्यक्षों से आगाह किया कि वे इस बारे में राष्ट्रीय सहमति बनाने का काम करें कि जनतंत्र के मंदिरों का उपयोग उपयोगी बहस और सार्थक कामकाज के लिए ही हो। इस अवसर पर उपराष्ट्रपति ने इस बात को रेखांकित किया कि यदि संसद में होने वाला कार्य दूसरों को अनुकरणीय नहीं लगता तो इसका मतलब यह है कि हमारे सोच में कहीं कोई खामी है। उन्होंने विधानसभा परिसर के पुनर्विकास के लिए आधारशिला भी रखी। आधारशिला वाली बात का रिश्ता कहीं न कहीं इस तथ्य के साथ भी है कि पुनर्विकास का मतलब संसदीय परंपराओं को बनाये रखने से भी होता है। आज जब हम नये संसद-परिसर के उद्घाटन समारोह के साक्षी बन रहे हैं, इस बात का भी ध्यान रखा जाना ज़रूरी है कि जनतंत्र का हमारा मंदिर जनतांत्रिक मूल्यों-आदर्शों के अनुरूप कार्य का उदाहरण बने। यह बात महत्वपूर्ण नहीं है कि उद्घाटन किसके हाथों हो, महत्वपूर्ण यह है कि उद्घाटन के बाद वहां काम कैसा हो रहा है। वैसे इस संदर्भ में विपक्ष यह बात भी कह रहा है कि हमारे प्रधानमंत्री को उद्घाटन-समारोहों से कुछ ज़्यादा ही मोह है। छोटे-छोटी परियोजनाओं का उद्घाटन वे स्वयं करना पसंद करते हैं। किसी राजमार्ग का उद्घाटन करना कतई ग़लत नहीं है, पर राजमार्ग के छोटे से हिस्से का उद्घाटन प्रधानमंत्री करें, यह बात कुछ उपयुक्त नहीं लगती। इसी तरह वंदे भारत ट्रेनों की शुरुआत प्रधानमंत्री करें यह तो समझ आता है, हर नये रूट पर वंदे भारत ट्रेन को प्रधानमंत्री ही हरी झंडी दिखायें यह कुछ अजीब तो लगता ही है। कुछ काम करने का श्रेय तो रेल मंत्री या परिवहन मंत्री को भी मिलना चाहिए। विपक्ष इस प्रवृत्ति को आत्म-प्रचार और आत्म-श्लाघा से जोड़ रहा है। बहरहाल, उद्घाटन वाला यह विवाद न उठता तो अच्छा था। पता नहीं प्रधानमंत्री की इस पर क्या प्रतिक्रिया होगी। अभी तक तो भाजपा के अन्य नेतागण ही इस बारे में बोल रहे हैं। पर यदि किसी रूप में प्रधानमंत्री इस कार्यक्रम से जुड़ते हैं तो निश्चित रूप से कार्यक्रम की भव्यता बढ़ जायेगी। इसे राजनीतिक नफे-नुकसान का माध्यम बनाना किसी भी पक्ष के लिए उचित नहीं है। प्रधानमंत्री स्वयं पहल करके इसकी भव्यता को बढ़ा सकते हैं। सही रास्ते पर चलने वाला नेता निःसंदेह बड़ा होता है, पर सही रास्तों का पता लगाने, उन्हें काटों-कंकड़ों से मुक्त बनाकर उन पर देश और समाज को चलाने वाला नेता कहीं अधिक बड़ा होता है। हमारे नेतृत्व को चाहे वह किसी भी स्तर का क्यों न हो, इस परीक्षा में लगातार सफल होना है। सवाल सत्तारूढ़ पक्ष और विपक्ष का नहीं है, राजनीतिक संस्कृति के परिष्कार का है। इस कार्य में हमारा नेतृत्व अक्सर विफल होता ही दिखा है। जुमलेबाजी वाली राजनीति से बचना-बचाना ज़रूरी है। चुनाव-दर-चुनाव हम इस प्रवृत्ति के खतरनाक परिणाम देखते आ रहे हैं। संसद भवन में जुमलेबाजी के लिए कोई स्थान नहीं होना चाहिए। संसद से जुड़े हर कार्य में, उद्घाटन समारोह में भी, एक गरिमा दिखनी चाहिए। इस बात को हमारा नेतृत्व कब समझेगा?

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

कांग्रेसी अगुआई को लेकर क्षेत्रीय दलों की चिंताएं

उमेश चतुर्वेदी

कर्नाटक में कांग्रेस की जीत के बाद गैर भाजपा दलों का खुश होना स्वाभाविक है। यह बात और है कि बंगलुरू में गत 20 मई को हुए सिद्धारमैया के शपथ ग्रहण समारोह में यह प्रसन्नता कम ही दिखी। वहां जुटे विपक्षी नेताओं की मौजूदगी सिर्फ सांकेतिक ही नजर आई। विपक्षी राजनीति का कोई ठोस संकेत नहीं मिला। इसके बावजूद बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पूरी शिद्दत से विपक्षी एकता की कमान थाम लेने की कोशिश में जुटे हुए हैं। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी और मौजूदा अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के साथ उनकी मुलाकात को इसी नजरिये से देखा जा सकता है। लेकिन सवाल यह है कि क्या इन मुलाकातों के बावजूद कांग्रेस विपक्षी एकता के लिए अपने नेतृत्व को कुर्बान करने को तैयार होगी? कर्नाटक जीत के बाद कांग्रेस क्या विपक्षी गोलबंदी में उसी तरह पृष्ठभूमि में रहने को तैयार होगी, जैसे कर्नाटक चुनाव के पहले तक दिख रही थी? दरअसल, जिस तरह नीतीश प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी विरोधी मुहिम की अगुआई करने की कोशिश में जुटे हैं, उससे लगता है कि उन्होंने मोदी को सत्ता से बाहर करने का संकल्प ले लिया है। दो महीने पहले जनता दल यू की कार्यकारिणी का गठन किया था, लेकिन तब पार्टी के बड़े नेताओं में शुमार केसी त्यागी को कोई जगह नहीं मिली थी। ऐसा नीतीश की मर्जी के बिना तो नहीं ही हुआ होगा। लेकिन मोदी विरोधी अभियान छेड़ने के बाद उन्हीं केसी त्यागी की उपयोगिता नीतीश कुमार को समझ आने लगी है। इसकी वजह है, केसी त्यागी का तमाम पार्टियों के नेताओं से सुमधुर रिश्ता रहना। नीतीश को उम्मीद है कि विपक्षी लामबंदी में केसी त्यागी के राजनीतिक रिश्ते उनके लिए कारगर हो सकते हैं। नीतीश की कोशिशों से 1987 के विपक्षी अभियानों की याद आना स्वाभाविक है। तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी बोफोर्स दलाली के आरोपों से जूझ रहे थे। विश्वनाथ प्रताप सिंह की अगुआई में अरुण नेहरू, रामधन, आरिफ मोहम्मद खान और सतपाल मलिक ने कांग्रेस से अलग राह अपना ली थी। तब नीतीश कुमार, शरद यादव के राजनीतिक शागिर्द माने जाते थे, उन दिनों शरद के राजनीतिक बॉस देवीलाल का हरियाणा की सत्ता पर कब्जा था। तब उन्होंने राजीव विरोधी परिवर्तन रथ चला रखा था। आंध्र प्रदेश के नेता नंदमुरि तारक रामाराव ने भी तेलुगू देशम पार्टी के बैनर तले यात्रा निकाल रखी थी। साल 1987 में समूचे विपक्ष को एक होने का मौका इलाहाबाद उपचुनाव से मिला था, जिसमें राजीव के लेफ्टिनेंट रहे वीपी सिंह उतरे थे और कांग्रेस के उम्मीदवार और उत्तर प्रदेश सरकार के तत्कालीन कांग्रेसी मंत्री सुनील शास्त्री को हरा दिया था। नीतीश भी इन दिनों कोशिशों में जुटे हैं, लेकिन वीपी सिंह जैसी एकता होती नजर नहीं आ रही है। बीस मई को बंगलुरू में हुए सिद्धारमैया सरकार के शपथ ग्रहण समारोह में आम आदमी पार्टी को बुलावा नहीं मिला। जिस ममता बनर्जी को मिला, उन्होंने खुद आने की बजाय अपनी एक सांसद को भेज दिया। विपक्षी राजनीति के कद्दावर चेहरे शरद पवार भी बंगलुरू में नजर नहीं आए। के. चंद्रशेखर राव को भी निमंत्रण नहीं था। आंध्र के मुख्यमंत्री जगन रेड्डी को कांग्रेस से बुलावा मिलना ही नहीं था। विपक्षी राजनीति के एक और अहम चेहरे नवीन पटनायक भी वहां नहीं पहुंचे। जाहिर है कि विपक्षी एकता बनने के पहले ही बिखर गयी। साल 2018 में हुए एचडी कुमार स्वामी के शपथ ग्रहण समारोह में भी विपक्षी दिग्गज जुटे थे, लेकिन अगले ही साल हुए लोकसभा चुनावों में विपक्ष की मौजूदगी खास नहीं रही। इस बार तो समूचा विपक्ष रहा भी नहीं, ऐसे में विपक्षी एकता की कैसे उम्मीद की जा सकती है? विपक्षी राजनीति के दिग्गजों में कांग्रेस के साथ दिखने में हिचक की वजह है मुस्लिम वोट बैंक। कर्नाटक में जिस तरह कांग्रेस का मुस्लिम वोटरों ने एकमुश्त समर्थन किया है, उससे कई भाजपा विरोधी क्षेत्रीय दल सशंकित हैं। विशेषकर ममता बनर्जी और अखिलेश यादव जैसे नेताओं की चिंता सबसे ज्यादा बढ़ी है। उत्तर प्रदेश में जहां करीब 18 प्रतिशत मुस्लिम वोटर हैं, वहीं पश्चिम बंगाल में करीब 30 प्रतिशत मुस्लिम मतदाता हैं। भारतीय राजनीति में अतीत में इस वोट बैंक पर सिर्फ कांग्रेस का ही असर होता था। लेकिन राम मंदिर आंदोलन और सामाजिक न्याय की राजनीति के दौर में मुस्लिम वोट बैंक कांग्रेस से दरकता हुआ हर प्रदेश में उन दलों के साथ जुड़ता गया, जिनसे उन्हें सांप्रदायिकता विरोध के नाम पर भाजपा को हराने की उम्मीद थी। मसलन, उत्तर प्रदेश में साल 2012 तक समाजवादी पार्टी, बिहार में राष्ट्रीय जनता दल, पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस व दिल्ली में आम आदमी पार्टी। अभी आम आदमी पार्टी को दिल्ली में कम से कम विधानसभा चुनावों तक खतरा नजर नहीं आ रहा है। लेकिन आगामी लोकसभा चुनावों में यह वोट बैंक आप की बजाय कांग्रेस की ओर कर्नाटक की तरह लौट सकता है। इसलिए क्षेत्रीय दलों की चिंता स्वाभाविक है। इसीलिए वे कांग्रेस की अगुआई में नया विपक्षी गोलबंदी के लिए उतावले नजर नहीं आ रहे हैं। मुस्लिम जनाधार खिसकने का खतरा महाराष्ट्र में शरद पवार के साथ भी हो सकता है। रही बात नीतीश कुमार की, तो उनके पास खोने के लिए कुछ नहीं है। वैसे भी नीतीश की उम्र हो गई है, इसलिए उन्हें भी लगता है कि अपनी जिंदगी के तकरीबन आखिरी चुनाव में कोशिश कर लेने में कोई हर्ज नहीं है। कर्नाटक से बदले माहौल में कांग्रेस की अपनी सोच, नीतीश की कोशिश और विपक्षी आशंका के चलते विपक्षी एकता व मोदी विरोधी लामबंदी में अभी कई कलाबाजियां दिख सकती हैं।

राजतंत्र से लोकतंत्र, में राजदंड का सफर?

लेखक- सनत जैन

भारत के नए संसद भवन का उद्घाटन समारोह आजादी के 75 वें साल में होने जा रहा है द्य इस ऐतिहासिक समारोह को ऐतिहासिक बनाने के लिए बड़े पैमाने पर तैयारी की जा रही है। हजारों वर्षों की राजतंत्र की गुलामी के बाद 1947 में मिली आजादी के बाद लोकतंत्र की शुरुआत हुई थी। जिसमें जनता द्वारा निर्वाचित प्रतिनिधियों के हाथ में सत्ता आई। 1950 में भारत का संविधान लागू हुआ। राजतंत्र के स्थान पर लोकतंत्र की स्थापना हुई। संविधान में जनता का, जनता के द्वारा जनता पर शासन को लोकतंत्र के रूप में परिभाषित किया गया। संसद भवन में संविधान को शासन व्यवस्था का प्रतीक मानकर रखा गया। नए संसद भवन के उद्घाटन समारोह में एक जो नई बात होने जा रही है। उसमें राजसी परंपरा का राजदंड स्थापित करने को लेकर देश में नई बहस शुरू हो गई है द्य यह कहा जा रहा है,कि आजादी के 75 वर्ष बाद क्या हम एक बार फिर राजतंत्र की ओर लौट रहे हैं। राजतंत्र में राजदंड की व्यवस्था होती थी। नए संसद भवन में राजदंड को स्थापित कर वर्तमान सरकार लोकतंत्र को, राजतंत्र में परिवर्तित करने के लिए राजदंड की स्थापना करने जा रही है? भारत अब लोकतांत्रिक राष्ट्र के स्थान पर हिंदू राष्ट्र बनाने का रास्ता तैयार किया जा रहा है? केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने जानकारी देते हुए बताया है,कि तमिलनाडु से आए विद्वान धार्मिक क्रियाओं को पूर्ण करने के बाद, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सैंगोल (राजदंड) सौंपेंगे। उन्होंने जानकारी देते हुए कहा,कि यह राजदंड 15 अगस्त 1947 की आधी रात को अंग्रेज वाइसराय ने प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू को सत्ता हस्तांतरण के समय सौंपा था। ऐतिहासिक दस्तावेजों के अनुसार भारत के अंतिम वायसराय लॉर्ड माउंटबेटन ने नेहरू से पूछा था, कि सत्ता हस्तांतरण के प्रतीक को किस तरह से सेलिब्रेट करना चाहते हैं। स्वतंत्रता संग्राम सेनानी सी राजगोपालाचारी ने जो मद्रास के मुख्यमंत्री रह चुके थे। उन्होंने नेहरू को राजदंड भेंट करने वाली तमिल राजवंश की परंपरा के बारे में बताया था। उन्होंने कहा था कि नए राजा को सत्ता ग्रहण करते समय राजदंड भेंट किया जाता है। जिस तमिल राजा की परंपरा का उन्होंने उल्लेख किया उस राजा का राजदंड राजगुरु थिरवदथुरै मठ के अधीन था। राजगोपालाचारी ने सुझाव दिया था, कि आपके प्रधानमंत्री बनने पर माउंटबेटन राजदंड, स्वतंत्रता और सत्ता हस्तांतरण के प्रतीक के रूप में ले सकते हैं। कांग्रेस पार्टी एवं जवाहरलाल नेहरु राजगोपालाचारी के इस मार्गदर्शन से सहमत हो गए थे। इसकी जानकारी उन्होंने लॉर्ड माउंटबेटन को दी। राजा गोपालाचारी के निर्देशन में मद्रास के 1 जोहरी को सोने का राजदंड बनाने को कहा गया। राजदंड के ऊपर नंदी की आकृति उकेरी गई। राजदंड को दिल्ली लाने के लिए जवाहरलाल नेहरू ने एक विशेष विमान भेजा था। 14 अगस्त 1947 की रात 11-45 बजे मठ के पुजारी ने यह राजदंड माउंटबेटन को सौंपा था। इसके बाद राजदंड में पवित्र जल छिड़का गया, इसे सत्ता परिवर्तन के समय जवाहरलाल नेहरू को सौपा गया। स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात भारत किस तरह की शासन व्यवस्था को अपनाए। इसके लिए संविधान सभा का निर्माण किया गया। संविधान सभा में सभी पक्षों के विद्वानों को रखा गया। संविधान सभा ने स्वतंत्रता के पश्चात नागरिकों के मौलिक अधिकार और राजतंत्र के स्थान पर लोकतांत्रिक व्यवस्था को वरीयता दी। 26 जनवरी 1950 को संसद में संविधान को स्थापित किया गया। उसके बाद से संवैधानिक लोकतांत्रिक व्यवस्था के तहत शासन संचालित हो रहा है। जिसमें जनता ही शासक है। संविधान की प्रस्तावना के अनुसार जनता का, जनता के द्वारा, जनता का शासन, की अवधारणा से शासन व्यवस्था चल रही है। भारत में राजाओं द्वारा राज तिलक होने के अवसर पर राजपुरोहित के माध्यम से राजदंड नए राजा को प्रदान किया जाता था। धार्मिक आस्था और परंपरा के अनुसार राजदंड के विशेषाधिकार से शासन व्यवस्था चलाने की परंपरा राजतंत्र में रही है। हिंदू मठ और सन्यासियों के गुरुकुल में दंड के माध्यम से शिष्यों को नियंत्रित किए जाने परंपरा रही है। 1947 में भारत, ब्रिटिश राजतंत्र की गुलामी से आजाद हुआ था। राजदंड राजतंत्र की पहचान है। दंड की व्यवस्था राजा को विशेष अधिकार संपन्न बनाती थी। भारत में चुंकि लोकतांत्रिक व्यवस्था 1950 से लागू है। जिसके कारण सत्ता स्थानांतरण के प्रतीक के रूप में मिला राजदंड कभी संसद में स्थापित नहीं किया गया। आजादी के अमृत काल में जिस तरह से हिंदू राष्ट्र बनाने की बात हो रही है। संसद का नया भवन बनाया गया है। उसमें राजदंड के रूप में (सैंगोल) को हिंदू धार्मिक परंपरा के विधि विधान से, स्थापित किया जा रहा है। इससे एक बार फिर लोकतंत्र के स्थान पर राजतंत्र लागू करने की अटकलें शुरू हो गई हैं।

मुंबई से ठाणे के बीच चली थी भारत की पहली रेलगाड़ी

भारत की यातायात में जान फुक देने वाली भारतीय रेल समूचे भारत को आपस में जोड़ कर रखती है.वर्तमान में जम्मू - कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी व गुजरात से लेकर अरुणाचल प्रदेश तक फैले रेल नेटवर्क से यात्रियों को रेल यातायात की सुविधा मिल जाती है.आज सम्पूर्ण भारत में फैला रेल नेटवर्क संन 1853 में मुंबई से ठाणे के बीच मात्र 34 किलोमीटर का हुआ करता था.यु तो प्रत्येक भारतीय ने अपने जीवन में कभी न कभी रेल के सफर का लुफ्त जरूर उठाया होगा.परंतु बहुत कम ऐसे लोग है जो पहली रेल से जुड़े इतिहास व इसकी प्रग्रति को जानते होंगे.इस लेख के द्वारा आपको भारत में चलाई गई पहली रेल से जुड़े रोचक इतिहास की जानकारी देने जा रहे है.

भारत की पहली रेलगाड़ी से जुड़े रोचक व ज्ञानवर्दक तथ्य

- भारत में रेल निर्माण को लेकर सर्वप्रथम 1844 में रेल संबंधित प्रस्ताव के बारे में चर्चा की गई थी
- लार्ड डलहौजी के 1847 में भारत का गवर्नर जनरल नियुक्त होने के बाद रेल परियोजना में तेजी से काम होने लगा.
- भारत की पहली रेल 16 अप्रैल 1853 को मुंबई से ठाणे के बीच अंग्रेजो द्वारा चलाई गई थीइन दोनों स्टेशन के बीच की दुरी मात्र 34 किलोमीटर थी
- भारत में चलाई गई पहली रेल को 34 किलोमीटर की दुरी तय करने में 1 घंटा 15 मिनट का समय लगा था.
- क्या आप जानते है पहली रेल में कुल 400 यात्रियों ने सफर किया था.और इस रेल में 14 रेल डिब्बों को जोड़ा गया था.
- भारत में चलाई गई पहली रेलगाड़ी में कुल 3 इंजिन को लगाया गया था.जिनका नाम क्रमश : सिंध, मुल्तान व शाहिब था.
- पहली रेल को भांप इंजन के द्वारा चलाया गया था.
- इस रेल का निर्माण करने वाली कंपनी का नाम मध्य रेलवे की ग्रेट इंडियन पेनिनसुलर रेलवे था.
- जिस समय इस ट्रेन को चलाया गया था तब समय 3 बजकर 35 मिनट हो रहे थे.
- वर्तमान में भारतीय रेल नेटवर्क एशिया का दूसरा सबसे बड़ा रेल नेटवर्क है व सम्पूर्ण विश्व में भारतीय रेल नेटवर्क को 4 स्थान हासिल है.

कंगारू में होती है गजब की खूबियाँ

कंगारू जिसे उछलने वाला जानवर के नाम से भी जाना जाता है.और यह ऑस्ट्रेलिया का राष्ट्रीय पशु है.यह एक स्तनधारी जीव है परंतु यह स्तनधारी जीव होकर भी उन जीवों से बेहद अलग है, क्योंकि यह अपने दो पैरों पर चलता है और चलना भी क्या यह अपने पैरों पर चलकर ना अपितु उछलकर चलता है.जी हां दोस्तों आज का हमारा लेख इसी गजब जानवर से संबंधित है.आज हम आपको कंगारू से जुड़े ऐसे रोचक तथ्य बताने जा रहे हैं जो आपने आज से पहले शायद नहीं पढ़े होंगे.तो देर ना करते हुए चलिए जानते हैं कंगारु से जुड़े हैरान कर देने वाले महत्वपूर्ण तथ्य

- क्या आप जानते हैं विश्व में सर्वाधिक मात्रा में कंगारू ऑस्ट्रेलिया में पाए जाते हैं.यहां पर आपको कंगारू सड़कों पर घूमते मिल जाएंगे.उदाहरण के तौर पर जिस तरह भारत की गलियों में कुत्तों की फौज घूमती है ठीक ऐसे ही ऑस्ट्रेलिया की गली गली में कंगारू घूमते है.
- क्या आप जानते हैं कंगारू एक शाकाहारी जीव होता है और यह आमतौर पर फल, घास इत्यादि खाते हैं.
- विश्व में अब तक कंगारुओं की कुल 4 प्रजातियां खोजी गई हैं. जिन्हें रेड कंगारू , अंतिलोपीन कंगारू, ईस्टर्न ग्रे और वेस्टर्न ग्रे के नाम से जाना जाता है.
- कंगारू जमीन पर उछल कर चलने वाला प्राणी है क्योंकि इसके अगले दो पैर छोटे होते हैं जिसके कारण यह जमीन पर संतुलन नहीं बना पाते और यह अपने पिछले दो पैरों पर कूद-कूद कर आगे बढ़ते हैं.
- आपको जानकर हैरानी होगी कंगारू जमीन पर चलने के साथ-साथ पानी में तैर भी सकते हैं.
- क्या आप जानते हैं कंगारू अपने सर को गुमाये बिना अपने कानों को किसी भी दिशा में घुमा सकते हैं.अर्थार्थ इन्हें अपने कानों को किसी भी दिशा में घुमाने के लिए सिर को घुमाने की जरूरत नहीं होती.
- क्या आप जानते हैं कंगारू का गर्भकाल बेहद छोटा होता है और यह मात्र 30 से 35 दिनों का ही होता है, परंतु इतने छोटे गर्भकाल के कारण कंगारू का बच्चा पूर्ण रूप से विकसित नहीं हो पाता और यह अपनी मां के पेट पर बनी थैली में पहुंच जाता है और यही से यह बच्चा पूर्ण रूप से विकसित होना शुरू होता है.
- क्या आप जानते हैं कंगारुओं का एक पांचवा पैर भी होता है. उदाहरण के तौर पर कंगारुओं की पूंछ इतनी शक्तिशाली होती है कि यह सिर्फ अपनी पूंछ पर अपना सारा वजन डाल सकते हैं और यह पूछ इन के पांचवें पैर का काम करती है.
- जब यह 40 से 60 किमी की रफ्तार से जम्प करता है तो इसके पीछे पैर और पूंछ से अपना संतुलन बनाए रखता है। खड़े रहने पर उसकी पूंछ ही उसका सहारा होती है.
- नर कंगारू को बूम, मादा कंगारू को डो और कंगारू के बच्चे को जॉय कहा जाता है.
- क्या आप जानते है इनकी आंखें बहुत तेज होती हैं परंतु ये सिर्फ चलती-फिरती वस्तुओं को ही देख पाते हैं.

दुनियाभर के युवाओं के बीच लोकप्रिय एनिमे की सफलता का रहस्य क्या है

आजकल युवाओं में एनिमे का बड़ा क्रेज है। स्कूल-कॉलेजों में बच्चे झुंड बनाकर बस इसी के बारे में चर्चा करते रहते हैं। जो नई एनिमे सबसे पहले देखकर आता है, उसे बाकियों द्वारा 'कूल' समझा जाता है। पिछले कुछ वर्षों में एनिमे ने वैश्विक स्तर पर प्रसिद्धि प्राप्त की है। दिसंबर 2021 में जारी की गई एक रिपोर्ट की माने तो पूरी दुनिया में करीब 50 करोड़ लोग एनिमे देखना पसंद करते है। तो आखिर ये एनिमे है क्या? और इसकी इतनी लोकप्रियता का राज क्या है?

एनिमे क्या है?

'एनिमे' शब्द जापान से प्रचलित हुआ है - जिसका मतलब है एनीमेशन। अब आप ये सोचेंगे कि भला युवाओं को कार्टूनों की दुनिया से क्या लेना-देना? लेकिन, इन्हीं कार्टूनों ने युवाओं की मानसिकता पर ऐसा प्रभाव डाला है कि अगर उनके सामने एनिमे को कोई कार्टून कह दे, तो वे बिफर जाते हैं। क्यों कि उनके अनुसार एनिमे, कार्टून सीरीज से अलग है। ये सीरीज अक्सर जापान के लेखकों द्वारा लिखे गए 'मांगा' (लघु उपन्यास) पर आधारित होती है। यूं तो जापानीज एनीमेशन 1920 के दशक से प्रसारित होता आ रहा है, लेकिन कुछ सालों पहले से एनिमे की एक नई श्रेणी प्रचलित हुई है, जिसे 'शोनेन' कहा जाता है। इस तरह के एनिमे सीरीज मुख्य रूप से युवा दर्शकों की रूचि को केंद्र में रखकर बनाए जाते हैं। वेब सीरीज की तरह इनके भी सीजन्स और एपिसोड्स होते हैं, जिन्हें ओटीटी प्लेटफॉर्म्स के माध्यम से देखा जा सकता है। अटैक ऑन टाइटन, फुल मेन्टल अलकेमिस्ट, वन पीस, नारुटो, डेथ नोट, जुजुत्सु काइसन, वन पंच मैन आदि प्रसिद्ध एनिमे की लिस्ट में गिने जाते हैं।

एनिमे की लोकप्रियता का रहस्य क्या है?

अकेले जापान में ही एनिमे का सालाना कारोबार 19 बिलियन डॉलर (1900 करोड़) का है। इसकी लोकप्रियता के कारण कई सारे ओटीटी प्लेटफॉर्म्स ऐसे भी हैं, जहां पर केवल एनिमे ही उपलब्ध है। 'नारूटो' नामक एनिमे सीरीज के सभी सीजन्स मिलाकर 822 एपिसोड्स हैं ,जिन्हें कई युवाओं द्वारा बिंज वॉचिंग करके कुछ ही महीनों के भीतर देखा जा चुका है। एनिमे सीरीज और किरदारों से जुड़े प्रोडक्ट जैसे टी-शर्ट्स, मास्क्स, स्टिकर्स आदि बेचने वाली कंपनियां भी जमकर मुनाफा कमा रही है। नियमित रूप से एनिमे देखने वालों के लिए अब ये मनोरंजन का प्राथमिक साधन बन गया है। आइए जानते हैं एनिमे की इतनी लोकप्रियता के मुख्य कारण क्या है. -

विषयों की विविधता

एनिमे की शैलियों की विस्तृत श्रृंखला इनकी लोकप्रियता का सबसे बड़ा कारण है। एनिमे में हर व्यक्ति अपने हिसाब की शैली का आनंद ले सकता है। रोमांस, कॉमेडी, एक्शन, एडवेंचर, मिस्ट्री, सस्पेंस और हॉरर आदि एनीमे प्लॉट्स द्वारा खोजी गई कई शैलियों में से कुछ हैं। तो आप एक अपनी पसंद को ध्यान में रखकर कोई भी दिलचस्प क्षेत्र से शुरू कर सकते हैं। एनिमे सीरीज की कहानी इस तरह से बनाई जाती है कि हर उम्र के दर्शकों को मनोरंजन प्रदान किया जा सके। कहा जा सकता है की एनिमे बॉलीवुड और हॉलीवुड की तरह ही एक इंडस्ट्री है, जिसमें हर तरह के विषयों पर कंटेंट बनाया और परोसा जाता है।

बेहद प्रभावशाली एनीमेशन और

किसी को पल भर में मोहित कर लेना ही दृश्य तत्व का मुख्य दायित्व होता है, जिसे एनिमे क्रिएटर्स द्वारा बड़े प्रभावी ढंग से किया जाता है। हर चीज एनिमेटेड होने की वजह से युवाओं को जोड़े रखना चुनौतीपूर्ण कार्य है। किन्तु,कल्पनाशील अभिव्यक्ति और रचनात्मकता के सहारे हर कहानी को बहुत ही खूबसूरती के साथ प्रदर्शित किया जाता है। रंग और छायांकन के उपयोग से लेकर विस्तृत विवरण और स्पष्टता तक, सब कुछ इतनी सावधानी और सोच-समझकर बनाया जाता है, जिससे आपको ऐसा अनुभव हो कि आप उसी कहानी के एक किरदार है। कई सारे हाई क्वालिटी ग्राफिक्स का इस्तेमाल करके एक्शन, हॉरर सीन्स को इतना बेहतरीन बना दिया जाता है कि दर्शक अपनी जगह से हिल भी न पाए। इस तरह एनिमे देखने वाले लोग कई एपिसोड्स को एक ही बार में देख लिया करते हैं।

असल जिन्दगी से जुड़े किरदार

वैसे तो एनिमे कार्टून सीरीज ही हैं, लेकिन इसके किरदार रियल लाइफ से काफी हद तक जुड़े होते हैं। ये सिर्फ हंसी-खुशी तक सीमित न रहकर डिप्रेशन, मानसिक दुर्बलता, जीवन का लक्ष्य निर्धारित करने में कठिनाई आदि कई विषयों पर भी खुलकर बात करते हैं। एनिमे के विषयों और किरदारों को युवा पीढ़ी अपने वास्तविक जीवन से जोड़कर देखने लगी है। एनिमे की सबसे अच्छी बात ये होती है कि इसकी कहानियों में किरदारों को बहुत अच्छी तरह से बना जाता है, जिन्हें देखते देखते दर्शकों को उनसे जुड़ाव महसूस होने लगता है। यही जुड़ाव उन्हें कहानी के अंत तक जाने के लिए प्रेरित भी करता है। कहानी के साथ साथ पात्रों के चरित्र को प्रभावशाली संवादों और विजुअल्स के साथ बखूबी प्रदर्शित किया जाता है। साथ ही हर एनिमे अपने भीतर किसी न किसी जीवन मूल्य को छुपाए होता है। इसमें किरदारों के व्यक्तित्व की उन खूबियों को भी दिखाया जाता है, जिसे टीवी या ओटीटी सीरीज के निर्माता नजरअंदाज कर देते हैं। एनिमे किरदारों के ये सभी गुण मिलकर उन्हें और अधिक वास्तविक रूप प्रदान करते हैं।

विजुअल इफेक्ट्स में चार चांद लगाने का काम एनिमे का पार्श्व संगीत करता है, जो दर्शकों को कहानी और किरदारों से जोड़े रखता है। यह काफी रहस्यमय और लगभग चमत्कारी है कि किस तरह एनिमे का संगीत किसी चीज को भावनाओं की एक शक्तिशाली प्रतिध्वनि में बदल सकता है।

बदलाव को स्वीकारने वाला समुदाय

एनिमे सीरीज की सबसे खास बात ये है कि इसके निर्माताओं के ग्रुप की सोच बहुत ही प्रगतिशील है, जो मनोरंजन के क्षेत्र में दुनियाभर में हो रहे बदलावों को ध्यान में रखकर कंटेंट का निर्माण करता है। यह देखते हुए कि एनिमे रचनात्मकता को संचालित करता है, इसका ग्रुप भी जबरदस्त प्रतिभा और क्षमता से भरा हुआ है। एनीमे सम्मेलन कुशल कलाकारों, संगीतकारों, लेखकों, पोशाक डिजाइनरों, फोटोग्राफरों, वीडियोग्राफरों और अन्य रचनाकारों के लिए महान मंच प्रदान करते हैं जो एनिमे के माध्यम से अपने काम को प्रस्तुत करने की दिशा में कार्य करना चाहते हैं। ग्रुप ने एक यूट्यूब निर्माताओं उप-श्रेणी का उदय भी किया है, जो एनीमे से जुड़ा कंटेंट बनाते हैं।

एनिमे सीरीज की सबसे अच्छी बात ये है की इसमें दर्शक को हर बार एक नया एहसास होता है। भारत के साथ साथ विश्व भर में एनिमे के भविष्य को लेकर अपार संभावनाएं है। एनिमे एक ऐसे विकल्प के रूप में उभर रहा है, जो हो सकता है आगे चलकर दुनियाभर के युवाओं के लिए मनोरंजन का प्राथमिक साधन बनने का माद्दा रखता है।

लंगड़ा भूत

जिस दिन से नूरांश का सातवीं क्लास का रिजल्ट आया था, उसी दिन से उसने पापा से दादी के गांव ले चलने की रट लगा रखी थी। कहता था, 'इस साल मुझे दादी के गांव ही जाना है बस। हिल स्टेशन पर घूमने भी नहीं जाना।' उसका गांव जाने को लेकर उत्साह देखते हुए उसके मम्मी-पापा ने उससे प्रॉमिस किया कि, 'ठीक है, इन गर्मियों की छुटियों में दादी के पास गांव चलेंगे।' मम्मी-पापा से प्रॉमिस लेने के बाद ही नूरांश निश्चिंत। दस दिन बीत जाने के बाद आखिर दादी के घर जाने का समय भी आ गया। नूरांश बहुत खुश था, क्योंकि उसके पापा ने गर्मी की छुट्टियों में दादी और चाचा के पास गांव जाने के लिए टिकट बुक करवा लिए थे। अगले दिन उन्हें गांव जाना था।

अगले दिन नूरांश गांव पहुंच गया। वह बहुत खुश था । उसकी दादी, चाचा, चाची, उसके चचेरे भाई-बहन रेयांश और गुड्डन सब उसे प्यार करते थे और उसके आने से बहुत खुश थे। एक दिन दोपहर का खाना खाने के बाद जब सब सोए हुए थे तो नूरांश को गर्मी की वजह से नींद नहीं आ रही थी। वह चुपचाप अपने कमरे से बाहर दादी के पास बरामदे में आ गया और बोला, 'दादी, मुझे नींद नहीं आ रही है। मेरा मन खेतों की ठंडी हवा में जाने का कर रहा है। क्या मैं खेतों में जाकर आ सकता हूं?' दादी बोलीं, 'बेटा ! खेत तो यहां से काफी दूर हैं, तुम अकेले कैसे जाओगे? फिर वापस आते-आते अंधेरा भी हो जाएगा और रास्ते में पीपल का पेड़ भी पड़ेगा। लोग कहते हैं कि उस पेड़ पर लंगड़ा भूत रहता है। तुम आज रहने दो, कल चाचा के साथ मोटरसाइकिल से खेतों की तरफ चले जाना।' यह सुनकर नूरांश बोला, 'दादी, मैं पैदल थोड़े ही जाऊंगा। चाचा की साइकिल पर जाऊंगा, मुझे साइकिल चलानी आती है और शाम होने से पहले ही लौट आऊंगा। फिर किस बात का डर? तभी उसके चाचा भी अंदर से उठकर आ गए और कहने लगे, 'मां, उसका मन है तो जाने दो। अब वो आठवीं क्लास में पढ़ता है, छोटा बच्चा नहीं है। जाओ नूरांश, ध्यान से साइकिल चलाना। इसका स्टैंड थोड़ा ढीला है, पर साइकिल ठीक चलती है। और हां, जल्दी आ जाना नहीं तो तुम्हारी दादी यूं ही घबराती रहेंगी।' 'ठीक है चाचू , मैं जल्दी आ जाऊंगा। थैंक्यू दादी, थैंक्यू चाचू। दादी, मम्मी-पापा जब उठ जाएं तो उन्हें भी बता देना।' इतना कहकर नूरांश साइकिल लेकर खेतों की ओर चला गया। हरे-हरे लहलहाते खेतों को देखकर उसे बहुत अच्छा लगा। मिट्टी की सौंधी-सौंधी खुशबू के बीच टहलते हुए उसे बहुत मजा आ रहा था। कुछ आगे जाने पर उसने खेतो में मोर नाचते हुए भी देखे। वह उन्हें एकटक देखता ही रह गया। तभी उसकी नजर एक पेड़ के नीचे बिछी हुई चारपाई पर पड़ी। उसने सोचा,'अभी तो शाम होने में बहुत समय है, चलो कुछ देर इसी चारपाई पर लेटता हूं।' ऐसा सोचते-सोचते वह चारपाई पर लेट गया। ठंडी-ठंडी हवा चल रही थी। इस बीच उसकी आंख कब लग गई, उसे पता ही नहीं चला। जब उसकी आंख खुली तो अंधेरा हो चुका था।

यह देखकर वह खुद को कोसने लगा कि वह सोया ही क्यों! घर पर सब चिंता कर रहे होंगे, यह ख्याल आते ही वह फटाफट उठा और जल्दी-जल्दी साइकिल चलाने लगा। जल्दी घर पहुंचने के लिए वह तेजी से साइकिल चला रहा था। जैसे ही वह पीपल के पेड़ के पास पहुंचा, अचानक अंधेरे में साइकिल का अगला पहिया एक पत्थर पर चढ़ गया और वह गिर पड़ा। तभी दादी के शब्द उसके कानों में गूंजने लगे कि पीपल के पेड़ पर लंगड़ा भूत रहता है। उसने फटाफट अपनी साइकिल उठाई और घर की तरफ जाने लगा। पर यह क्या? उसके पीछे खरड़-खरड़ और छन-छन जैसी आवाजें आने लगीं। उसने सोचा कि हो न हो लंगड़ा भूत ही उसके पीछे आ रहा है। यह बात मन में आते ही उसने साइकिल और तेज चलानी शुरू कर दी। पर यह क्या? वह जितनी तेजी से साइकिल चलाता, छन-छन की आवाज भी उतनी ही तेजी से आने लगती, जैसे कोई उसके पीछे आ रहा हो। डर से उसके हाथ कांपने लगे और वह पूरी तरह पसीने से भीग गया। तभी उसे गांव की लाइटें दिखाई देने लगीं। उसने हिम्मत नहीं हारी और किसी तरह साइकिल चलाता रहा। आवाजें भी लगातार आती रहीं। कुछ देर बाद वह घर पहुंच गया।

घर पहुंचते ही उसने साइकिल एक तरफ फेंकी और चाचा को देखते ही उनसे लिपट गया। बोला,'चाचू, मुझे बचा लो, मेरे पीछे पीपल के पेड़ वाला लंगड़ा भूत आ रहा है। वह मुझे खा जाएगा।' चाचा और पूरा परिवार उसकी ऐसी हालत देखकर हैरान हो गए। सबने उसे पानी पिलाया फिर उसका डर भगाने की कोशिश करने लगे। चाचा बोले,'कोई भूत-वूत नहीं होता है। यह तो हमारे अंदर का डर होता है बस और कुछ नहीं। अच्छा, अगर भूत है तो बताओ वह अंदर क्यों नहीं आया? मुझे पूरी बात बताओ कि आखिर हुआ क्या था?' अब तक नूरांश का डर भी काफी कम हो चुका था। उसने चाचा को बताया कि कैसे उसे खेत में नींद आ जाने पर अंधेरा हो गया था और घर जल्दी पहुंचने के लिए वह साइकिल तेज चलाने लगा। इसके बाद पीपल के पेड़ के पास गिरने और लंगड़े भूत के पीछा करने की आवाजें आने की बात भी उसने चाचा को बताई। इतना सुनते ही चाचा दो मिनट के लिए बाहर गए और साइकिल देखते ही सारा माजरा समझ गए। उन्होंने नूरांश को अपने पास बुलाया और पूछा,'तुमने अपने स्कूल में पेड़ों के बारे में जरूर पढ़ा होगा। अब जरा बताओ कि पेड़ हमारे दोस्त हैं या दुश्मन?' 'चाचू, दोस्त हैं।' चाचा ने फिर सवाल किया, 'फिर तुमने यह कैसे सोच लिया कि पीपल के पेड़ पर भूत रहता है?' नूरांश बोला, 'वो दादी ने कहा था न, इसलिए मुझे ऐसा लगा।' चाचा ने समझाया, 'बेटा, आपकी दादी गांव में रहती हैं और सुनी-सुनाई बातों पर विश्वास कर लेती हैं, क्योंकि उनके समय में आजकल की तरह शिक्षा के साधन नहीं थे। गांव में स्कूल नहीं होते थे, पर अब ऐसा नहीं है। सब शिक्षित होते जा रहे हैं। शिक्षा से ही हमारा अज्ञान दूर होता है और हम तरक्की करते हैं। जरा सोचो कि जो पेड़ हमें छाया देते हैं, फल-फूल, लकड़ी आदि देते हैं, बंदर और गिलहरी आदि जीवों को शरण देते हैं, घनी छाया देते हैं, धरती की शोभा बढाते हैं, ऐसे दोस्त क्या हमें भूत देंगे?'

'नहीं चाचू, आई एम सॉरी।'

'आओ, अब तुम्हें तुम्हारे लंगड़े भूत से भी मिलवाते हैं। बाहर आओ।' चाचा नूरांश को साइकिल के पास लेकर गए और उससे पूछा,'जब तुम खेतो में साइकिल लेकर जा रहे थे तो याद है मैंने तुमसे कुछ कहा था।'

'आपने कहा था कि साइकिल का स्टैंड थोड़ा ढीला है, ध्यान से चलाना।'

'हां, बिल्कुल ठीक। तो यह देखो! हुआ यह कि जब तुमसे साइकिल गिरी तो उसका स्टैंड ढीला होने की वजह से एक साइड से निकल गया और जमीन से टकराने लगा। तुम साइकिल चला रहे थे तो वह जमीन से बार-बार टकराकर आवाज कर रहा होगा। तुमने साइकिल चलाने की स्पीड बढ़ाई होगी तो जरूर उसकी आवाज और तेज हो गई होगी। और तुम समझते रहे कि कोई लंगड़ा भूत तुम्हारा पीछा कर रहा है। अब तो सारा माजरा समझ गए न।' 'सब समझ में आ गया चाचू। अब मैं हर काम सोच-समझकर करूंगा और अंधविश्वास से हमेशा दूर रहूंगा। दादी आप भी कभी सुनी-सुनाई बातों पर विश्वास मत कीजिएगा और अगर आप ऐसा करेंगी तो लंगड़े भूत को आपके पीछे लगा दूंगा।' नूरांश के ऐसा कहते ही सब खिलखिलाकर हंस दिए।

इंडेक्स फंड, ईटीएफ के लिए नियामकीय प्रावधानों को सरल बनाएगा सेबी

मुंबई ।

बाजार नियामक सेबी बाजार सूचकांक के आधार पर निवेश किए जाने वाले ईटीएफ जैसे पैसिव फंड के लिए अनुपालन बोझ कम करने के इरादे से म्यूचुअल फंड संबंधी कुछ सरल प्रावधान जारी करने की तैयारी में है। पैसिव फंड निवेश का ऐसा साधन है जिसमें किसी बाजार सूचकांक या विशिष्ट बाजार खंड की निगरानी कर निवेश किया जाता है। इस खंड में पैसिव इंडेक्स फंड, एक्सचेंज ट्रेडेड फंड (ईटीएफ) और ईटीएफ में निवेश करने वाले फंडो के फंड शामिल हैं। रतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के पूर्णकालिक सदस्य अनंत बरुआ ने कहा कि इंडेक्स फंड और ईटीएफ जैसे विकल्पों में निवेश को आसान बनाने के लिए सेबी म्यूचुअल फंड से जुड़े प्रावधान को सुगम बनाने वाला है। उन्होंने कहा` कि इन प्रावधानों से इंडेक्स फंड और ईटीएफ को अधिक लचीलापन मिलेगा और वे निवेशकों को पारदर्शिता, विविधता के साथ कम लागत पर उपलब्ध होंगे। बरुआ ने उद्योग मंडल एसोचैम के एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि नियम अनुपालन बोझ को हल्का कर सेबी भारतीय म्यूचुअल फंड उद्योग में ऐसे कोष में निवेश बढ़ाने की मंशा रखता है।

कंपनियों के लिए नियमों के अनुपालन बोझ कम करने की जरूरत है: कामथ

नई दिल्ली । राष्ट्रीय अवसंरचना वित्त पोषण और विकास बैंक (नैबफिड) के प्रमुख के वी कामत ने कहा कि देश में कंपनियों के लिए नियमों के अनुपालन बोझ को दुरूस्त करने के साथ मुकदमों में कमी लाने का भी जरूरत है। कामत ने कहा कि सरकार को मुकदमेबाजी और कर कानूनों पर चिंताओं में बहुत तेजी से कमी लाने की जरूरत है। उन्होंने उद्योग मंडल फिक्की के एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि अनुपालन के स्तर और अनुपालन बोझ को ठीक करने की जरूरत है। कामत ने कहा कि जब सरकार ने खुद ही कारोबार के लिए विभिन्न प्रक्रियाओं को सरल बनाने की बात कही तो उसने खुद ही अनुपालन से जुड़े मुद्दों की पहचान की है। हालांकि उन्होंने इसकी वजह से निवेशकों के भरोसे पर नकारात्मक असर पड़ने की आशंका को खारिज करते हुए कहा कि निवेशकों को जहां भी मूल्य दिखता है, वे वहां चले आएंगे। प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) पर समग्र वैश्विक धारणा का असर पड़ा है। कंपनियों का क्षमता उपयोग 85 प्रतिशत की सीमा पार करते ही निजी क्षेत्र का पूंजीगत व्यय जोर पकड़ने लगेगा। उन्होंने कहा कि कारोबारी दिग्गज अपने उत्पादों के लिए मांग आने तक अपने निवेश निर्णयों को रोककर रखे हुए हैं। हालांकि उन्होंने कहा कि मांग सुस्त नहीं पड़ी है।

अडानी ग्रीन की इकाई ने गुजरात में पवन ऊर्जा प्लांट लगाया

नई दिल्ली । अडानी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड (एजीईएल) ने कहा कि उसकी इकाई अडानी विंड एनर्जी कच्छ फाइव लिमिटेड (एडब्ल्यूईके5एल) ने गुजरात के कच्छ में स्थित 130 मेगावाट क्षमता का पवन ऊर्जा संयंत्र चालू कर दिया है। एजीईएल ने कहा कि संयंत्र के चालू होने के साथ इसकी कुल परिचालन पवन उत्पादन क्षमता बढ़कर 1,101 मेगावाट हो गई है और कुल परिचालन अक्षय उत्पादन क्षमता 8,216 मेगावाट तक पहुंच गई है। संयंत्र का सोलर एनर्जी कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एसईसीआई) के साथ 25 साल के लिए 2.83 रुपए प्रति किलोवाट (किलो वाट घंटा) के टैरिफ पर बिजली खरीद समझौता (पीपीए) है। अडानी समूह के तहत आने वाली एजीईएल उपयोगिता-पैमाने पर ग्रिड से जुड़े सौर और पवन कृषि परियोजनाओं का विकास, निर्माण, स्वामित्व, संचालन और रखरखाव करता है।

अप्रैल में एनएसई के एक्टिव यूजर्स की संख्या गिरकर 3.12 करोड़ रह गई

- एक साल के रिटर्न में कमी और ट्रेडिंग में रिटेल निवेशकों कम दिलचस्पी के कारण भी आ रही गिरावट

नई दिल्ली ।

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) के एक्टिव यूजर्स की संख्या अप्रैल में गिरकर 3.12 करोड़ रह गई। पिछले महीने मार्च में यह संख्या 3.27 करोड़ थी। अप्रैल में लगातार दसवें महीने एनएसई के एक्टिव यूजर्स की संख्या में गिरावट दर्ज की गई। विशेषज्ञ ने कहा कि अप्रैल में 15 लाख खातों की गिरावट, मार्च के 9 लाख खातों की गिरावट की तुलना में बहुत ज्यादा है। स्टॉक एक्सचेंज एक्टिव यूजर्स को एक ऐसे व्यक्ति के रूप में परिभाषित करते हैं जिसने पिछले वर्ष में कम से कम एक बार ट्रेड किया हो। विशेषज्ञ बताते हैं कि अनिश्चित आर्थिक माहौल, एक साल के रिटर्न में कमी और ट्रेडिंग में रिटेल निवेशकों की कम होती दिलचस्पी के कारण एक्टिव यूजर्स की संख्या में गिरावट आ रही है। पिछले नौ-दस महीनों में भारतीय शेयर बाजार में काफी उतार-चढ़ाव देखने को मिला है। इस दौरान भारतीय स्टॉक्स का प्रदर्शन बहुत अच्छा नहीं रहा है। बाजार में उतार-चढ़ाव का असर नए यूजर्स पर पड़ता है, जो आम तौर पर कम पूंजी के साथ बाजार में कदम रखते हैं। फिर घाटा होने पर हमेशा के लिए बाजार से दूरी बना लेते हैं।

विशेषज्ञों ने कहा कि मार्च 2023 तक, पिछले नौ-10 महीनों में बाजार में गिरने और चढ़ने वाले शेयरों के अनुपात की बात करें तो गिरने वाले शेयरों का अनुपात ज्यादा रहा है। जबकि बाजारों ने हाल ही में रिकवरी के संकेत दिए हैं, अधिकांश स्टॉक अपनी पिछली रेंज में स्थिर बने रहे हैं, उनमें कोई खास मूवमेंट नहीं दिखा है। वित्त वर्ष 2023 में सेंसेक्स ने 0.7 फीसदी का रिटर्न दिया, जबकि निफ्टी का रिटर्न 0.6 फीसदी रहा।

गोफर्स्ट ने 30 मई तक रद्द की अपनी सभी उड़ानें

नई दिल्ली ।

गोफर्स्ट एयरलाइंस ने शनिवार को कहा कि उसका उड़ान संचालन 30 मई तक रद्द रहेगा और यात्रियों को पूरा रिफंड जारी किया जाएगा। गोफर्स्ट ने संचालन संबंधी दिक्कतों का हवाला देकर 30 मई 2023 तक की सभी उड़ानों को रद्द करने का फैसला किया है। विमानन कंपनी की ओर से कहा गया है कि ग्राहकों को भुगतान के मोड के अनुसार जल्द ही रिफंड कर दिया जाएगा। कंपनी की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि हम जानते हैं कि उड़ानों के रद्द होने से लोगों के यात्रा से जुड़े प्लान प्रभावित होते हैं। हम अपनी ओर से लोगों को हर संभव सहायता मुहैया कराने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हम जल्द ही एक बार फिर बुकिंग की प्रकिया शुरू करेंगे।इससे पहले नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने संकटग्रस्त गोफर्स्ट से अपने परिचालन के पुनरुद्धान के लिए एक व्यापक योजना पेश करने को कहा था। नियामक ने इसके लिए विमानन कंपनी को तीस दिन का समय दिया है। कंपनी ने तीन मई को उड़ान बंद कर दी थी।

लोन चुकाने के बाद एनओसी लेना बेहद जरूरी, नहीं तो हो सकती है मुसीबत

नई दिल्ली ।

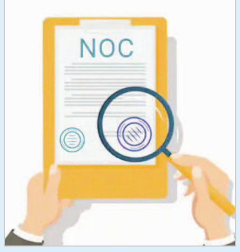

लोन का भुगतान करने के बाद एनओसी यानी नो ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट लेना बेहद जरूरी होता है। एनओसी लेंडर की ओर से तब जारी किया जाता है, जब आप लोन की पूरी बकाया राशि का भुगतान कर देते हैं। अगर आप एनओसी नहीं लेते हैं तो आपको बाद में मुसीबत का सामना करना पड़ सकता है। जब आप किसी लोन के लिए अपनी सभी बकाया ईएमआई का भुगतान कर देते हैं, तो आपको लोन एनओसी लेना होता है। . जब आपको एनओसी मिल जाता है तो आपके लोन रिपेमेंट साइकल की ऑफिशियली क्लोजिंग हो जाती है। अगर आप लोन चुकाने के बाद एनओसी नहीं लेते हैं तो इसका असर आपके क्रेडिट स्कोर पर पड़ता है. इससे आपको आगे दूसरा लोन लेते समय दिक्कत हो सकती है. इसके अलावा एनओसी नहीं लेने पर आपको वित्तीय नुकसान भी हो सकता है। यानी एनओसी लेटर नहीं लेने पर आपको अमाउंट का पेमेंट दोबारा करने के लिए कहा जा सकता है। वहीं दोबारा पेमेंट नहीं करने पर आपर पर कार्रवाई भी की जा सकती है क्योंकि आपके पास कोई एविडेंस नहीं होता है कि आपने लोन का रिपेमेंट कर दिया है।

(शेयर बाजार साप्ताहिक समीक्षा) सेंसेक्स और निफ्टी में एक फीसदी की तेजी रही

मुंबई ।

वैश्विक बाजारों से मिलेजुले संकेतों, कंपनियों के बेहतर नतीजों और सामान्य मॉनसून की उम्मीद से सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में दिनभर उतार-चढ़ाव देख गया। सेंसेक्स और निफ्टी दोनों करीब एक फीसदी की तेजी के साथ बंद हुए। सेंसेक्स में 1.02 प्रतिशत जबकि निफ्टी में 0.97 प्रतिशत की तेजी दर्ज की गई। पिछले सप्ताह घरेलू शेयर बाजार में सप्ताह भर उतार-चढ़ाव भरा कारोबार देखा गया। शेयर बाजार सोमवार, मंगलवार और शुक्रवार को तेजी के साथ खुले और सप्ताह में दो दिन बुधवार और गुरुवार को गिरावट दर्ज की गई।` पिछले पांच कारोबारी दिनों पर नजर डालें तो सूचना प्रौद्योगिकी कंपनियों तथा रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों में लिवाली तथा एशियाई बाजारों के मजबूत रुख के बीच सप्ताह के पहले कारोबारी दिन सोमवार को बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 146.98 अंक की बढ़त के साथ 61,876.66 पर खुला और 234.00 अंकों की बढ़त के साथ 61,963.68 पर बंद हुआ। वहीं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 55.3 अंक के लाभ के साथ 18,258.70 पर खुला और 111 अंकों की बढ़त के साथ 18,314.40 पर बंद हुआ। मंगलवार को सेंसेक्स 196.97 अंकों की बढ़त के कारण 62,160.65 पर खुला और 18.11 अंकों की मजबूती के साथ 61,981.79 पर बंद हुआ। निफ्टी 71.20 अंक मजबूत होकर 18,385.60 पर खुला और 33.60 अंक ऊपर 18,348 के पर बंद हुआ।

बुधवार को सेंसेक्स 251.26 अंक टूटकर 61,730.53 पर खुला और 208.01 अंक की गिरावट के साथ 61,773.78 पर बंद हुआ। निफ्टी 78.3 अंक के नुकसान से 18,269.70 पर खुला और 62.60 अंक की गिरावट के साथ 18,285.40 पर बंद हुआ। गुरुवार को सेंसेक्स 27 अंक की गिरावट के साथ 61745 पर खुला और 98.98 अंक की बढ़त के साथ 61,872.62 पर बंद हुआ। निफ्टी 16 अंक की गिरावट के साथ 18269 पर खुला और 35.75 अंक के लाभ के साथ 18,321.15 पर बंद हुआ। शुक्रवार को सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में यह करीब 120 अंक के फायदे के साथ 62,000 पर खुला और 629 अंक चढ़कर 62501 पर बंद हुआ। निफ्टी 30 अंक मजबूत होकर 18,350 पर खुला और 178 अंक चढ़कर 18499 पर बंद हुआ।

वित्तीय धोखाधड़ी के प्रमुख मामलों में सीएफओ की लापरवाही भी जिम्मेदार: मोहंती

- यदि आंतरिक नियंत्रण सही होता तो सीएफओ को ऐसे मामलों की जानकारी हासिल हो जाती

नई दिल्ली ।

भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के पूर्णकालिक सदस्य एसके मोहंती ने कहा है कि वित्तीय धोखाधड़ी के प्रमुख मामलों में कंपनी के मुख्य वित्तीय अधिकारी (सीएफओ) द्वारा बरती गई लापरवाही जिम्मेदार रही है। फिक्की सीएफओ समिट में मोहंती ने प्रवर्तकों द्वारा सहायक कंपनियों के जरिये कोष गबन के मामलों का जिक्र करते हुए कहा कि यदि आंतरिक नियंत्रण सही होता तो सीएफओ को ऐसे मामलों की जानकारी हासिल हो जाती और नियामक को समय पर कदम उठाने में मदद मिलती। पिछले समय में कई बार धोखाधड़ी हुई। कई बड़ी कंपनियां धोखाधड़ी में संलिप्त पाई गईं। हमारे द्वारा किए गए विश्लेषणों के आधार पर पता चलता है कि यदि संबंधित कंपनियों के सीएफओ प्रबंधन की गतिविधियों पर शुरू से ही नजर बनाए रखते तो इनमें से ज्यादातर धोखाधड़ी को रोका जा सकता था। सेबी के अधिकारी का मानना है कि चिंता का एक मुख्य कारण यह है कि नियामक को संबंधित पक्षों से जुड़े लेनदेन में तेजी का पता चला है। प्रवर्तन के संबंध में सेबी के पास शुरू में बाजार संबंधित धोखाधड़ियों, भेदिया कारोबार, फर्जी योजनाओं आदि की जांच के लिए सिर्फ एक विभाग था। कॉरपोरेट धोखाधड़ी को ध्यान में रखते हुए हमने एक विशेष जांच विभाग बनाया पड़ा, जिसमें ज्यादातर चार्टर्ड अकाउंटेंट शामिल हैं। धोखाधड़ी, कोष गबन या अन्य तरह की हेराफेरी की जांच करने के लिए जिम्मेदार कॉरपोरेशन फाइनैंस इन्वेस्टीगेशन डिपार्टमेंट (ने वर्ष 2021-22 में वित्तीय विवरण धोखाधड़ी श्रेणी से संबंधित 13 मामले पाए, जबकि ऐसे 10 मामले 2021-22 में निपटाए गए थे। सेबी ऐक्ट की धारा 11 के तहत सीएफआईडी ने वित्त वर्ष 2022 में 74 कंपनियों पर नियामकीय कार्रवाई शुरू की, जबकि वित्त वर्ष 2021 में ऐसे मामलों की संख्या 4 थी। विभाग ने वित्त वर्ष 2023 में 8 प्रशासनिक चेतावनियां भी जारी की थीं जबकि इससे पिछले वित्त वर्ष में यह संख्या महज तीन थी। पूर्णकालिक सदस्य मोहंती ने कंपनियों द्वारा नियामकीय अनुपालन के लिए तकनीकी विश्लेषण टूल्स अपनाए जाने की जरूरत पर भी जोर दिया।

बीएमडब्ल्यू झेड4 एम40आई भारत में लॉन्च

-89.30 लाख है शुरुआती कीमत

नई दिल्ली । भारतीय बाजार में बीएमडब्ल्यू झेड4 एम40आई को लॉन्च कर दिया है। ये कार 7 कलर स्कीम में उपलब्ध होगी। इस कार की शुरुआती कीमत 89.30 लाख रुपये एक्स-शोरूम है। इस लग्जरी कार के साथ स्टैंडर्ड तौर पर दो साल की वारंटी मिलेगी। बीएमडब्ल्यू झेड4 एम40आई में 3.0-लीटर टर्बो पेट्रोल इंजन दिया गया है, जो 340 एचपी और 500 एनएम का पीक टॉर्क करेगा। 10.25-इंच का डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर, 3डी मैप्स के साथ जीपीएस, टच कंट्रोलर, एप्पल कारप्ले के साथ पार्किंग, ड्राइविंग असिस्टेंट फंक्शन और हाई-रिजॉल्यूशन टचस्क्रीन डिस्प्ले, फ्रंट और साइड एयरबैग, ब्रेक असिस्ट के साथ एबीएस, डायनेमिक स्टेबिलिटी कंट्रोल, इलेक्ट्रॉनिक व्हीकल इम्मोबिलाइजर और क्रैश सेंसर जैसे फीचर्स दिए गए हैं।इंजन 8-स्पीड ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन के साथ जोड़ा गया है। ये कार केवल 4.5 सेकंड में 0-100 किमी प्रति घंटे की रफ्तार पकड़ सकती है। इस कार में तीन ड्राइविंग मोड्स- इकोप्रो, कम्फर्ट और स्पोर्ट दिए गए हैं।

सेंट्रल मॉस्को, रूस में आर्किटेक्ट्स, डिजाइनरों, डेवलपर्स और निर्माताओं के लिए आर्क मॉस्को 2023 प्रदर्शनी का दौरा करते लोग।

जेट एयरवेज के बोलीकर्ता गठजोड़ को देनदारी पूरी करने मिली मोहलत

मुंबई ।

राष्ट्रीय कंपनी कानून अपीलीय न्यायाधिकरण (एनसीएलएटी) ने बंद पड़ी एयरलाइन जेट एयरवेज में नई जान फूंकने के लिए सफल बोलीकर्ता जालान-कालरॉक गठजोड़ को अपनी वित्तीय देनदारी पूरी करने के लिए मोहलत दे दी। इसके साथ ही अपीलीय न्यायाधिकरण ने कर्जदाताओं को निर्देश दिया कि गठजोड़ की तरफ से बैंक गारंटी के तौर पर जमा किए गए 175 करोड़ रुपए को न भुनाया जाए। इसे कर्ज समाधान प्रक्रिया में विजेता रहे गठजोड़ के लिए बड़ी राहत माना जा रहा है। एनसीएलएटी ने अपने आदेश में 16 नवंबर, 2022 से लेकर तीन मार्च, 2023 तक की उस अवधि को हटाकर भुगतान देनदारी की समयसीमा बढ़ा दी। इस अवधि में कर्जदारों की तरफ से दायर याचिका पर सुनवाई चल रही थी। उसने यह भी कहा कि कर्जदाताओं और गठजोड़ की भागीदारी वाली निगरानी समिति को मिलजुलकर एयरलाइन का परिचालन दोबारा शुरू करने के लिए प्रयास करने चाहिए। उसने कहा कि जेट एयरवेज का फिर से परिचालन शुरू होना सभी पक्षों के हित में है। कर्ज के बोझ में फंसने के बाद जेट एयरवेज का परिचालन अप्रैल, 2019 से ही बंद है। मामला कर्ज समाधान प्रक्रिया में जाने के बाद जालान-कालरॉक गठजोड़ की बोली को सफल घोषित कर दिया गया था। लेकिन अभी तक मामला सुलझ नहीं पाया है। इस बीच एनसीएलएटी ने कर्जदाताओं को जेट एयरवेज के निदेशक मंडल में नियुक्ति की अनुमति दे दी है। मामले की अगली सुनवाई 12 जुलाई को होगी।

पेट्रोल और डीजल की कीमत हरियाणा और पंजाब में बढ़ी

- ब्रेंट क्रूड 0.69 फीसदी बढ़कर 76.95 डॉलर प्रति बैरल

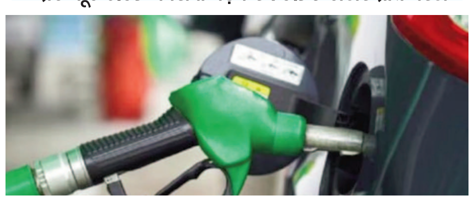

नई दिल्ली।

वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमत में आज थोड़ी तेजी देखने को मिल रही है। डब्ल्यू टीआई क्रूड 1.17 फीसदी की बढ़त के साथ 72.67 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है। वहीं ब्रेंट क्रूड 0.69 फीसदी बढ़कर 76.95 डॉलर प्रति बैरल पर बिक रहा है। शे निवार को आंध्र प्रदेश में पेट्रोल 1.22 रुपए सस्ता होकर 111.17 रुपए प्रति लीटर पर बिक रहा है। डीजल भी 1.14 रुपए गिरकर 98.96 रुपए प्रति लीटर पर आ गया है। इसी तरह दक्षिण भारत के और भी राज्यों जैसे केरल और कर्नाटक में पेट्रोल-डीजल के दाम गिरे हुए नजर आ रहे हैं। इधर उत्तर भारत में ईंधन के दाम में तेजी दिख रही है। राजस्थान में पेट्रोल 82 पैसे और डीजल 65 पैसे महंगा हो गया है। हरियाणा में पेट्रोल और डीजल 21 पैसे बढ़कर बिक रहे हैं। महाराष्ट्र, गुजरात व पंजाब में भी पेट्रोल और डीजल के दाम बढ़ोतरी हुई है। देश के एक महानगर चेन्नई में पेट्रोल 23 पैसे और डीजल 22 पैसे सस्ता हुआ है। दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपए और डीजल 89.62 रुपए प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपए और डीजल 94.27 रुपए प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपए और डीजल 92.76 रुपए प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपए और डीजल 94.24 रुपए प्रति लीटर, नोएडा में पेट्रोल 96.92 रुपए और डीजल 90.08 रुपए प्रति लीटर हो गया है। गाजियाबाद में 96.58 रुपए और डीजल 89.75 रुपए प्रति लीटर हो गया है। लखनऊ में पेट्रोल 96.57 रुपए और डीजल 89.76 रुपए प्रति लीटर हो गया है। पटना में पेट्रोल 108.12 रुपए और डीजल 94.86 रुपए प्रति लीटर हो गया है। पोर्टब्लेयर में पेट्रोल 84.10 रुपए और डीजल 79.74 रुपए प्रति लीटर हो गया है।

नेटफ्लिक्स यूज़र्स के लिए बुरी खबर

- कोई नहीं शेयर कर सकेगा पासवर्ड

नई दिल्ली ।

नेटफ्लिक्स यूज़र्स के लिए बुरी खबर है। पहले जो लोग अपने दोस्तों, रिश्तेदारों को भी अपना पासवर्ड दे देते हैं, लेकिन अब ऐसे यूज़र्स को अपनी जेब थोड़ी और ढीली करनी पड़ेगी। कंपनी ने बताया है कि एक अकाउंट का एक्सेस सिर्फ एक के लिए होता है, और अगर यूजर अपने नेटफ्लिक्स अकाउंट को उसी घर में रहने वाले किसी दूसरे शख्स के साथ भी शेयर करता है तो अलग से पैसे देने होंगे। नेटफ्लिक्स पासवर्ड शेयरिंग पर रोक लगाने के लिए काफी दिनों से काम कर रहा है। वहीं, दूसरा ऑप्शन बाय फार इक्स्ट्रा मेम्बर है, जिसके ज़रिए यूजर अपना नेटफ्लिक्स अकाउंट का पासवर्ड उस व्यक्ति को दे सकते हैं जो उनके साथ न रह रहता हो। इसके लिए कंपनी तय राशि वसूलेगी।

अब नहीं है लव इज शेरिंग ए पासवर्ड नेटफ्लिक्स ने दावा करते हुए कहा कि कंपनी हमेशा से पासवर्ड शेयर करने के खिलाफ नहीं थी, क्योंकि नेटफ्लिक्स ने खुद 2017 में ट्वीट करके 'लव इज शेरिंग ए पासवर्ड' की बात कही थी। लेकिन अब स्ट्रीमिंग सर्विस नेटफ्लिक्स का कहना है कि इससे रेवेन्यू पर असर पड़ रहा था। कंपनी ने बताया कि इस साल की शुरुआत में 100 मिलियन से ज़्यादा अकाउंट होल्डर अपने पासवर्ड आपस में शेयर कर रहे थे। मालूम हुआ है कि यूज़र्स को हर महीने 7.99 डॉलर (करीब 661 रुपये) चुकाने होंगे। मौजूदा समय में फिलहाल के लिए कीमत और प्रक्रिया ऑस्ट्रेलिया समेत 100 देशों में शुरू होने जा रही है। इन देशों में यूनाइटेड स्टेट्स ऑफ अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी, ऑस्ट्रेलिया, सिंगापुर, मैक्सिको और ब्राजील जैसे देश शामिल हैं।

डब्ल्यूटीसी फाइनल जीतने वाली टीम को मिलेंगे 16 लाख डॉलर

दुबई । डब्ल्यूटीसी मैच का फाइनल जीतने वाली टीम को आईसीसी द्वारा 16 लाख डॉलर अर्थात 13.21 करोड़ रुपये देने का ऐलान` किया गया है। गौरतलब है` कि भारत और ऑस्ट्रेलिया अगले महीने होने वाली आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल 2023 में आमने-सामने होंगे। इससे पहले अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने ऐलान करते हुए बता दिया कि विजेता टीम पर कितने पैसों की बारिश होगी और उप-विजेता टीम को कितना पैसा मिलेगा। आईसीसी ने ऐलान करते हुए साफ किया कि विजेता टीम को 16 लाख डॉलर मिलेंगे, यानी कि लगभग 13.21 करोड़। वहीं उप-विजेता टीम को 800,000 डॉलर (6.50 करोड़ रुपए) मिलेंगे। चैंपियनशिप का निर्णायक मैच द ओवल, लंदन में 7 से 11 जून तक खेला जाएगा और 12 जून रिजर्व डे होगा। टूर्नामेंट की ईनामी राशि उतनी ही है जितनी विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप 2019-21 की थी। उस समय केन विलियमसन की कप्तानी वाली न्यूजीलैंड टीम ने 16 लाख डॉलर ईनामी राशि और चमचमाती गदा जीती थी। विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप की कुल 38 लाख डॉलर ईनामी राशि में से सभी नौ टीमों को हिस्सा मिलेगा। दक्षिण अफ्रीका को 2021 . 23 में तीसरे स्थान पर रहने के लिये 450000 डॉलर यीनी कि करीब 3 करोड़ 72 लाख मिलेंगे।

आज धोनी की जीत के साथ यादगार विदाई में रोड़ा अटका सकते हैं गिल

सीएसके और गुजरात टाइंटस के बीच फाइनल मुकाबला

अहमदाबाद ।

चेन्नई सुपर किंग्स के करिश्माई कप्तान महेंद्र सिंह धोनी पांचवां आईपीएल खिताब जीतकर अपनी 'विदाई को यादगार बनाना चाहते हैं, लेकिन उनकी राह में गुजरात टाइटंस के शुभमन गिल के रूप में ऐसी 'रन मशीन है जिसके बल्ले पर अंकुश लगाना इस सत्र में गेंदबाजों के लिए टेढी खीर साबित हो रहा है। आईपीएल फाइनल में 'मिडास टच के लिए मशहूर एक अनुभवी कप्तान का सामना एक युवा बल्लेबाज से है, जो तकनीक में भी माहिर है लिहाजा दर्शकों को मनोरंजन की पूरी सौगात मिलेगी। एक भारतीय क्रिकेट का सुनहरा इतिहास है, तब दूसरा आने वाले उज्वल कल सितारा हैं। करीब 19 साल पहले जब युवा धोनी भारतीय टीम में पदार्पण की तैयारी कर रहे थे तब चार साल का गिल पंजाब के फजिल्का गांव में अपने दादा द्वारा हाथ से बनाए गए बल्ले से अपने बड़े से खेत में खेल रहा था। रविवार को नरेंद्र मोदी स्टेडियम पर जब 132000 दर्शक जल्दी ही 42 वर्ष के होने जा रहे धोनी को शायद आखिरी बार पीली जर्सी में देखगें तब भारतीय क्रिकेट का भावी सुपरस्टार गिल अपने हाथ में आईपीएल की ट्रॉफी थामने को बेताब होगा। तीन शतक और 851 रन बना चुके गिल के बल्ले पर अंकुश लगाना धोनी की सीएसके के सामने सबसे बड़ी चुनौती होगी। दीपक चाहर की स्विंग या रविंद्र जडेजा की विकेट पर गेंदबाजी। मोईन अली की आफ स्टम्प से बाहर जाती गेंद या मथीषा पथिराना की सीधे पैर पर पड़ती गेंद, कोई नहीं जानता कि तकनीक के धनी गिल की एकाग्रता किस गेंद पर भंग होगी। वहीं धोनी के प्रशंसक उन्हें अगले साल फिर खेलते देखना चाहते हैं, लेकिन पूरा आईपीएल उन्होंने बाएं घुटने पर पट्टी बांधकर खेला है लिहाजा उनके लिए अगले सत्र में फिर खेलना मुश्किल लग रहा है। इसलिए 'थाला (तमिल में बड़ा भाई) के प्रशंसकों के लिये यह धोनी के आखिरी मैच के हर पल को यादों में कैद करने का अवसर है। वह अधिकांश मैचों में आठवें नंबर पर बल्लेबाजी के लिए उतरे हैं लेकिन तुषार देशपांडे जैसे अनुभवहीन गेंदबाज और शिवम दुबे जैसे युवा बल्लेबाज को उन्होंने आत्मविश्वास दिया है। धोनी का करिश्मा कभी खत्म नहीं होगा। उनकी कप्तानी भारतीय क्रिकेट की किवदंतियों का हिस्सा रहेगी। वहीं दूसरी ओर गुजरात के पास हार्दिक पंड्या के रूप में ऐसा कप्तान है जिसका मानना है कि टीम की कप्तानी का एक ही तरीका है जो धोनी से उन्होंने सीखा है। बल्लेबाज मैच जीतते हैं लेकिन गेंदबाज टूर्नामेंट जीतते हैं और यह टाइटंस ने साबित कर दिया है। मोहम्मद शमी (28 विकेट), राशिद खान (27 विकेट) और मोहित शर्मा (24 विकेट) ने अपने काम को बखूबी अंजाम दिया है। वहीं बल्लेबाजी में गिल के अलावा पंड्या ने 325 रन बनाए हैं। चेन्नई के लिये डेवोन कोंवे (625 रन), रूतुराज गायकवाड़ (564 रन), अजिंक्य रहाणे 13 मैचों में 299 रन बना चुके हैं, जबकि दुबे ने 386 रन बनाये हैं। इस आईपीएल में दुबे 33 छक्के लगा चुके हैं। गेंदबाजी में श्रीलंका के पथिराना ने 17 और देशपांडे ने 21 विकेट लिये।

शतरंज: मैग्नस कार्लसन ने 2023 सुपरबेट रैपिड एंड ब्लिट्ज पोलैंड जीता

(एजेंसी)।

पांच बार के विश्व शतरंज चैंपियन मैग्नस कार्लसन ने ग्रैंड चेस टूर (जीसीटी) के दूसरे चरण 2023 सुपरबेट रैपिड एंड ब्लिट्ज पोलैंड का खिताब जीत लिया है। नॉर्वे के ग्रैंडमास्टर और विश्व नंबर एक कार्लसन ने गुरूवार रात 24/36 के स्कोर के साथ 40,000 डॉलर का प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया।दूसरे स्थान पर स्थानीय पसंदीदा और डिफेंडिंग चैंपियन जान-क्रिस्टोफ डूडा थे, जिन्होंने अंतिम दिन से पहले तक बढ़त का नेतृत्व किया और 23/36 के साथ सिर्फ एक अंक पीछे रहे। वह कार्लसन के खिलाफ अंतिम बाजी जीतने की स्थिति में पहुंच गए थे जिससे फैसला प्लेऑफ में चला जाता। लेकिन वह कार्लसन से मात्र एक अंक पीछे रह गए।

संयुक्त राज्य अमेरिका के वेस्ले सो और फ्रांस के मैक्सिम वाचियर-लाग्रेव 21.5 अंकों के साथ संयुक्त तीसरे स्थान पर रहे, जबकि लेवोन अरोनियन 20.5 के साथ पांचवें स्थान पर रहे।2023 ग्रैंड चेस टूर जागरेब क्रोएशिया में सुपरयूनाइटेड रैपिड एंड ब्लिट्ज के साथ जारी है, जो 3-10 जुलाई तक जागरेब में होगा और यूएसए में सेंट लुइस (12 - 19 नवंबर) तक हो रहा है।इसका समापन 19 नवंबर से 3 दिसंबर तक सेंट लुइस, मिसौरी, यूएसए में होने वाले अंतिम क्लासिकल इवेंट, सिंकफील्ड कप के साथ होगा।

शॉटगन विश्व कप: अलमाटी में ट्रैप निशानेबाज भौनीश संयुक्त बढ़त पर

ग्रीष्मकालीन ओलंपिक में कोटा हासिल करने वाले भौनीश मेंदीरत्ता इंटरनेशनल शूटिंग स्पोर्ट फेडरेशन (आईएसएसएफ) वर्ल्ड कप शॉटगन में पुरुषों की ट्रैप स्पर्धा में क्वालीफिकेशन के पहले दिन 75 में से दो टारगेट चूक गए लेकिन उन्होंने संयुक्त बढ़त बना ली। भारतीय निशानेबाज दोहरे विश्व चैंपियन और टोक्यो 2020 मिक्स्ड टीम ट्रैप विजेता स्पेन के अल्बटरे फर्नांडीज सहित चार अन्य लोगों के साथ एक समान स्कोर पर बराबरी पर थे। 69-खिलाड़ी शनिवार को दो और दौर की योग्यता के लिए वापस आएंगे, जिसके बाद उसी दिन फाइनल होना निर्धारित है। भौनीश का पहला और तीसरा राउंड परफेक्ट 25 था। वह केवल 28वें और 43वें लक्ष्य से चूक गए और पूरे समय ठोस दिखे। सीनियर टीम के साथी जोरावर संधू और पृथ्वीराज टोन्डाईमन क्रमशः 71 और 70 के स्कोर के साथ दावेदारों में 16वें और 23वें स्थान पर रहे। क्वालिफाई करने की किसी भी उम्मीद को पूरा करने के लिए दोनों शनिवार को दो राउंड में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेंगे। महिला ट्रैप में, श्रेयसी सिंह सर्वश्रेष्ठ स्थान पाने वाली भारतीय थीं, जिन्होंने 70 अंक हासिल किए और आठवें स्थान पर रहीं। रियो ओलिंपिक चैम्पियन ऑस्ट्रेलिया की कैथरीन स्किनर 73 के स्कोर के साथ सबसे आगे चल रही हैं। मनीषा कीर 65 के स्कोर के साथ 22वें और प्रीति रजक 61 के स्कोर के साथ 28वें स्थान पर हैं।

मुंबई इंडियंस की हार के बाद रोहित शर्मा ने दी सफाई, कहा- हमारी टीम रास्ता भटक गई

अहमदाबाद ।

मुंबई इं डियंस के कप्तान रोहित शर्मा ने हार के बाद अपनी सफाई दी है। रोहित शर्मा ने कहा है` कि हमारी टीम शुरुआत में ही रास्ता भटक गई थी। गौरतलब है` कि शुक्रवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2023 के दूसरे क्वालिफायर मैच में गुजरात टाइटंस ने मुंबई इंडियंस पर 62 रन से बड़ी जीत दर्ज कर फाइनल में जगह बनाई। गुजरात ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 234 रनों का लक्ष्य रखा था, जिसके जवाब में मुंबई 18.2 ओवर में 171 रनों पर ही सिमट गई। गुजरात अब रविवार, 28 मई को फाइनल में चेन्नई सुपर किंग्स का सामना करेगी। वहीं, क्वालीफायर मैच में हार के बाद मुंबई इंडियंस के कप्तान रोहित शर्मा थोड़े निराश दिखाई दिए, पांच बार की चैंपियन मुंबई इस सीजन फाइनल में जगह नहीं बना पाई। हार के बाद कप्तान रोहित बोले की गुजरात ने पार स्कोर से 25 रन अतिरिक्त बनाए और उन्होंने कहा कि गुजरात के बल्लेबाज शुभमन गिल की पारी (129 रन) शानदार रही और उनकी टीम में कोई भी बल्लेबाज वैसी भूमिका नहीं निभा पाया।

शुभमन की तारीफ करते हुए रोहित शर्मा ने कहा कि यह एक अच्छा टोटल था, शुभमन ने वास्तव में अच्छी बल्लेबाजी की। विकेट वास्तव में अच्छा था। उन्हें 25 अतिरिक्त मिले, जब हमने बल्लेबाजी की तो हम काफी सकारात्मक थे। पर्याप्त साझेदारी नहीं कर सके। कैमरून ग्रीन और सूर्यकुमार ने अच्छी बल्लेबाजी की लेकिन हम रास्ता भटक गए। हमने पावरप्ले में कुछ विकेट गंवाए और इस तरह के लक्ष्य का पीछा करते समय गति नहीं मिली। हम एक बल्लेबाज चाहते थे जैसे शुभमन गिल ने अंत तक बल्लेबाजी की, और आप कभी नहीं जानते - एक पक्ष छोटा है और विकेट अच्छा था, कुछ भी हो सकता है, श्रेय जहां यह होना चाहिए गुजरात ने अच्छा खेला।

मैच के दौरान मुंबई के विकेटकीपर बल्लेबाज फील्डिंग के दौरान अपनी ही टीम के खिलाड़ी की कोहनी आंख में लगने से चोटिल हो गए, जिसपर बात करते हुए रोहित ने कहा कि हमने इसकी उम्मीद नहीं की थी, उसे (ईशान) थोड़ा झटका लगा था, मुझे नहीं पता कि यह कैसे हुआ। हम अलग-अलग परिस्थितियों और अलग-अलग स्थितियों के अनुकूल होने की बात करते रहे हैं। मैं उस पर गौर नहीं करूंगा, हमने गेम जीतने के लिए अच्छा नहीं खेला। इस खेल को खेलने और तीसरे के रूप में क्वालीफाई करने से हमें बहुत आत्मविश्वास मिलता है, हमारी बल्लेबाजी सबसे बड़ी सकारात्मक रही है, कुछ युवा खिलाड़ी विशेष रूप से और इसे अगले सीजन में ले जाएं और देखें कि आप क्या कर सकते हैं।

रो हित शर्मा ने कहा` कि इस सीजन में सभी गेंदबाजी टीमों को चुनौती दी गई है, पिछले गेम में जो हुआ उसे देखते हुए हमारा प्रदर्शन शानदार रहा।

संक्षिप्त समाचार

पूर्व कप्तान गावस्कर ने हार्दिक पांड्या की तारीफ कर कहा वहां धोनी का याद दिलाता हैं

मुंबई । भारत के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने गुजरात टाइटंस के कप्तान हार्दिक पांड्या की तारीफ कर कहा कि वह टीम में जो इत्मीनान का भाव लाते हैं, वह महेंद्र सिंह धोनी की याद दिलाता है। पांड्या की कप्तानी में गुजरात लगातार दूसरी बार फाइनल में पहुंची है। गुजरात ने दूसरे क्वालीफायर में पांच बार की चैम्पियन मुंबई इंडियंस को 62 रन से हराया। गावस्कर ने कहा, हार्दिक बार बार कहता आया है कि वह धोनी का कितना बड़ा मुरीद है। जब दोनों टॉस के लिए उतरते हैं, तब दोनों के चेहरों पर मुस्कुराहट होगी और यह काफी दोस्ताना माहौल में होगा, लेकिन मैच में माहौल अलग होगा। पंड्या के पास यह दिखाने का सुनहरा मौका है कि उसने कितना तेजी से सीखा है। उन्होंने कहा, पिछले साल वह पहली बार कप्तानी कर रहा था तब किसी ने सोचा भी नहीं था कि क्या अपेक्षा करनी है, क्योंकि वह बेहद रोमांचक क्रिकेटर पहले से था। लेकिन पिछले एक साल में हमने देखा कि टीम में वह जो इत्मीनान का भाव लाता है, वह धोनी की याद दिलाता है। यह खुश रहने वाली टीम है जैसी कि सीएसके है। हार्दिक को इसका काफी श्रेय जाता है। गावस्कर ने टाइटंस की सफलता का श्रेय कोच आशीष नेहरा को भी दिया। उन्होंने कहा, मैं नेहरा को भी श्रेय दूंगा। वह ऐसा इंसान है कि आप चेंज रूम में हों या कमेंट्री बॉक्स में, आप हंसते रहते हैं, वह जीवन बहुत सरल बना देता है और क्रिकेट की नेहरा में जबर्दस्त समझ है। टाइटंस बेहतरीन टीम है और लीग चरण में शीर्ष पर रही है। उसके चेन्नई सुपर किंग्स से तीन अंक अधिक थे। लीग चरण में बेहतरीन प्रदर्शन करके ही वे फाइनल में पहुंचे हैं। चेन्नई को बखूबी पता है कि उसके सामने चुनौती आसान नहीं है।

नेसर को अब भी मिल सकती है डब्ल्यूटीसी के लिए टीम में जगह : मैकडोनाल्ड

मेलबर्न । ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के कोच एंड्रयू मैकडोनाल्ड ने कहा है कि युवा खिलाड़ी माइकल नेसर ने काउंटी क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन किया है। मैकडोनाल्ड के अनुसार अगर विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल में कोई खिलाड़ी चोटिल होता है तो उसकी जगह ऑलराउंडर नेसर को जगह मिल सकती है। साथ ही कहा कि आगामी एशेज श्रृंखला में भी उन्हें टीम में शामिल किया जा सकता है। नेसर ने ग्लैमोर्गन काउंटी की ओर से अभी तक तीन पारियों में 123, 86 और 90 रन बनाए हैं। इसके बाद भी उन्हें अगले महीने होने वाले डब्ल्यूटीसी फाइनल और एशेज के पहले दो टेस्ट मैचों के लिए ऑस्ट्रेलिया की 17 सदस्यीय टीम जगह नहीं मिली है पर कोच मैकडोनाल्ड ने कहा कि उन्हें अब भी अवसर मिल सकता है। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच डब्ल्यूटीसी फाइनल सात जून से ओवल में खेला जाएगा जबकि पांच टेस्ट मैचों की एशेज श्रृंखला 16 जून से शुरू होगी। मैकडोनाल्ड ने कहा,'' हम जानते हैं कि नेसर किस प्रकार का प्रदर्शन कर रहा है। नेसर और सीन एबोट डब्ल्यूटीसी की तैयारियों के लिए लंदन में टीम से जुड़ेंगे।

जब टीम मुसीबत में होती हैं तब मैं राशिद खान पर भरोसा करता हूं : पांड्या

गिल की शानदार पारी की तारीफ

अहमदाबाद ।

आईपीएल 2023 के क्वालिफायर मैच में मुंबई इंडियंस के खिलाफ 62 रनों की जीत के बाद गुजरात टाइटंस के कप्तान हार्दिक पांड्या ने स्पिनर राशिद खान को अपना सबसे भरोसेमंद खिलाड़ी बताया। मैच में जहां शुभमन गिल ने 129 रनों की शतकीय पारी खेली, वहीं स्पिनर राशिद खान ने टिम डेविड और तिलक वर्मा की विकेट चटकाकर टीम की जीत में योगदान दिया। हालांकि, इस मैच में मोहित शर्मा ने गुजरात की ओर से सर्वश्रेष्ठ पांच विकेट चटकाए, लेकिन पांड्या ने कहा कि जब भी टीम मुसीबत में होती है, तब वह राशिद पर भरोसा करते हैं। पांड्या ने कहा, मुझे लगता है कि हमने उसके (राशिद के बारे में) बारे में काफी कुछ बोल दिया है। जब टीम मुश्किल स्थिति में होती है, तब मैं उस पर भरोसा कर सकता हूं। पाड़्या ने इसके साथ बल्ले से शानदार प्रदर्शन के लिए गिल की तारीफ कर उनकी पारी को बेहतरीन करार दिया। उन्होंने कहा, आज की शुभमन की पारी बेहतरीन में से एक थी, वह कभी हड़बड़ी में नहीं दिखे। ऐसा लगा जैसे कोई गेंद फेंक रहा था और वह हिट कर रहा था। वह अंतरराष्ट्रीय और फ्रेंचाइजी क्रिकेट में सुपरस्टार होगा। मेरी उसके साथ बातचीत होती है, मैं कोशिश करता हूं कि लोग मेरी ऊर्जा को इस्तेमाल करें। मुझे लगता है कि वह जिस स्पष्टता और आत्मविश्वास को लेकर चल रहे हैं वह अद्भुत है।

बता दें कि यह लगातार दूसरी बार है, जब गुजरात टाइटंस फाइनल में पहुंची हैं। पिछले सीजन ही आईपीएल में शामिल हुई गुजरात टाइटंस ने अपने पहले ही सीजन में खिताब जीता था और गुजरात अब पहली टीम बन गई है जो अपने पहले शुरूआती दो सीजन में फाइनल में पहुंची हो। गत चैंपियन गुजरात टाइटंस और चार बार की चैंपियन चेन्नई सुपर किंग्स के बीच आईपीएल 2023 का फाइनल रविवार, 28 मई को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला जाएगा।

ईशान को लगी कोहनी में चोट, डब्ल्यूटीसी फाइनल के लिए बढ़ी मुश्किलें

अहमदाबाद । ईशान किशन को चोट लगने के कारण डब्ल्यूटीसी फाइनल के लिए टीम इंडिया की मुश्किलें बढ़ गई हैं। गौरतलब है कि भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच अगले महीने ओवल में होने वाले वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल से पहले ईशान किशन चोटिल हो गए। इस कारण वे आईपीएल 2023 के क्वालिफायर-2 में बल्लेबाजी करने भी नहीं उतरे। उनकी जगह नेहल वढेरा को ओपनिंग करना पड़ा और वे फेल भी रहे। किशन को चोटिल केएल राहुल की जगह पर भारतीय टीम में शामिल किया गया था। वे शुक्रवार को गुजरात टाइटंस के खिलाफ मुंबई इंडियंस के साथी खिलाड़ी क्रिस जॉर्डन से टकराने के कारण चोटिल हो गए। दूसरी तरफ ऑस्ट्रेलिया के ऑलराउंडर कैमरन ग्रीन मुंबई इंडियंस की पारी के दूसरे ओवर में हार्दिक पंड्या की तेजी से उठती गेंद पर चोटिल हो गए। उनकी बायीं कोहनी पर गेंद लगी, जिससे उन्हें मैदान छोड़ना पड़ा। हालांकि उन्होंने बाद में वापसी की और 20 गेंदों पर 30 रन बनाए। बता दें कि डब्ल्यूटीसी फाइनल 7 जून से लंदन के ओवल में खेला जाएगा। इसके लिए विराट कोहली, मोहम्मद सिराज, शार्दुल ठाकुर जैसे कई खिलाड़ी इंग्लैंड पहुंच चुके हैं। 24 साल के ईशान किशन वनडे में दोहरा शतक ठोक चुके हैं। वे टीम इंडिया की ओर से वनडे और टी20 खेल चुके हैं। उनका टेस्ट डेब्यू बाकी है। उनके फर्स्ट क्लास करियर की बात करें, तो उन्होंने 48 मैच में 39 की औसत से 2985 रन बनाए हैं। 6 शतक और 16 अर्धशतक लगाया है। इसमें 273 रन का बड़ा स्कोर शामिल है। वे ओवरऑल टी20 में शतक ठोक चुके हैं। ईशान किशन के आईपीएल 2023 के प्रदर्शन की बात करें, तो उन्होंने 30 की औसत से 454 रन बनाए। 3 अर्धशतक जड़ा। 75 रन उनका बेस्ट प्रदर्शन रहा। वे ओवरऑल टी20 के 167 मैच में 4292 रन बना चुके हैं। 3 शतक और 24 अर्धशतक लगाया है।

कार्तिक ने बताया लखनऊ की हार का कारण

मुम्बई । पूर्व भारतीय क्रिकेटर मुरली कार्तिक ने कहा है कि इस सत्र में लखनऊ सुपरजायंटस को इसलिए हार का सामना करना पड़ा क्योंकि वह अपने विदेशी खिलाड़ियों के भरोसे पर ही खेल रही थी। लखनऊ को एलिमिनेटर मुकाबले में मुंबई इंडियंस के हाथों करारी हार का सामना करना पड़ा था। कार्तिक ने कहा कि लखनऊ की टीम इस सत्र में अपने विदेशी खिलाड़ियों पर जरुरत से ज्यादानिर्भर रही और उसने अपनी देश के खिलाड़ियों को अधिक अवसर नहीं दिये। लखनऊ टीम में मार्कस स्टोइनिस, काइल मायर्स और निकोलस पूरन जैसे खिलाड़ियों के नाम ही अधिक रन हैं। कार्तिक ने कहा, टीम के विदेशी खिलाड़ियों पर अत्यधिक निर्भर रहने के कारण उनके भारतीय खिलाड़ी आगे नहीं बढ़ पाये।। कार्तिक ने मुंबई के गेंदबाज आकाश मधवाल की जमकर तारीफ की, जिन्होंने एलिमिनेटर मुकाबले में 5 विकेट लेते हुए मुंबई की जीत तय कर दी थी। कार्तिक ने इसके साथ मुंबई इंडियंस टीम प्रबंधन की भी तारीफ की, जिन्होंन कम अनुभवी होने के बाद भी मघवाल को टीम में जगह दी।

शुभमन गिल ने जड़े एक ओवर में तीन छक्के, बताया आईपीएल की सबसे अच्छी पारी

अहमदाबाद ।

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2023 के दूसरे क्वालिफायर मुकाबले में शुक्रवार को गुजरात टाइटंस ने मुंबई इंडियंस पर 62 रन से बड़ी जीत दर्ज कर फाइनल में जगह बना ली है। इस मैच में शुभमन` गिल ने एक ओवर में तीन छक्के जड़कर आईपीएल की सबसे अच्छी पारी बताया। शुरुआत कें गुजरात ने पहले बल्लेबाजी करते हुए शुभमन गिल की शतकीय पारी के बदौलत 234 रनों का लक्ष्य रखा और इसके बाद गुजरात के गेंदबाज मोहित शर्मा ने गेंदबाजी में 5 विकेट चटकाते हुए, मुंबई की बल्लेबीज को 18।2 ओवर में 171 रनों पर ही समेट दिया। गुजरात के बल्लेबाज गिल ने इस मैच 60 गेंदों में 7 चौके और 10 छक्कों की मदद से 129 रनों की पारी खेली, यह आईपीएल प्लेऑफ में किसी बल्लेबाज द्वारा खेली गई अब तक की सबसे बड़ी पारी है। इस शानदार पारी के लिए शुभमन गिल को प्लेयर ऑफ म मैच अवॉर्ड से नवाजा गया, इस अवसर पर गिल ने कहा कि मैच में एक ओवर में तीन छक्के जड़ते ही उन्हें लगा कि यह उनका दिन है और उन्होंने कहा कि यह उनकी आईपीएल की सबसे अच्छी पारी थी। इस दौरान शुभमन गिल ने कहा` कि मेरे लिए, यह गेंद दर गेंद खेलना है और ओवर टू ओवर खेलना है। जिस ओवर में मैंने तीन छक्के जड़े थे, उससे मुझे आगे बढ़ने का मोमेंटम मिला। तभी मुझे एहसास हुआ कि यह मेरा दिन हो सकता है। यह बल्लेबाजी के लिए भी अच्छा विकेट था। आप बल्लेबाज के तौर पर आविष्कार करते रहते हैं लेकिन मेरे लिए विश्वास ज्यादा जरूरी है। मैं एक अच्छे अंतरराष्ट्रीय सत्र में भी आ रहा हूं। पिछला सीजन भी अच्छा रहा था। जब मैं अच्छी शुरुआत करता हूं, तो मुझे विश्वास होता है कि मैं अच्छा स्कोर कर सकता हूं। शुभमन गिल ने कहा कि पिछले वेस्टइंडीज दौरे से, मुझे लगता है कि मैंने एक गियर बदल दिया है, मैं पिछले आईपीएल से पहले चोटिल हो गया था, लेकिन मैं अपने खेल पर काम कर रहा हूं।

गौरतलब है कि भारतीय युवा बल्लेबाज शुभमन गिल की आकर्षक शतकीय पारी और अनुभवी तेज गेंदबाज मोहित शर्मा के पांच विकेट के दम पर गुजरात टाइटंस ने दूसरे क्वालीफायर में मुंबई इंडियंस को 62 रन से करारी शिकस्त देकर इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में लगातार दूसरे खिताब की तरफ मजबूत कदम बढ़ाए। गुजरात की टीम रविवार को यहां होने वाले फाइनल में चार बार के चैंपियन चेन्नई सुपर किंग्स का सामना करेगा जिसने उसे चेन्नई में खेले गए पहले क्वालीफायर में 15 रन से हराया था। गिल ने 60 गेंदों पर 129 रन बनाए और इस बीच लंबे शॉट खेलने की अपने कौशल का शानदार नमूना पेश किया।

उन्होंने अपनी पारी में सात चौके और 10 छक्के लगाए। गिल ने इस बीच साई सुदर्शन (31 गेंदों पर 43 रन) के साथ दूसरे विकेट के लिए 64 गेंदों पर 138 रन की साझेदारी की।

कुआलालंपुर, मलेशिया में मलेशिया मास्टर्स 2023 में जापान की मात्सुमोतो मायू (सामने)/नगहारा वकाना चीनी ताइपे की सू या चिंग/लिन वान चिंग के खिलाफ महिला युगल क्वार्टर फाइनल मैच के दौरान प्रतिस्पर्धा करती हुई।

देश की अर्थव्यवस्था में गुजरात की हिस्सेदारी बढ़ाकर 10 फीसदी से अधिक करने का लक्ष्य

अहमदाबाद। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में शनिवार को नई दिल्ली में हुई नीति आयोग की 8वीं गवर्निंग काउंसिल की बैठक में आगामी वर्षों में देश की अर्थव्यवस्था में गुजरात की हिस्सेदारी को बढ़ाकर 10 फीसदी से अधिक करने के लक्ष्य को स्पष्ट किया। इस संदर्भ में मुख्यमंत्री ने कहा कि 2047 तक विकसित भारत के निर्माण के संकल्प के साथ प्रधानमंत्री ने आने वाले वर्षों में भारत को पांच ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने का आह्वान किया है। गुजरात ने इस दिशा में आगे बढ़ते हुए राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था में 10 फीसदी से अधिक की सहभागिता का लक्ष्य निर्धारित किया है। नीति आयोग की 8वीं गवर्निंग काउंसिल की इस बैठक में देश के विभिन्न राज्यों के मुख्यमंत्री, केंद्र शासित प्रदेशों के उप राज्यपाल और केंद्र सरकार के विभिन्न विभागों के मंत्री भी मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को बधाई देते हुए कहा कि उनके मार्गदर्शन में भारत ने विभिन्न क्षेत्रों में कई उपलब्धियां हासिल की हैं। इतना ही नहीं, उनके दूरदर्शी नेतृत्व के कारण भारत को जी-20 की अध्यक्षता करने का ऐतिहासिक अवसर प्राप्त हुआ है। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने नीति आयोग की इस बैठक के एजेंडे में शामिल विषयों में गुजरात की प्रगति और उपलब्धियों पर प्रभावशाली प्रस्तुति दी। उन्होंने कहा कि देश के इस अमृत काल में गुजरात का विकास पांच स्तंभों के आधार पर करने के संकल्प के साथ इस वर्ष का बजट 3 लाख करोड़ रुपए का रखा है। इतना ही नहीं, इस वित्तीय वर्ष में लगभग डेढ़ फीसदी राजकोषीय घाटे के साथ गुजरात 13वें वित्त आयोग के सभी मानकों को भी पूरा करता है। मुख्यमंत्री ने राज्य के विकास के पांच स्तंभों पर बजट में किए गए फोकस

की जानकारी देते हुए कहा कि गरीब एवं जरूरतमंद वर्गों को बुनियादी ढांचा सुविधाएं और सामाजिक सुरक्षा, मानव संसाधन विकास, विश्व स्तरीय इंफ्रास्ट्रक्चर, डेवलपमेंट इन्वेस्टमेंट प्रोत्साहन से निवेश और रोजगार अवसर में वृद्धि तथा ग्रीन टेक्नोलॉजी के अधिकतम उपयोग पर गुजरात ने ध्यान केंद्रित किया है। भूपेंद्र पटेल ने साफ किया कि पारंपरिक ऊर्जा उत्पादन हो या नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र, गुजरात ने ऊर्जा क्षेत्र को हमेशा ही प्राथमिकता दी है। गुजरात ने देश की नवीकरणीय ऊर्जा की कुल स्थापित क्षमता का 15 फीसदी यानी 20 गीगावाट क्षमता हासिल कर ली है। उन्होंने कहा कि ऊर्जा जरूरतों में ग्रीन हाइड्रोजन के उपयोग में तेजी लाने के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के अनुरोध को गुजरात ने स्वीकार कर लिया है। मुख्यमंत्री ने गर्व के साथ कहा कि गुजरात ने नेशनल ग्रीन हाइड्रोजन मिशन के अंतर्गत अतिरिक्त 100 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन का लक्ष्य निर्धारित किया है। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने देश के विकास की रफ्तार को और अधिक गति देने के लिए प्रधानमंत्री द्वारा दिए गए पीएम गति शक्ति के अभिनव विचार के लिए बधाई दी। उन्होंने इस क्षेत्र में गुजरात द्वारा की गई उल्लेखनीय प्रगति की नीति आयोग की आठवीं गवर्निंग काउंसिल को जानकारी देते हुए कहा कि विकास कार्यों के लिए केंद्र एवं राज्य के भिन्न-भिन्न डेटा लेयर्स को पीएम गति शक्ति प्लेटफॉर्म पर एकीकृत करने वाला गुजरात देश का पहला राज्य बना है। इस संबंध में विस्तार से जानकारी देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले किसी भी विकास कार्य की योजना बनाने में महीनों लग जाते थे, लेकिन अब कुछ ही सप्ताह में समूची योजना बन जाती है और इसके परिणामस्वरूप विकास परियोजनाएं गतिपूर्वक आगे बढ़ रही हैं। मुख्यमंत्री ने नीति आयोग की इस बैठक में गुजरात की सर्वोत्तम प्रथाओं को उजागर करते हुए कहा कि भूमि अधिग्रहण के साथ-साथ एरिया डेवलपमेंट के लिए भी पीएम गति शक्ति का उपयोग होता है। पीएम गति शक्ति प्लेटफॉर्म के माध्यम से भारत नेट की एसेट का सदुपयोग कर टेलीकॉम सेवा प्रदाताओं द्वारा पूरे गुजरात में 5जी सेवाएं शुरू की जा रही हैं। उन्होंने बताया कि गुजरात ने सामाजिक बुनियादी ढांचा क्षेत्र में स्कूल, कॉलेज, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र और ग्राम पंचायत भवन आदि की प्लानिंग के लिए भी पीएम गति शक्ति का व्यापक उपयोग किया है। मुख्यमंत्री ने बुनियादी ढांचा और निवेश के संदर्भ में विवरण देते हुए कहा कि गुजरात पिछले दो दशकों से देश के निवेशकों के लिए पसंदीदा गंतव्य के तौर पर उभरा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में दो दशक पहले शुरू हुई वाइब्रेंट गुजरात ग्लोबल समिट से गुजरात एक महत्वपूर्ण निवेश गंतव्य बना है। अब गुजरात ने जनवरी, 2024 में आयोजित होने वाली 10वीं वाइब्रेंट समिट की तैयारियां शुरू कर दी हैं। भूपेंद्र पटेल ने यह भी कहा कि आर्थिक गतिविधियों पर आधारित शहरों के विकास पर अधिक ध्यान केंद्रित करने की प्रधानमंत्री की संकल्पना के अनुरूप गुजरात में गिफ्ट सिटी, धोलेरा और ड्रीम सिटी जैसे ग्रीनफील्ड आधारित आर्थिक शहरों का विकास हो रहा है। मुख्यमंत्री ने गुजरात की मजबूत अर्थव्यवस्था में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) के महत्वपूर्ण योगदान की सराहना करते हुए कहा कि उद्योग पोर्टल पर लगभग 12 लाख एमएसएमई का पंजीकरण हुआ है।

एक साल से लापता युवती के बारे में बड़ा खुलासा, प्रेमी ने पीछा छुड़ाने कर दी थी हत्या

अहमदाबाद ।

एक साल पहला लापता हुई जूनागढ़ की युवती के बारे में चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। युवती से पीछा छुड़ाने के लिए प्रेमी ने उसकी हत्या कर दी और शव को फूंक दिया था। अहमदाबाद पुलिस ने इस मामले में मृतक के प्रेमी समेत 8 आरोपियों को गिरफ्तार कर आगे की कार्यवाही शुरू की है। जानकारी के मुताबिक धारा कडीवार नामक युवती 20 जून 2022 को जूनागढ़ से मीत शाह और सूरत सोलंकी उर्फ सूरज तांत्रिक के साथ कार में अहमदाबाद के लिए निकली थी। धारा को नहीं पता था कि वह जीवन की अंतिम यात्रा पर निकली है। धारा को अहमदाबाद लाने के बजाए चोटी के निकट वाटावछ ले जाया गया। जहां सूरज सोलंकी और उसके भाई युवराज सोलंकी के अलावा मुकेश सोलंकी, गुंजन जोशी ने धारा को सूरज के खिलाफ केस वापस लेने की धमकी दी। उस दौरान मीत शाह ने गला घोंटकर धारा की हत्या कर दी। हत्या के बाद उसके कपड़े और मोबाइल ले लिया। बाद में धारा का शव युवराजसिंह सोलंकी खेत में फूंक दिया। धारा की हत्या की पहले ही साजिश रची गई थी, जिससे उसके शव निराकरण करने के लिए लकड़ी, पेट्रोल और घास-फूस पहले से एकत्र कर रखा हुआ था। धारा का शव फूंकने के बाद आरोपी पुलिस को गुमराह करने के उद्देश्य से मीत शाह और सूरज सोलंकी अहमदाबाद आए। जहां मीत शाह ने अपनी माता मोना शाह को धारा के कपड़े पहनाए और शहर के पालडी व सनाथल क्षेत्र में कार में घुमाया। उसी दौरान युवराज और गुंजन धारा को मोबाइल लेकर मुंबई पहुंच गया और वहां से संजय सोहेलिया नामक शख्स के मोबाइल पर एक मैसेज कर पुलिस को गुमराह करना शुरू कर दिया। यह मैसेज धारा के नाम से किया गया, जिसमें कहा गया 'मैं अपनी इच्छा से सूरज को छोड़कर जा रही हूं।' इस मैसेज के आधार पर मीत शाह, सूरज सोलंकी और संजय सोहेलिया ने धारा के लापता होने की अहमदाबाद के पालडी पुलिस थाने में शिकायत दर्ज करवा दी। जिसके आधार पर पुलिस ने मामले की जांच शुरू की और एक साल बाद आखिरकार धारा की हत्या और उसमें मदद करने वाले 8 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पकड़े गए आरोपियों में गुंजन जोशी, सूरज सोलंकी ऊर्फ सूरज तांत्रिक, मुकेश सोलंकी, युवराज सोलंकी, संजय सोहेलिया, जुगल, मीत शाह और मोना शाह शामिल है।

विवाह पंजीकरण पर सरकार का महत्वपूर्ण फैसला, यह प्रमाण पत्र भी देना होगा अनिवार्य

अहमदाबाद।

गुजरात सरकार ने विवाह पंजीकरण को लेकर एक महत्वपूर्ण फैसला किया है। अब विवाह पंजीकरण के दौरान पति-पत्नी को थैलेसीमिया का प्रमाण पत्र भी देना होगा। थैलेसीमिया के बढ़े मामलों को देखते हुए गुजरात सरकार ने यह फैसला किया है। इसके लिए नव दंपत्ति को मान्यता प्राप्त डॉक्टर से थैलेसीमिया का सर्टिफिकेट लेकर विवाह पंजीकरण के दौरान पेश करना होगा। आगामी दिनों ने सरकार इसकी अधिकृत घोषणा करेगी। गौरतलब है कि विवाह करने वाले युवक और युवती में कोई एक को अगर थैलेसीमिया है तो उनकी पैदा होनेवाली संतान के भी इस रोग से ग्रस्त होने की 25 प्रतिशत संभावना है। युवक और युवती दोनों ही माइनर हो तो ऐसे दंपत्ति को थैलेसीमिया मेजर बच्चे का जन्म होने की 50 प्रतिशत की संभावना है। ऐसे बच्चों का आयुष्य कम होता है। इसी वजह को देखते हुए राज्य सरकार ने विवाह पंजीकरण के दौरान थैलेसीमिया का प्रमाण पत्र पेश करना अनिवार्य कर दिया है। दरअसल थैलेसीमिया यह एक अनुवांशिक रक्त रोग हैं। इस

रोग के कारण रक्त/हीमोग्लोबिन निर्माण के कार्य में गड़बड़ी होने के कारण रोगी व्यक्ति को बार-बार रक्त चलाना पड़ता हैं। भारत में हर वर्ष । से 10 हजार बच्चे थैलेसीमिया से पीड़ित पैदा होते हैं। यह रोग न केवल रोगी के लिए कष्टदायक होता है बल्कि सम्पूर्ण परिवार के लिए कष्टों का सिलसिला लिए रहता हैं। यह रोग अनुवांशिक होने के कारण पीढ़ी दर पीढ़ी परिवार में चलती रहता हैं। इस रोग में शरीर में लाल रक्त कण / रेड ब्लड सेल (आर.बी.सी.) नहीं बन पाते है और जो थोड़े बन पाते है वह केवल अल्प काल तक ही रहते हैं। थैलेसीमिया से पीड़ित बच्चों को बार-बार खून चढाने की आवश्यकता पड़ती है और ऐसा न करने पर बच्चा जीवित नहीं रह सकता हैं। इस बीमारी की सम्पूर्ण जानकारी और विवाह के पहले विशेष एहतियात बरतने पर इसे आनेवाले पीढ़ी को होने से कुछ प्रमाण में रोक सकते हैं।

पश्चिम रेलवे की आरपीएफ टीम ने टिकट दलाल को पकड़ा

पश्चिम रेलवे द्वारा प्रतीक्षा सूची टिकटों के साथ यात्रियों से अत्यधिक अवैध कमीशन वसूलने वाले दलालों के खिलाफ विशेष अभियान चलाया जा रहा है और छापेमारी की जा रही है। मई, 2023 में ऐसे 63 मामले दर्ज किये गये जिनमें पीआरएस से जारी यात्रा टिकट और ई-टिकट शामिल हैं तथा 71 व्योक्तियों को 26,61,310 रुपये मूल्य् के टिकटों की जब्ती के साथ गिरफ्तार किया गया। पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सुमित ठाकुर द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार मुंबई मंडल के रेल सुरक्षा बल के विंडों टिकटों एवं ई -टिकटों की दलाली के विरुद्ध एक विशेष अभियान में एक दलाल 15 मई , 2023 को अंधेरी स्टेशन (साकी नाका एरिया) से 14 विंडों टिकटों के साथ पकड़ा गया। पश्चिम रेलवे के आरपीएफ को साकी नाका क्षेत्र में रेल टिकटों की अवैध बिक्री की सूचना मिली थी। तदनुसार, दोषियों को पकड़ने के लिए आरपीएफ तथा सतर्कता विभाग की एक संयुक्त टीम बनाई गई। टीम ने अलीम खान नामक व्यक्ति को 1,03,985 रुपये मूल्यट के कुल 14 विंडो टिकटों के साथ पकड़ा। इसके विरुद्ध 16 मई, 2023 को आरपीएफ पोस्ट, अंधेरी में केस दर्ज किया गया। पूछताछ में अलीम खान ने बताया कि वह यह अवैध गतिविधि साकी नाका निवासी अफजल नफीस खान के साथ मिल कर करता था तथा टिकट सिक्किम, असम, उत्तर प्रदेश और पंजाब राज्य के दूरस्थ पीआरएस काउंटरों से बुक किए गए थे। उससे मिली जानकारी के आधार पर अफजल नफीस खान को 22 मई, 2023 को गिरफ्तार किया गया। ठाकुर ने बताया कि जांच के दौरान अफजल नफीस खान ने जानकारी दी कि वह एक ग्राफिक डिजाइन सॉफ्टवेयर द्वारा रेल टिकटों पर छपे कोड को छिपा कर नकली टिकट बनाता था । उसने डेमो भी दिया है कि वह कैसे इन टिकटों की इस प्रकार छपाई कर रहा था। आरपीएफ, अंधेरी ने मामले की जानकारी सिटी पुलिस को दी जिसके आधार पर उसके विरुद्ध केस दर्ज किया गया। इसके आगे की कार्यवाही में दो और व्यक्तियों, राशिद खान और अनवर शाह को भी इस मामले में गिरफ्तार किया गया। इसके अलावा 1,25,170 रुपये मूल्यव के 37 लाइव यात्रा सह आरक्षण टिकट, 5,61,095 रुपये मूल्यी के 191 ई-टिकट, 21,250 रुपये नकद, 2 लैपटॉप तथ 1 प्रिंटर भी जब्ती किए गए। मामले की जांच आरपीएफ एवं सिटी पुलिस द्वारा की जा रही है।

गुजरात भाजपा ने नए संसद भवन को गुलामी से मुक्त होने की सरकार की पहल बताया

अहमदाबाद। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 28 मई को नए संसद भवन का उदघाटन करने वाले हैं और विपक्ष इसका विरोध कर रहा है। विपक्ष की मांग है कि नए संसद भवन का उदघाटन राष्ट्रपति द्रौपदी मूर्मू के हाथों करवाया जाना चाहिए। भाजपा का अपना तर्क है तो कांग्रेस समेत 20 जितने राजनीतिक दलों अपना तर्क है। इन सबके बीच गुजरात भाजपा ने नए संसद भवन को गुलामी से मुक्त होने की सरकार की पहल करार दिया है। गुजरात प्रदेश भाजपा प्रमुख सीआर पाटील ने कहा कि भारत जैसे सबसे बड़े लोकतांत्रिक देश में लोकशाही का जतन होना जरूरी है। उन्होंने कहा कि नया संसद भवन अपना हो और उसमें भी अत्याधुनिक सुविधाएं, भारत की संस्कृति और वास्तु हो इन सभी बातों को ध्यान में रखकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इसका निर्माण करवाया है। नए संसद भवन के उदघाटन समारोह में विपक्ष को भी शामिल होना चाहिए। नए संसद भवन में सभी राजनीतिक दलों के सांसद बैठेंगे। सीआर पाटील ने कहा कि पीएम मोदी ने केवल अत्याधुनिक संसद भवन ही नहीं बनवाया, इसके अलावा और भी कई निर्माण करवाए हैं। उन्होंने पीएम मोदी ने अटल टनल भी बनवाई। अयोध्या में राम मंदिर का भव्य निर्माण कार्य चल रहा है। वाराणसी में काशी कोरिडोर, उज्जैन में महाकालेश्वर कोरिडोर और अंबाजी के जिर्णोद्धार समेत कई कार्य पीएम मोदी के नेतृत्व में किए गए हैं। उन्होंने कहा कि नए संसद भवन के उदघाटन समारोह का बहिष्कार कर विपक्ष अपना अस्तित्व बचाने के प्रयास में है।

टैग होगा दमन में आयोजित होने वाले 'शोर' फेस्ट के लिए ऑफिशियल एक्सपीरियंस पार्टनर

दमन ।

बॉलीवुड के सबसे बड़े नाइट बीच फेस्ट "शोर फेस्ट" का आयोजन 27 मई को जाम्पोर बीच पर करने की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। इस फेस्टिवल का दमन में काफी समय से लोगों का बेसब्री से इंतजार था। शोर फेस्ट की मेजबानी में सहयोग के लिए शराब निर्माण की इंडस्ट्री में जाने-पहचाने नाम टैग को ऑफिशियल एक्सपीरियंस पार्टनर बनाया गया है। इस फेस्टिवल में दर्शकों से यादगार इवेंट का वादा किया गया है। शो में मिथुन और असीस कौर जैसे सात सिलेब्रिटी कलाकार अपनी जबर्दस्त लाइव परफॉर्मेंस से शो को रात को पूरी तरह यादगार बना देंगे। शो में दर्शकों के लिए लजीज और स्वादिष्ट भोजन के कई विकल्प होंगे। इसको अलावा शो में मनोरंजक गतिविधियां भी होंगी।

ब्लॉसम इंडस्ट्रीज लिमिटेड के प्रबंध निदेशक श्री अमित खेमानी ने कहा, "हमारा मानना है कि संगीत में लोगों को बदलने, नया निर्माण करने और लोगों को एकजुट करने की ताकत है। शोर फेस्ट एक ऐसा म्यूजिक फेस्टिवल है, जो जबर्दस्त एनर्जी से भरपूर है। बिना किसी अतिरिक्त प्रयास के यह महोत्सव के सारतत्व और मर्म को लोगों के सामने लाएगा। एक ग्रुप के नाते हमारे लिए बेहद खुशी की बात है कि हम इस तरह के इवेंट्स के आयोजन और दमन में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए दमन के पर्यटन विभाग को अपना सहयोग दे रहे हैं और फेस्टिवल के आयोजन में भागीदारी निभा रहे हैं। इससे पर्यटकों को इस क्षेत्र का बेमिसाल अनुभव लेने का अवसर मिलेगा। हमें पूरा विश्वास है कि 'शोर' कामयाबी के नए झंडे गाड़ेगा और इसे स्वर्णिम सफलता मिलेगी और यह भविष्य में होने वाले फेस्टिवल्स और कार्निवल्स के लिए नए बेंचमार्क तय करेगी।"

बागेश्वर धाम के धीरेंद्र शास्त्री ने बाबा श्याम के दर्शन किये

सूरत भूमि, सूरत।

श्री श्याम मन्दिर, सूरतधाम पर आयोजित श्री राम कथा में शनिवार को व्यासपीठ से विजय कौशलजी महाराज ने राम वनवास की कथा का वर्णन किया । उन्होंने कहा की भगवान राम ने अपने पिता के वचन की लाज रखने के लिए वनवास को चले गये ।

आयोजन में शाम सात बजे से भजन संध्या में स्थानीय गायक कलाकार के अलावा कोलकाता से आमंत्रित गायक कलाकार सौरभ शर्मा भजनों की प्रस्तुति दी । रविवार को श्री श्याम आशीर्वाद महोत्सव का समापन होगा । शाम साढ़े तीन बजे से भागवत कथा का आयोजन होगा एवं शाम सात बजे से आयोजित भजन संध्या में चंडीगढ़ के सुप्रसिद्ध कन्हैया मित्तल भजनों की प्रस्तुति देंगे ।

बागेश्वर धाम के धीरेंद्र शास्त्री ने किये बाबा श्याम के दर्शन - शनिवार को बागेश्वर धाम के धीरेंद्र शास्त्री ने बाबा श्याम के दर्शन किये । शाम पाँच बजे महाराज मंदिर पहुँचे एवं बाबा के दर्शन किए । श्री श्याम सेवा ट्रस्ट ने इस अवसर पर महाराज श्री का सम्मान किया ।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादकः संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोनः 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)